अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA (AIIA)

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)

(An Autonomous Organization under the Ministry of AYUSH, Govt. of India)

वार्षिक रिपोर्ट

2017-2018

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
वार्षिक रिपोर्ट

2017-2018

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA (AIIA)

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)

(An Autonomous Organization under the Ministry of AYUSH, Govt. of India)

Mathura Road, Gautampuri, Sarita Vihar, New Delhi - 110076

Atithidevo Bhava

Incredible India

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers

(Constituent Board of Quality Council of India)

Certificate of Accreditation

All India Institute of Ayurveda
Sarita Vihar
Delhi - 110076

has been assessed and found to comply with NABH accreditation standards for AYUSH Programmes. This certificate is valid for the Scope as specified in the annexure subject to continued compliance with the accreditation requirements.

Valid from : July 06, 2017
Valid thru : July 05, 2020

Certificate No.
AH-2017-0022

Dr. Harish Nadkarni
Chief Executive Officer

Dr. Nandakumar Jairam
Chairman

NABH as an organisation is ISQua Accredited

प्रस्तावना

हमारे लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में, वर्ष 2017 अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान के लिए अनेक उपलब्धियों का वर्ष रहा है। एम्स के तर्ज पर स्थापित, सर्वप्रथम अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान (एआईआईए) को माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली में, 17 अक्टूबर, 2017 को आयोजित द्वितीय आयुर्वेद दिवस पर राष्ट्र को समर्पित किया गया। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित एक शिखर संस्थान के रूप में, एआईआईए आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नैदानिक उपकरण एवं प्रोद्योगिकी के मध्य सामंजस्य स्थापित कर रहा है। एआईआईए को एनएबीएच प्रत्यायन भी प्रदान किया गया है। जुलाई, 2017 में एनएबीएच प्रत्यायन पदत्त किए जाने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का प्रथम आयुर्वेद अस्पताल बनने से इसके द्वारा रोगियों को गुणवत्ता प्रदान की जाने वाली सेवाओं का ज्ञान होता है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों एवं औषधियों के वैज्ञानिक प्रमाणन और अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्ता नियंत्रण एवं मानकीकरण तथा सुरक्षा मूल्यांकन को निष्पन्न करने के लिए आधुनिक विज्ञान उपादानों एवं प्रोद्योगिकी का उपयोग करने वाला, देश में स्थित अपने प्रकार का प्रथम संस्थान है। यह संस्थान अंतर-अनुशासनिक नैदानिक अनुसन्धान तथा मानव संसाधन विकास कार्यक्रम द्वारा आयुर्वेद क्षेत्र की अपूर्ण आवश्यकताओं को समाधान करने की क्षमता के निर्माण में सहायता प्रदान कर रहा है। केंद्रीय सरकार द्वारा पूर्ण रूप से अनुदानित इस संस्थान को आरम्भ में आयुष मंत्रालय के एक स्वायत्त पंजीकृत निकाय (पंजीकरण सं. एस-ई/93/जनपद: दक्षिण-पूर्व/2013) के रूप में अगले 10 वर्षों में राष्ट्रीय महत्त्व के दर्जे तक उठाने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली समाज के बड़े क्षेत्रों की स्वास्थ्य स्थिति को सुधारने और उनके बीच में निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक एवं पुनर्वासात्मक सेवाओं का विस्तार करने का कठिन एवं महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। बाहय रागियों के लिए नैदानिक सेवाओं का आरम्भ 2014 में किया गया था, जबकि शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ 2016 में किया गया।

अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान के कर्मचारियों के लिए आवासीय गृह, शोध छात्रों के लिए छात्रावास, प्रेक्षागृह, अंतर्राष्ट्रीय अतिथिगृह, अत्याधुनिक कला वाचनालय, क्रीड़ा संकुल, औषधालय, पंचकर्म इकाई आदि सहित, दूसरे चरण के निर्माण के लिए आयुष मंत्रालय से वर्ष 2017 में अनुमोदन प्राप्त किया है।

दृष्टि :

"मानवता के हित के लिए आयुर्वेद के माध्यम से एक उत्कृष्ट आयुर्वेद तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल का उत्कृष्ट केंद्र बनना और शिक्षा, अनुसंधान एवं रोगियों की देखभाल के उच्चतम मानकों को स्थापित करना"

ध्येय:

हमारा ध्येय आयुर्वेद में स्नातकोत्तर और पोस्ट डॉक्टरेट शिक्षा के लिए मानक स्थापित करते हुए एक आदर्श बनना, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच के अंतर्गत उच्च मानकों से युक्त आयुर्वेद स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराना और आधुनिक उपकरणों तथा

प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए आयुर्वेद के पुरातन ज्ञान की मान्यता पर केंद्रित अंतःविषयक अनुसंधान कार्य करना है।

उद्देश्य:

- आयुर्वेद औषधि प्रणाली के अंतर्गत, स्नातकोत्तर/डाक्टरल और पोस्ट डाक्टरल, अनुसंधान सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- शिक्षा, अनुसन्धान, रुग्ण परिचर्या के उच्चतम मानक स्थापित करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक प्रतिमान केंद्र के रूप में कार्य करने हेतु एक रेफरल संस्थान और "उत्कृष्टतम केंद्र" के रूप में कार्य करना।
- आयुर्वेद की शक्ति, प्रभावशीलता व लोकप्रियता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिमान संस्थान के रूप में कार्य करना। संस्थान का उपयोग भारत और विदेश में आयुर्वेद को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाएगा।
- पंचकर्म, कायचिकित्सा, वात-व्याधि, रसायन, कायाकल्प, त्वचा रोग (स्किन डिसऑर्डर्स), वाजीकरण, शल्य तंत्र, क्षार एवं अनुशस्त्र कर्म (जलौका और रक्त मोक्षण, अग्नि कर्म आदि), मर्म चिकित्सा, वृक्क रोग (नेफ्रोलॉजी), मूत्र रोग (यूरोलॉजी), शालाक्य (आँख, नाक, कान, गला और दन्त), स्त्री रोग और प्रसूति तंत्र, बाल रोग, रोग निदान, जीवनशैली एवं चयापचय के विकार, योग एवं स्वस्थवृत्त, आहार विधि विज्ञान (डायटेटिक्स), आयुर्वेदिक औषधालय, आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों जैसे विशेषज्ञताओं में सेवाएँ उपलब्ध कराना और
  उनका विशिष्ट उपयोग करना जो जैव-औषधि, नवीनतम प्रबंधन एवं सूचना प्रोद्योगिकी उपकरणों के लाभों के साथ, आयुर्वेद के प्राचीन परंपरा को जोड़ता है।
- सभी आयुर्वेदिक विशेषज्ञताओं तथा स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधन कार्यक्रमों में भी अंतर-अनुशासनिक स्नातकोत्तर डाक्टरल और पोस्ट प्रशिक्षण और शोध प्रदान करना। इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के परस्पर सहयोग से निदान और उपचार के लिए माध्यमिक एवं त्रि-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा की सुविधाओं की व्यवस्था करने हेतु सभी आवश्यक आधारभूत संरचनाएँ उपलब्ध होंगी।
- सहयोगात्मक, अंतर-अनुशासनिक शोध के माध्यम से आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं के वैज्ञानिक आधार का पता लगाने और उनकी व्याख्या करने के लिए उच्चतम प्राथमिकता प्रदान करना। इस दिशा में, अपेक्षित आधारभूत संरचना का विकास सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन् आयुर्वेद सांइसेज़ (सीसीआरएएस), इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), काउंसिल फॉर साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर), नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) और अन्य राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों सहित, विभिन्न आर एंड डी संस्थानों की सहायता से किया जायेगा। भाग लेने वाले संस्थानों के संसाधन और आधारभूत संरचना का उपयोग आवश्यक विशिष्ट नैदानिक और औषधि अध्ययनों पर परियोजना आधारित शोध कार्यक्रमों को आयोजित करने में किया जायेगा।
- सभी शाखाओं में स्नातकोत्तर/डाक्टरल एवं पोस्ट-डाक्टरल आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा में शिक्षण के लिए आदर्श शिक्षण उपादान, प्रदर्शन मापदण्ड विकसित करना, ताकि आयुर्वेदिक संस्थानों में उपयोग के लिए शिक्षा के उच्च मानकों को प्रदर्शित किया जा सके।

दृष्टि, लक्ष्य और उद्देश्यों के अनुपालन में, एआईआईए ने वर्ष 2017-18 के दौरान, निम्नलिखित क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य किया है:

क) अस्पताल की सेवाएँ:

- विभिन्न सुविधाओं सहित, अत्याधुनिक त्रि-स्तरीय सेवायुक्त अस्पताल को स्थापित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु, पंचकर्म, योग, आहार योजना सहित, नैदानिक शोध, विभिन्न आयुर्वेद विशेषज्ञता शाखाओं का विकास आधुनिक प्रयोगशाला अनुसंधानों के सहयोग से किया गया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान, सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत, एनएबीएच मान्यता प्राप्त आयुर्वेद का प्रथम संस्थान है।
- अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान, अन्य आयुष स्वास्थ्य सेवाओं के एकीकरण के साथ-साथ, आयुर्वद के 14 विशेषज्ञताप्राप्त क्षेत्रों में ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएँ भी उपलब्ध करा रहा है।
- अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान स्वास्थ्य शिविरों, रोगी जागरूकता व्याख्यानों आदि के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बनाने का कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। वर्ष 2017-18 के दौरान, एआईआईए द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर 10 (दस) ऐसे आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था।
- वर्ष 2017-18 के दौरान, अनुमानतः 242331 रोगियों को ओपीडी में व 662 रोगियों को आईपीडी में समग्रतावादी आयुर्वेद उपचार द्वारा लाभ पहुँचाया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, कैंसर दिवस, डायबिटीज दिवस, अस्थमा दिवस, उत्तम आहार सप्ताह, स्वच्छता पखवाड़ा आदि, जैसे विभिन्न विशिष्ट दिवसों को अति उत्साह के साथ मनाया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविरों, जागरूकता व्याख्यानों आदि का आयोजन उक्त दिवसों को मनाने के लिए किया गया।
- रोगियों और जन-जागरुकता के लिए एआईआईए द्वारा आई ई सी विषयवस्तु और हस्तपुस्तिकाओं को प्रकाशित किया गया, जैसे कि 'मधुमेह के लिए स्वादिष्ट व्यंजन', 'साधारण दुखदायी अवस्थाएँ और आयुर्वेद के माध्यम से इनका प्रबंधन'।

ख) गुणवत्तायुक्त शिक्षा:

- वर्तमान में, 11 विशेषज्ञताओं में एमडी/एमएस पाठ्यक्रमों में शिक्षण प्रदान किया जा रहा है जिसकी ग्रहण क्षमता 84 सीट प्रतिवर्ष है। ये पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। वर्ष 2017-18 के दौरान, दो बैचों सहित, 111 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान अल्प अवधि के कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों का भी आयोजन करता है, उदाहरणस्वरुप:
    - पंचकर्म प्रविधिज्ञ तकनीशियन पाठ्यक्रम: पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम का प्रथम बैच 100% प्लेसमेंट के साथ संपन्न हुआ और द्वितीय बैच का प्रशिक्षण जारी है।

- स्वास्थ्य के लिए योग विज्ञान में फाउंडेशन पाठ्यक्रम: 40 अभ्यार्थियों के एक बैच ने एम डी आई वाई एन के सहयोग से आयोजित योग विज्ञान और स्वास्थ्य में एक माह के आधार पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।
- चिकित्सालय प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम: संस्थान ने मध्य जनवरी 2018 से चिकित्सालय प्रबंधन में 6 माह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आरंभ किया है।

- आयुष प्रणालियों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों (एमडी/एमएस) में प्रवेश प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, एआईआईए को आयुष मंत्रालय द्वारा 'अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी)' - सभी आयुष पाठ्यक्रमों में पीजी प्रवेश में पास होने के लिए राष्ट्रीय स्तर का प्रथम केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा का आयोजन और निरीक्षण करने का आदेश जारी किया गया।
- अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान ने आयुष मंत्रालय द्वारा सौंपे गए हैकथॉन गतिविधि के साथ भी सफलतापूर्वक समन्वय किया।
- इस वित्तीय वर्ष में, अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान ने भाषा प्रयोगशाला, ए एयू एंड एच औषधियों आदि के लिए राष्ट्रीय औषधि-सतर्कता समन्वय केंद्र भी स्थापित किया।
- एआईआईए द्वारा मस्तिष्क को झकझोरने वाले कार्यशालाओं, अधिवेशनों, गोष्ठियों आदि के माध्यम से मधुमेह के प्रबंधन और इसकी जटिलताओं, प्रसवपूर्व देखभाल के लिए सम्पूर्ण देश के विशेषज्ञों को जोड़ते हुए कुछ राष्ट्रीय प्रोटोकॉलों का विकास किया गया।
- राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ जैसे, अन्य सरकारी संगठनों के लिए विभिन्न सी एम ई, औषधि नियामक परिषद्, आयुर्वेद के यूरोपियन अकादमी, बिर्सटीन, जर्मनी के विद्यार्थियों के लिए सीएमई का आयोजन वर्ष 2017-18 के दौरान, एआईआईए द्वारा किया गया था।

ग) गुणवत्तायुक्त अनुसन्धान:

- एआईआईए में गुणवत्तायुक्त अनुसन्धान को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रांसलेशनल अनुसन्धान नामक एक पृथक विभाग है। कुल मिलकर, 111 अनुसन्धान प्रस्तावों का निरीक्षण इस विभाग द्वारा वर्ष 2017-18 में किया जा रहा है।
- डब्लूएचओ एवं आयुष के दिशानिर्देशों के अनुसार, ट्रांसलेशनल अनुसन्धान विभाग ने **संस्थागत समीक्षा परिषद् (आईआरबी)** और **संस्थागत नीति समिति (आईईसी)** की स्थापना की है।
- वर्ष 2017 में, आईईसी ने एआईआईए के संचालन के लिए मानक संचालन पद्धति (एसओपी) को विकसित किया और उसे संस्थान के वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इन दिशानिर्देशों के अनुसरण के लिए, अनुसन्धान के प्रस्तावों का अनुमोदन और निरीक्षण किया जाता है।
- प्रभावशीलता और सुरक्षा उपायों को मानकीकृत करने और अच्छी गुणवत्तायुक्त औषधियों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, एआईआईए ने प्राथमिक गुणवत्ता नियंत्रण उपकरणों और परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित केन्द्रीय अनुसन्धान प्रयोगशाला जैसे गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं को विकसित किया है, उदाहरणस्वरुप;
    - टीएलसी
    - एचपीटीएलसी प्रणाली

- एचपीएलसी प्रणाली
- एएएस आदि

- इसके अतिरिक्त, सहयोगात्मक अनुसन्धान जारी है, उदाहरणस्वरुप;
    - आयुर्वेद विज्ञान में केन्द्रीय अनुसन्धान परिषद् (सीसीआरएएस) के साथ "प्रकृति प्रश्नावली/मापदंड का विकास एवं प्रमाणीकरण"
    - हैकाथॉन-2017 के अंतर्गत, एचआरडी मंत्रालय/आयुष मंत्रालय के साथ ए पी पी द्वारा औषधीय पादप की पहचान के लिए ऐप
    - हैकाथॉन-2017 के अंतर्गत, एचआरडी मंत्रालय/आयुष मंत्रालय के साथ, आयुष औषधि प्रणाली को प्रचारित करने के लिए खेलों का आयोजन
    - हैकाथॉन-2017 के अंतर्गत, एचआरडी मंत्रालय/आयुष मंत्रालय के साथ विराट एप्लीकेशनों की प्रस्तुति और समयोचित अनुसरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल
    - हैकाथॉन-2017 के अंतर्गत, एचआरडी मंत्रालय/आयुष मंत्रालय के साथ प्राचीन आयुर्वेद आकलनों का आईएसआई मानकों में रूपांतरण

घ) प्रकाशन:

- इस वित्तीय वर्ष में, गुणवत्तायुक्त प्रकाशनों के माध्यम से अनुसन्धान को प्रोत्साहित करने के दृष्टिकोण के साथ, एआईआईए के प्रकाशन विभाग ने कुछ ठोस कदम उठाये हैं, जैसे कि आयुर्वेद केस रिपोर्टों (AyuCaRe) को जारी करना, केस रिपोर्टों का एक विशिष्ट जर्नल; प्रकरण अध्ययनों के प्रलेखन को प्रोत्साहित करने के लिए आयुर्वेद के क्षेत्र में अपने प्रकार का प्रथम।
- इसके अतिरिक्त, आयुर्वेद के माध्यम से रोगों के प्रबंधन में एकसमान दिशानिर्देश उपलब्ध कराने के लिए एआईआईए ने मधुमेह के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों को जारी किया है।
- वर्ष 2017-18 के दौरान, 57 के आसपास शोध लेखों को फैकल्टी और शोध छात्रों द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक जर्नलों में प्रकाशित किया गया है।

ङ) सहयोग के पहल:

यह सूचित करना गर्व का एक विषय है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न आर एवं डी संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसन्धान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2017-18 के दौरान, एआईआईए और प्रमुख संस्थानों के बीच कई समझौता ज्ञापनों को भी हस्ताक्षरित किया गया है, उदाहरणस्वरुप;

क) योग सम्बंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई)

ख) कैंसर रोगियों पर सहयोगात्मक अनुसन्धान और एकात्मक प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली

ग) यूरोपियन अकैडमी ऑफ़ आयुर्वेद, बिर्सटीन, जर्मनी

घ) जीएल बजाज प्रोद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, वृहत्तर नोयडा।

च) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

वर्ष 2017-18 के दौरान, पूरे विश्व में आयुर्वेद पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करने और उसके प्रोत्साहन के लिए विभिन्न देशों की यात्रा करने हेतु, लगभग 11 फैकल्टी के सदस्यों को प्रमुख संगठनों में प्रतिनियुक्त/आमंत्रित किया गया था। इसी प्रकार से, एनआईएच-यूएसए, डब्लूएचओ-जिनेवा, बिम्सटेक देशों; मॉरिशस, अर्जेंटीना, कोरिया, यूएस, 11 देशों के अफ्रीकन प्रतिनिधिमंडल, यूरोपियन अकैडमी ऑफ़ आयुर्वेद, जर्मनी और कई अन्यों संगठनों के प्रतिनिधिमंडल सहित, लगभग 10 देशों के प्रतिष्ठित कूटनीतिज्ञों और उच्च पदाधिकारियों ने आयुर्वेद की शक्तियों के अवलोकन हेतु एआईआईए में पधारे। “थेराप्युटिक डायटेटिक्स” पर यूरोपियन अकादमी ऑफ़ आयुर्वेद, जर्मनी के विद्यार्थियों के लिए एआईआईए द्वारा एक सीएमई का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, हम स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी; भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित करते हैं और उनके प्रति हम ऋणी हैं जिन्होंने एआईआईए की अवधारणा एक स्वप्निल परियोजना के रूप में की थी जो कई लोगों के कठिन परिश्रम से वास्तविकता में परिवर्तित हुआ। मैं पदमश्री वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय और श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, श्री पी.एन. रंजित कुमार, संयुक्त सचिव और श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव और आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के अन्य अधिकारियों को एआईआईए के विकास और वृद्धि के प्रत्येक कदम पर अपना समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने और तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहयोग प्रदान करने के लिए अपना सच्चा आभार प्रकट करती हूँ। मैं अधिशासी परिषद् के सदस्यों, स्थायी वित्त समिति, प्रशासनिक निकाय, संस्थागत समीक्षा परिषद्, संस्थागत नीति समिति की भी आभारी हूँ जिन्होंने इस संस्थान के निर्बाध कार्य में अपना सहयोग और तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

मैं प्रो. (डॉ.) अभिमन्यु कुमार, पूर्व निदेशक, एआईआईए के प्रति इस संस्थान को वर्तमान स्थिति तक विकसित करने में अपने पथप्रदर्शक प्रयासों के लिए सच्चा आभार प्रकट करती हूँ। मेरा आभार शिक्षण, चिकित्सालय, प्रशासनिक और गैर-शिक्षण स्टाफ के प्रति भी है जो लक्ष्यों को एक व्यवस्थित और हितकर तरीके से प्राप्त करने में सहायक रहे हैं। मैं प्रो. (डॉ.) पी.के. प्रजापति, पूर्व आई/सी निदेशक, एआईआईए को उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान के विकास में उनके योगदान और प्रो. (डॉ.) संजय गुप्ता, चिकित्सा निरीक्षक को चिकित्सालय के निर्बाध कार्य और विकास के प्रति उनके सहयोग के लिए भी धन्यवाद प्रेषित करती हूँ। मैं प्रो. सुजाता कदम, प्रो. महेश व्यास, डॉ. ग़ालिब, डॉ. मीरा के. भोजानी, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. अलका कपूर, डॉ. (श्रीमती) विनीता नेगी पंवार, श्री अश्विनी कुमार मनचंदा, श्रीमती ऋचा अधिकारी और श्री संजू द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन के इस खंड को तैयार करने में किए गए प्रयासों के प्रति आभार प्रकट करती हूँ।

हम भविष्य में भी संस्थान की उन्नति की दिशा में हमारे कठोर प्रयासों को जारी रखने के लिए वचनबद्ध हैं।

प्रो. तनूजा मनोज नेसरी
निदेशक,
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

विषय-सूची

क्र. सं.	शीर्षक	पृ. सं.
	2017-18 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां:	01-07
	मानीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र को एआईआईए का समर्पण	
	एनएबीएच प्रत्यायन	
	द्वितीय चरण के निर्माण का अनुमोदन और स्वीकृति	
	सेंटर ऑफ़ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (सीआईओ) एवं वेबलिंक का शुभारम्भ	
	नेशनल फार्माको-विजिलेंस कोआर्डिनेशन सेंटर की स्थापना	
	आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स (AyuCaRe) का जर्नल	
	अन्य उपलब्धियां:	
	संकाय सदस्यों द्वारा विदेश के दौरे	
	विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का आगमन	
	संस्थान की समितियाँ:	08-09
	कार्यकारिणी परिषद	
	स्थायी वित्त समिति	
	विशेष शासी निकाय	
	सामान्य प्रशासन	10-12
	अस्पताल प्रभाग	13-36
	• अस्पताल सेवाएं	
	• एनएबीएच प्रत्यायन	
	• क्लिनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला	
	• एकीकृत ऑन्कोलॉजी (अर्बुदविज्ञान) केंद्र (सीआईओ)	
	• अस्पताल संबंधी अन्य गतिविधियां, जन जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य दिवस समारोह	
	औषधीय उद्यान	37-40
	• औषधीय उद्यान का विकास	
	• वृक्षारोपण गतिविधियाँ और हरित पहल	
	शैक्षणिक अनुभाग	41-77
	• **शैक्षणिक विभाग**	
	1. आयुर्वेद संहिता सिद्धांत विभाग	
	2. द्रव्यगुण विभाग	
	3. कायचिकित्सा विभाग	
	4. कौमारभृत्य विभाग	
	5. पंचकर्म विभाग	
	6. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग	
	7. रसशास्त्र एवं भेषज्य कल्पना विभाग	

	8. रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग	
	9. शालक्य तंत्र विभाग	
	10. शल्य तंत्र विभाग	
	11. स्वस्थवृत्त विभाग	
	विशिष्ट आयोजन	**78-88**
	➢ मेडिकल हर्ब्स (औषधीय जड़ी बूटियों) और चिकित्सीय आहार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	
	➢ आयुर्वेद के माध्यम से गर्भधारण देखभाल और प्रसव पूर्व देखभाल में एसओपी का विकास	
	➢ इंडो-यूएस संयुक्त कार्यशाला - आयुर्वेद ऑन फ्रंटीयर्स ऑफ मेंनेजिंग पब्लिक हेल्थ	
	➢ एएसयू एंड एच ड्रग रेगुलेटर्स, इंड्रस्ट्री पर्सनल एंड अदर स्टेकहोल्डर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	
	➢ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह	
	• अन्नपूर्णा प्रतियोगिता	
	• महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम	
	➢ एएसयू एंड एच ड्रग्स को-ओर्डिनेटर्स के लिए फार्माकोविलेंस पर इंडक्शन प्रोग्राम	
	विविध	**89-96**
	• अतिरिक्त-पाठ्यचर्या संबंधी शैक्षणिक गतिविधियाँ	
	• ज्ञान संसाधन केंद्र (पुस्तकालय)	
	• आयुर्वेद केस रिपोर्ट पत्रिका (AyuCaRe)	
	• आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस	
	अनुसंधान अनुभाग	**97-119**
	• अनुसंधान गतिविधियाँ	
	• संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी)	
	• संस्थागत आचार समिति (आईईसी)	
	• प्रकाशित शोध पत्र / पुस्तकें	
	• क्वालिटी कंट्रोल लैब	
	राजभाषा अनुभाग	**120-121**
	वित्त प्रभाग	**122-147**
	• **तुलन पत्र**	
	• **लेखा रिपोर्ट**	

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA (AIIA)

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)

(An Autonomous Organization under the Ministry of AYUSH, Govt. of India)

Mathura Road, Gautampuri, Sarita Vihar, New Delhi - 110076

- **वर्ष 2017-18 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां**

  ✓ माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र को एआईआईए का समर्पण

  ✓ एनएबीएच प्रत्यायन

  ✓ द्वितीय चरण के निर्माण का अनुमोदन और स्वीकृति

  ✓ सेंटर ऑफ़ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी शुभारम्भ का वेबलिंक और (सीआईओ)

  ✓ नेशनल फार्माको-विजिलेंस कोआर्डिनेशन सेंटर की स्थापना

  ✓ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स (AyuCaRe) का जर्नल

अन्य उपलब्धियां:

- संकाय सदस्यों द्वारा विदेश के दौरे
- विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का आगमन

संस्थान की समितियाँ:

- कार्यकारिणी परिषद

- स्थायी वित्त समिति
- विशेष शासी निकाय

- **सामान्य प्रशासन**

2017-18 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. **माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एआईआईए का राष्ट्र को समर्पण**: अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) मानवता के लाभ के लिए त्रि-स्तरीय आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसन्धान हेतु एक विशिष्ट उत्कृष्टता केंद्र बनने का दृष्टिकोण रखता है। इस संस्थान का औपचारिक उद्घाटन और राष्ट्र की सेवा में इसका समर्पण भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धन्वन्तरी जयंती (17 अक्टूबर, 2017) पर मनाए गए द्वितीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री भगवान धन्वन्तरी की अराधना करते हुए

माननीय प्रधानमंत्री एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री श्रीपाद यसो नायक, आयुष मंत्रालय एवं पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय उद्घाटन समारोह के साक्षी बने। आयुष मंत्रालय, विभिन्न सरकारी अधिकारीगण, शोध परिषदों के कई अन्य उच्च पदाधिकारी एवं 2500 से अधिक आयुर्वेद चिकित्सक, शिक्षाविद्, शोधार्थी और सम्पूर्ण भारत से पधारे जन सामान्य ने इस समारोह के शोभा में वृद्धि की। इस अवसर पर, दर्द के प्रबंधन के लिए उपयोगी जड़ीबूटी विषयक एक प्रदर्शनी का उद्घाटन भी माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष में "उत्कृष्टता के केंद्र" के रूप में एआईआईए की संकल्पना में आयुष मंत्रालय के प्रयासों की प्रशंसा की और इसके हितों के लिए एआईआईए की समृद्धि की कामना की।

1. **एनएबीएच प्रत्यायन:** एआईआईए चिकित्सालय अपने यहाँ आने वाले रोगियों को गुणवत्तायुक्त सेवा प्रदान करने के लिए और सभी कर्मचारियों को गुणवत्तायुक्त पद्धति से परिचित कराने हेतु चिकित्सालय में सुरक्षा और संक्रमण नियंत्रण उपायों पर बल देने के साथ निरंतर गुणवत्ता सुधार को बनाये रखने के लिए, एआईआईए ने एनएबीएच प्रत्यायन की प्रक्रिया आरम्भ की। अपनी स्थापना के द्वितीय वर्ष में, एआईआईए एनएबीएच प्रत्यायन की आकांक्षित स्थिति प्राप्त करने वाला प्रथम

सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल बन गया था और इसे 6 जुलाई, 2017 को एनएबीएच प्रत्यायन प्रमाणन प्रदान किया गया।

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers

Certificate of Accreditation

3. द्‌वितीय चरण के निर्माण का अनुमोदन और स्वीकृति: वर्तमान वित्तीय वर्ष में, एआईआईए को इसके द्‌वितीय चरण के निर्माण के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया। कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 60966 वर्ग मीटर होगा। निर्माण योजना की निम्नलिखित मुख्य विशेषताएँ होंगी:

- चरण 2, एआईआईए, सरिता विहार में आठ प्रखंड और 3 स्तर पर तहखाने सम्मिलित होंगे,
- अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ, 500 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक प्रेक्षागृह,
- आयुष क्रीड़ा संकुल,
- औषधालय (फार्मेसी) इकाई,
- अत्याधुनिक केंद्रीय वाचनालय (लाइब्रेरी),
- पंचकर्म शाखा,
- अंतर्राष्ट्रीय अतिथिगृह,
- आवासीय संकुल,
- छात्र और छात्राओं के लिए छात्रावास आदि।

4. सेंटर ऑफ़ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (सीआईओ) और वेब लिंक का शुभारम्भ: अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और राष्ट्रीय कैंसर निरोध और अनुसन्धान संस्थान (एनआसीपीआर) के एक संयुक्त उपक्रम के रूप में, सेंटर ऑफ़ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (सीआईओ) की स्थापना कैंसर की रोकथाम और प्रबंधन के क्षेत्र में एकीकृत अभ्यास की एक मंशा के साथ की गयी है। वर्ष 2016 में, एआईआईए और एनआईसीपीआर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया था। “कैंसर जागरूकता सप्ताह” मनाने के दौरान, सीआईओ के वेबसाईट लिंक का शुभारम्भ निदेशक, एआईआईए द्‌वारा फ़रवरी, 2018 में किया गया

5. **नेशनल फार्माकोविजिलेंस कोऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना:** भारत में नेशनल फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम में एएसयू & एच ड्रग्स के प्रति प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की संख्या को देखते हुए; आयुष मंत्रालय ने आगे की नियामक कार्रवाई के लिए एडीआर रिपोर्टिंग, प्रलेखन और विश्लेषण की संस्कृति के विकास के उद्देश्य से एएसयू एंड एच दवाओं के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम की शुरुआत की है। आयुष मंत्रालय ने मार्च, 2018 में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली को एक राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस समन्वय केंद्र के रूप में नामित किया है।

6. **जर्नल ऑफ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स (AyuCaRe):** ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद द्वारा आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स के लिए एक विशेष पत्रिका प्रकाशित की जा रही है। यह नैदानिक विशिष्टताओं से युक्त केस रिपोर्ट आमंत्रित करता है और छात्रों, शोधकर्ताओं और आयुर्वेद और संबद्ध चिकित्सा विज्ञान के संकायों को इसका हिस्सा बनने के अवसर प्रदान करता है। इस पहल से अनुसंधानों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है, साथ ही, आयुर्वेद और संबद्ध विज्ञान के दावों और सिद्धांतों के लिए एक प्रमाणिक तरीके से साक्ष्य आधार प्रदान करता है। **AyuCaRe** के दो अंक प्रकाशित हुए हैं और तीसरे अंक पर कार्य चल रहा है।

अन्य उपलब्धियां:

संकाय सदस्यों द्वारा विदेशी दौरे: एआईआईए को गर्व है कि वर्ष 2017-18 के दौरान दुनिया भर में आयुर्वेद के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संवर्धन के लिए विभिन्न देशों में जाने के लिए लगभग 11 संकाय सदस्यों को प्रतिनियुक्त/आमंत्रित किया गया था।

1. **प्रो. अभिमन्यु कुमार** दिनांक **22** से **28** अप्रैल, **2017** तक शिकागो गए और दिनांक **8-10** सितंबर, **2017** के दौरान जर्मनी गए और यूरोपीय वार्षिक आयुर्वेद सम्मेलन में भाग लिया, तथा भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा उन्हें अतिथि व्याख्यान देने का कार्य सौंपा गया।
2. **प्रो. तनुजा नेसरी** ने 19 वीं अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद संगोष्ठी में भाग लेने के लिए 8-10 सितंबर, 2017 को यूरोपीयन अकादमी ऑफ आयुर्वेद, ब्रेस्टीन, जर्मनी का दौरा किया।

प्रो. तनुजा नेसरी ने यूरोपियन एकेडमी ऑफ आयुर्वेद, बेस्टींन, जर्मनी में 19 वीं अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद संगोष्ठी में 8-10 सितंबर, 2017 को व्याख्यान दिया।

3. पोलैंड में भारतीय दूतावास के सहयोग से सुलिसॉ इंस्टीट्यूट ऑफ योग एवं आयुर्वेद में दिनांक 23 से 25 जून, 2017 तक "चतुर्थ साइंटिफिक कॉन्फेरेंस ऑन योग एण्ड आयुर्वेद" में भाग लेने के लिए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने **प्रोफेसर पी. के. प्रजापति** को नियुक्त किया।

प्रो. पी.के. प्रजापति दिनांक 23 से 25 जून, 2017 तक पोलैंड के सुलिसॉ इंस्टीट्यूट ऑफ योग एंड आयुर्वेद में "4 साइंटिफिक कॉन्फेरेंस ऑन योग एण्ड आयुर्वेद" पर पैनल चर्चा में भाग लेते हुए।

4. प्रो. मंजूषा आर ने श्रीलंका में शालक्य संदीपनी-2017 में विशिष्ट व्याख्यान दिया, शालक्य तंत्र आदुनिक प्रगति, शालक्य तंत्र 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 16 और 17 सितंबर 2017 को द एसोसिएशन ऑफ शलाकी - भारत के सहयोग से गम्पाहावाकरमराची आयुर्वेद संस्थान, केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा TAS-India (टीएएस-भारत) का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

5. प्रो. सुजाता कदम ने शालक्य संदीपनी-2017 में भाग लेने हेतु श्रीलंका का दौरा किया, शालक्य तंत्र में अद्यतन प्रगति, शालक्य तंत्र 2017 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 16 और 17 सितंबर 2017

6. आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नियुक्त **डॉ. राजगोपाल एस.** ने 19 सितंबर 2017 से 3 अक्टूबर, 2017 को ऑस्ट्रिया (ग्राज़ मेडिकल यूनिवर्सिटी, ग्राज़) में आयुर्वेद पर एक संगोष्ठी में भाग लिया और अतिथि व्याख्यान दिया।

7. **डॉ. गालिब** ने यूक्रेन में आयुर्वेद व्यापार, शैक्षिक पाठ्यक्रम और व्यापारिक संवर्धन के लिए द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की और आयुर्वेद पर एक व्यावसायिक संगोष्ठी और द्विपक्षीय बैठकों में 27, 28 मार्च, 2018 को कीव, यूक्रेन में भाग लिया। इसके साथ ही यूक्रेन में आयुर्वेद उत्पादों के आयात और पंजीकरण की संभावनाओं का पता लगाने के लिए यूक्रेनी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसीसीआई) केवायआईवी, के साथ चर्चा की। केवायआईवी मेडिकल यूनिवर्सिटी के साथ लघु अवधि के आयुर्वेद पर आधारित पाठ्यक्रम प्रारंभ करने और कीव मेडिकल विश्वविद्यालय में एक आयुर्वेद पीठ स्थापित करने की संभावनाओं के अतिरिक्त आयुष मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन करने पर भी चर्चा की।

8. **डॉ. शिव कुमार हर्ति** को फेस्टिवल ऑफ इंडिया, बैंकॉक, थाईलैंड में वक्ता के रूप में **23** और **24** सितंबर, **2017** के लिये आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त किया गया था।

9. **डॉ. मंगलगौरी वी राव** ने आयुष विशेषज्ञ के रूप में मोरक्को के कैसाब्लांका और रबात में 27 फरवरी से 2 मार्च 2018 तक आयुर्वेद सप्ताह मनाने के लिए मोरक्को का दौरा किया। उन्होंने मोरक्को के लिए डायटेटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया और कैसबेलैंका और रबात, मोरक्को में विश्वविद्यालय के छात्रों, अधिकारियों और आम जनता के लिए गर्भावस्था और रोगों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए आयुर्वेद में आहार और पाक साधना पर व्याख्यान दिया।

10. **डॉ. वी.जी. हुद्दार** ने आयुर्वेद विशेषज्ञ के रूप में 16 से 19 जुलाई 2017 तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलंबो, श्रीलंका का दौरा किया।

11. **डॉ. प्रशांत डी.** ने आयुर्वेद परामर्श प्रदान करने और जागरूकता आधारित व्याख्यान देने के लिए 16-27 जून 2017 को रीयूनियन द्वीप, फ्रांस का दौरा किया।

12. **डॉ. महापात्र अरुण कुमार** ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित आयुर्वेद के प्रचार के लिए फरवरी, 2018 में तज़ाकिस्तान का दौरा किया और व्याख्यान दिया।

विदेशी प्रतिनिधिमंडल का एआईआईए दौरा: अपनी स्थापना की लघु अवधि में ही, एआईआईए अंतर्राष्ट्रीय फलक पर पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है और आयुर्वेद में चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बनने की और अग्रसर है। निम्नलिखित प्रतिनिधि-मण्डलों ने वर्ष 2017-2018 में एआईआईए का दौरा किया।

1. एनआईएच, यूएसए, से प्रतिनिधिमण्डल का दौरा - 7 जुलाई, 2017
2. विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि मण्डल का दौरा 11 अक्टूबर, 2017
3. बिम्सटेक प्रतिनिधिमंडल का दौरा, 25 अक्टूबर, 2017
4. मॉरीशस के प्रतिनिधिमंडल का दौरा, 3 नवंबर, 2017
5. आरोग्य के विदेशी प्रतिनिधियों की यात्रा, 6 दिसंबर, 2017
6. दिनांक 6 दिसंबर, 2017 को अर्जेंटीना से डॉ. जॉर्ज बर्रा का दौरा
7. कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का दौरा, 20 दिसंबर, 2017
8. दिनांक 5 जनवरी, 2018 को यूएस प्रतिनिधिमंडल का दौरा, जिसमें डॉ. तेज पारीक, डॉ. संदीप अग्रवाल और प्रो. शेरोन मिलिगन शामिल थे
9. ग्यारह अफ्रीकी देशों से, अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल का दौरा (30 प्रतिनिधि),13 फरवरी, 2018
10. यूरोपियन एकेडमी ऑफ आयुर्वेद, जर्मनी, का दौरा एंड सीएमई 14 से 19 फरवरी, 2018

6 दिसंबर, 2017 को आरोग्य के विदेशी प्रतिनिधियों की यात्रा

संस्थान की समितियाँ

कार्यकारिणी परिषद

1.	वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव, एएस एंड एफए या प्रतिनिधि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
3.	श्री पी एन रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय	सदस्य
4.	सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय	सदस्य
5.	प्रो. वैद्य केएस धीमान, महानिदेशक, सीसीआरएएस, जनकपुरी, नई दिल्ली	सदस्य
6.	प्रो. रघुराम राव अक्किनेपल्ली, निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर), मोहाली, पंजाब	सदस्य
7.	डॉ. रणदीप गुलेरिया, महानिदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान या उनके नामांकित व्यक्ति, नई दिल्ली	सदस्य
8.	प्रो. बलराम भार्गव, महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रो. वी के जोशी, प्रोफेसर और विभागध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, आयुर्वेद संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
10.	प्रो. एम एस बघेल, पूर्व निदेशक, आईपीजीटी एंड आरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर, गुजरात	सदस्य
11.	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), सरिता विहार, नई दिल्ली	सदस्य सचिव

स्थायी वित्त समिति

1.	श्री पीएन रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव, एएस एंड एफए या प्रतिनिधि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
3.	डॉ. मनोज नेसरी, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय	सदस्य
4.	सुश्री भारती दास, मुख्य लेखा नियंत्रक एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	
5.	लेखा/ भारत सरकार के वित्त सेवा अधिकारी/स्वायत्त संस्थान के बाह्य विशेषज्ञ	आयुष मंत्रालय द्वारा नामित
6.	प्रो. वैद्य के एस धीमान, महानिदेशक, सीसीआरएएस, जनकपुरी, नई दिल्ली	सदस्य
7.	डॉ. सी के कटियार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी- स्वास्थ्य देखभाल (तकनीकी), इमामी लिमिटेड, कोलकाता	सदस्य

विशेष शासी निकाय

1.	माननीय राज्य मंत्री (आईसी), आयुष, आयुष मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय	सदस्य
3.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव, एएस एंड एफए या प्रतिनिधि, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रो. वैद्य के एस धीमान, महानिदेशक, सीसीआरएएस, जनकपुरी, नई दिल्ली	सदस्य
5.	प्रो. योगेश के त्यागी, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय या प्रतिनिधि	सदस्य
6.	डॉ .रामचंद्र जी भट, कुलपति, एस-व्यास योग विश्वविद्यालय, बेंगलुरु या प्रतिनिधि	सदस्य
7.	प्रो. रघुराम राव अक्किनेपल्ली, निदेशक, **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च** (एनआईपीईआर), मोहाली, पंजाब	सदस्य
8.	कार्यकारी निदेशक, फर्मेसिल, हैदराबाद	सदस्य
9.	प्रो. बलराम भार्गव, महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली	सदस्य
10.	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि (नामित सदस्य –डॉ .भानु प्रताप सिंह, वैज्ञानिक 'जी 'और प्रमुख (एनसीएसाटीसी) और आयुर्वेद जीव विज्ञान की विशेषज्ञ समिति के सदस्य सचिव	सदस्य
11.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य
12.	प्रो. नवनीत विज, मेडिसिन एंड हेड मेडिसिन यूनिट III, एम्स, नई दिल्ली (बतौर एम्स के प्रसिद्ध प्रोफेसर)	सदस्य
13.	क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के महासचिव	सदस्य
14.	प्रो. एम एस बघेल, पूर्व निदेशक, आईपीजीटी एंड आरए, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर, गुजरात	सदस्य
15.	डॉ. सी के कटियार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी- स्वास्थ्य देखभाल सदस्य (तकनीकी), इमामी लिमिटेड, कोलकाता	
16.	प्रो .वी के जोशी, प्रोफेसर और विभागध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, आयुर्वेद संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
17.	प्रो .जी के रथ, विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग और प्रमुख राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, नई दिल्ली	सदस्य
18.	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), सरिता विहार, नई दिल्ली	सदस्य सचिव

सामान्य प्रशासन

निदेशक

क्र. सं.	नाम	पद की अवधि	
		से	तक
1.	प्रो. डॉ. तनुजा मनोज नेसरी	02.02.2018	जारी
2.	प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति (प्रभारी)	24.11.2017	01.02.2018
3.	प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार	13.01.2013	23.11.2017

अधिष्ठाता - अकादमिक

क्र. सं.	नाम	पद की अवधि	
		से	तक
1.	प्रो. सुजाता कदम, अधिष्ठाता, एम. डी. पाठ्यक्रम	13.09.2017	जारी
2.	प्रो. महेश व्यास, अधिष्ठाता, पी.एचडी. पाठ्यक्रम	13.09.2017	जारी
3.	डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति	16.10.2016	12.09.2017

चिकित्सा अधीक्षक और उपचिकित्सा अधीक्षक

क्र. सं.	नाम	पद की अवधि	
		से	तक
1.	प्रो. संजय कुमार गुप्ता	05.09.2016	जारी
2.	डॉ. अलका कपूर	15.10.2015	जारी

स्थायी कर्मचारियों की सूची

क्र. सं.	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. डॉ. तनुजा मनोज नेसरी	निदेशक	द्रव्यगुण
2.	प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति	प्रोफ़ेसर	रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना
3.	प्रो. संजय कुमार गुप्ता	प्रोफ़ेसर	शल्य तंत्र
4.	प्रो. डॉ. मंजूषा राजगोपाल	प्रोफ़ेसर	शालाक्य तंत्र
5.	प्रो. डॉ. सुजाता कदम	प्रोफ़ेसर	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र
6.	प्रो. डॉ. महेश व्यास	प्रोफ़ेसर	संहिता सिध्दांत
7.	डॉ. कामिनी धीमान	सह-प्रोफ़ेसर	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र
8.	डॉ. राजगोपाल एस.	सह-प्रोफ़ेसर	कौमारभृत्य
9.	डॉ. विठ्ठल जी. हुद्दार	सह-प्रोफ़ेसर	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान
10.	डॉ. रमा कांत यादव	सह-प्रोफ़ेसर	कायचिकित्सा
11.	डॉ. संतोष कुमार भट्टड	सह-प्रोफ़ेसर	पंचकर्म
12.	डॉ. गालिब	सह-प्रोफ़ेसर	रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना
13.	डॉ. व्यासदेवा महंत	सह-प्रोफ़ेसर	शल्य तंत्र
14.	डॉ. मंगलगौरी वी.राव	सह-प्रोफ़ेसर	स्वस्थवृत
15.	डॉ. महापात्र अरुण कुमार	सहायक-प्रोफ़ेसर	कौमारभृत्य
16.	डॉ. दिव्या काजरिया	सहायक-प्रोफ़ेसर	कायचिकित्सा
17.	डॉ. राजा राम महतो	सहायक-प्रोफ़ेसर	कायचिकित्सा
18.	डॉ. प्रशांत डी.	सहायक-प्रोफ़ेसर	पंचकर्म
19.	डॉ. मीनाक्षी पांडेय	सहायक-प्रोफ़ेसर	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र
20.	डॉ. प्रमोद आर. यादव	सहायक-प्रोफ़ेसर	रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना
21.	डॉ. मीरा केशवलाल भोजाणी	सहायक-प्रोफ़ेसर	संहिता सिध्दांत
22.	डॉ. नारायण बावलत्ति	सहायक-प्रोफ़ेसर	शालाक्य तंत्र
23.	डॉ. पंकज कुंडल	सहायक-प्रोफ़ेसर	शालाक्य तंत्र
24.	डॉ. शेरखाने राहुल नागनाथ	सहायक-प्रोफ़ेसर	शल्य तंत्र
25.	डॉ. शिव कुमार शंकर हर्ति	सहायक-प्रोफ़ेसर	स्वास्थ्यवृत
26.	डॉ. शिवानी घिल्डियाल	सहायक-प्रोफ़ेसर	द्रव्यगुण
27.	डॉ. शालिनी राय	सहायक-प्रोफ़ेसर	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान
28.	श्रीमती ऋचा अधिकारी	हिंदी अधिकारी	राजभाषा विभाग
29.	डॉ. अलका कपूर	उपचिकित्सा अधीक्षक	अस्पताल

30.	डॉ. राजू सिंह	चिकित्सा अधिकारी (रक्त कोष)	अस्पताल
31.	डॉ. दीपक भाटी	चिकित्सा अधिकारी (आपातकालीन)	अस्पताल
32.	डॉ. नम्रता राज	योग अनुदेशक	अस्पताल
33.	सुश्री ज्योति अरोड़ा	मुख्य आहारविद्	अस्पताल
34.	सुश्री सिंधु राजेश	नर्सिंग अधीक्षक	अस्पताल
35.	सुश्री अंजना लस्कर	नर्सिंग उपअधीक्षक	अस्पताल
36.	श्री विकास गिरि	स्टाफ नर्स	अस्पताल
37.	सुश्री राजश्री	परिचारिक	अस्पताल
38.	श्री दीपु प्रसाद	स्टाफ नर्स	अस्पताल
39.	श्री व्रिजीष वर्घीस	स्टाफ नर्स	अस्पताल
40.	सुश्री संगीता टी. एस.	स्टाफ नर्स	अस्पताल
41.	सुश्री तृष्णा पिल्लै	स्टाफ नर्स	अस्पताल
42.	सुश्री आर. शन्मुगप्रिया	स्टाफ नर्स	अस्पताल
43.	श्रीमती मेघा गुप्ता	स्टाफ नर्स	अस्पताल
44.	मो. शेख अब्दुल रहमान	वरिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी	अस्पताल
45.	मो. मोहसीन जमाल	रेडियोलॉजी सहायक	अस्पताल
46.	श्री अमित वत्स	रेडियोग्राफर	अस्पताल
47.	श्री अमित पुरिया	ईसीजी तकनीशियन	अस्पताल
48.	श्री मुकेश कुमार देव	ओ.टी. सहायक	अस्पताल
49.	श्री राजकुमार सिन्ह	ओ.टी. सहायक	अस्पताल
50.	सुश्री पूजा कसाना	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
51.	सुश्री पूजा शर्मा	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
52.	श्री सुनित कुमार शर्मा	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
53.	सुश्री कविता	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
54.	श्री पुनीत कुमार गुप्ता	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
55.	श्री नवीन	प्रयोगशाला तकनीशियन	अस्पताल
56.	श्री धर्मवीर सिन्ह	प्रयोगशाला सहायक	अस्पताल
57.	श्री सुरेश कुमार	प्रयोगशाला सहायक	अस्पताल

अस्पताल प्रभाग

- अस्पताल सेवाएं
- एनएबीएच प्रत्यायन
- क्लिनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला
- एकीकृत ऑन्कोलॉजी (अर्बुदविज्ञान) केंद्र (सीआईओ)
- अस्पताल संबंधी अन्य गतिविधियां, जन जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य दिवस समारोह

अस्पताल सेवाएं

परिचय: अपनी स्थापना के कुछ ही समय के अंदर,अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई। आयुर्वेद के उत्पादों की गुणवत्ता,सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में वैज्ञानिक जानकारी और गुणवत्ता अनुसंधान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से तथा अन्य संस्थानों के लिए आयुर्वेदिक शिक्षा,अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के मानक विकसित करने के लिए,संस्थान इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

उपलब्ध सुविधाएं: एआईआईए अस्पताल में आयुर्वेद हेल्थ केयर मॉडल के तहत निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है;

सामान्य ओपीडी: कायचिकित्सा विभाग (सामान्य चिकित्सा), स्त्रीरोग प्रसूति तंत्र (प्रसूति और स्त्री रोग), कौमारभृत्य (बाल रोग), शलाक्य तंत्र (नेत्र विज्ञान, कान, नाक और गला), शल्य तंत्र (सर्जरी), पंचकर्म।

- एकीकृत आयुष क्लिनिक: यूनानी,होम्योपैथी और सिद्ध।
- रोगी और आगंतुको के आराम के साथ-साथ उनकी निजता बनाए रखने के लिए भू-तल, प्रथम तल और द्वित्तीय तल पर 17 सुसज्जित परामर्श कक्ष, चतुर्थ तल पर अंतरंग रोगी विभाग तथा प्रत्येक ओपीडी पर वातानुकूलित रोगी प्रतीक्षा स्थल।
- रोगी की सुविधा के लिए सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे और शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक परामर्श।

विशिष्ट क्लीनिक एवं सेवाएं

1. **न्यूरोलॉजी एवं डिजनरेटिव रोग:** ग्रीवा एवं कटि कशेरुका-संधिशोथ (स्पॉन्डिलाइसिस) (गर्दन और पीठ दर्द), गृध्रसी (साइएटिका), पर्किन्सन रोग आदि का उपचार होता है।
2. **मस्क्यूलोस्केलेटल एवं रूमेटोलॉजी रोग**: रूमेटॉइड संधिशोथ, अस्थिसंधिशोथ, जोड़ों के दर्द आदि के लिए।
3. **मधुमेह एवं चयापचय (मेटाबॉलिक) रोग:** मधुमेह (डायबिटीज़), थाइराइड (अवटु ग्रंथि) विकार, अधिक वजन व मोटापा आदि।
4. **एलर्जी, श्वास एवं त्वचा रोग क्लीनिक:** अस्थमा, त्वचा रोग जैसे सोरायसिस, एक्जिमा आदि के लिए।
5. **इन्फर्टिलिटी (बांझपन) क्लीनिक:** स्वस्थ संतान के लिए दंपतियों को सलाह प्रदान करना तथा बांझपन का उपचार।
6. **प्रसवपूर्व क्लिनिक:** स्वस्थ बच्चे और सामान्य प्रसव के लिए गर्भवती महिलाओं को विशिष्ट मासानुमासिक आयुर्वेदिक दिशा-निर्देश दिए जाते हैं।
7. **पीसीओडी क्लिनिक:** पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि रोग के लिए विशिष्ट आयुर्वेदिक थेरेपी और उपचार प्रदान किया जाता है।
8. **क्षारसूत्र, अनु शस्त्र कर्म**: बवासीर (पाइल्स), नालव्रण (भंगदर), विदार (फिशर) के लिए विशेष क्षारसूत्र थेरेपी के साथ विशिष्ट आयुर्वेदिक उपचार।
9. **मॉडयुलर ओटी एवं रेडियोलॉजी (यूएसजी) यूनिट**
10. सभी प्रकार के जटिल बीमारियों के लिए **पंचकर्म क्लीनिक**

11. **नेत्र एवं ईएनटी ओपीडी**

12. **दन्त ओपीडी**

अस्पताल प्रशासन:

• चिकित्सा अधीक्षक	:	प्रो. संजय कुमार गुप्ता
• उपचिकित्सा अधीक्षक	:	डॉ. अलका कपूर
• चिकित्सा अधिकारी - आपात्कालीन	:	डॉ. दीपक भाटी
• चिकित्सा अधिकारी (रक्त कोष)	:	डॉ. राजू सिंह
• परिचर्या अधीक्षक	:	सुश्री सिंधु राजेश
• परिचर्या उपअधीक्षक	:	सुश्री अंजना लस्कर
• वरिष्ठ चिकित्सा रिकॉर्ड अधिकारी	:	मो. शेख अब्दुल रहमान

नैदानिक सेवाओं के लिए कुल परामर्शदाता : 33 (आयुर्वेद) एवं 3 (एकीकृत क्लीनिक के लिए - यूनानी, होम्योपैथी और सिद्ध में से प्रत्येक एक)

एआईआईए में रोगी की देखभाल

मरीजों की जनगणना के आंकड़े:

वर्ष 2017-18 में ओपीडी में लगभग 2,42,331 मरीज और आईपीडी में 662 मरीज समग्र (होलिस्टिक) आयुर्वेद उपचार से लाभान्वित हुए।

I. ग्राफ: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी मरीजों की संख्या

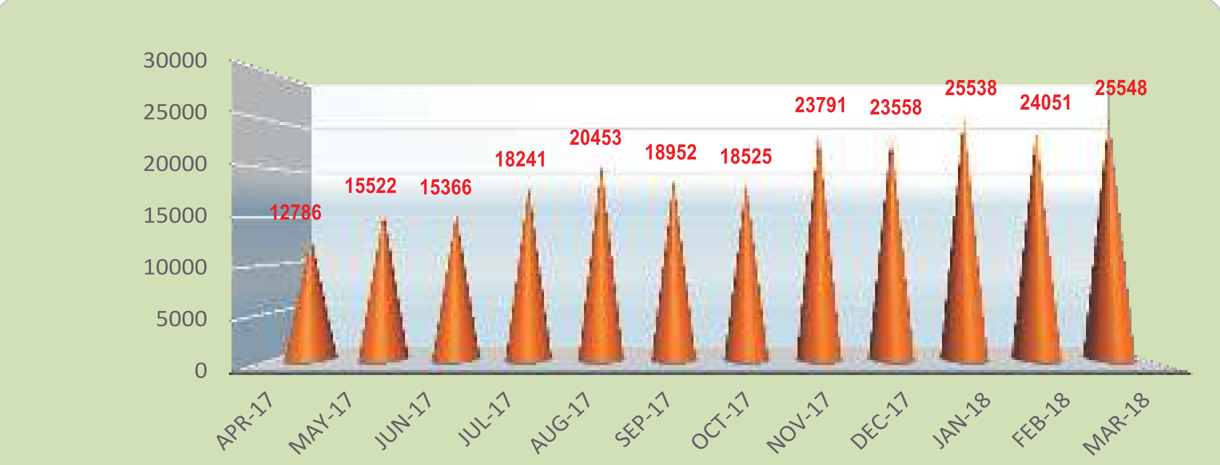

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
NO. OF PATIENT	12786	15522	15366	18241	20453	18952	18525	23791	23558	25538	24051	25548

II. ग्राफ़: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी पुरुष और महिला रोगोयों की संख्या:

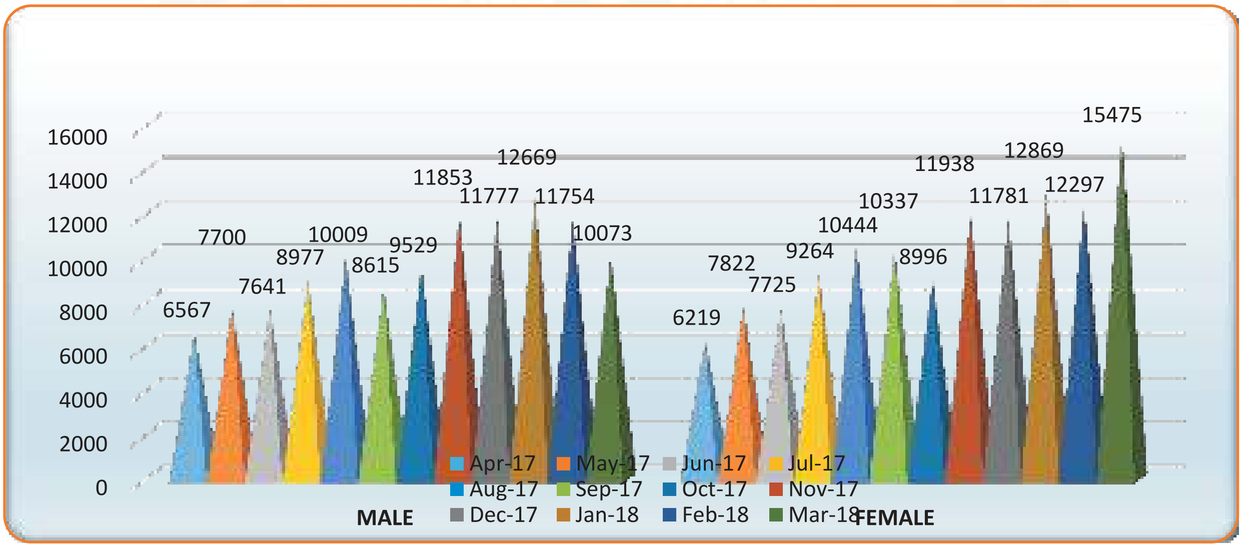

III. **ग्राफ: कायचिकित्सा में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी मरीजों की संख्या:**

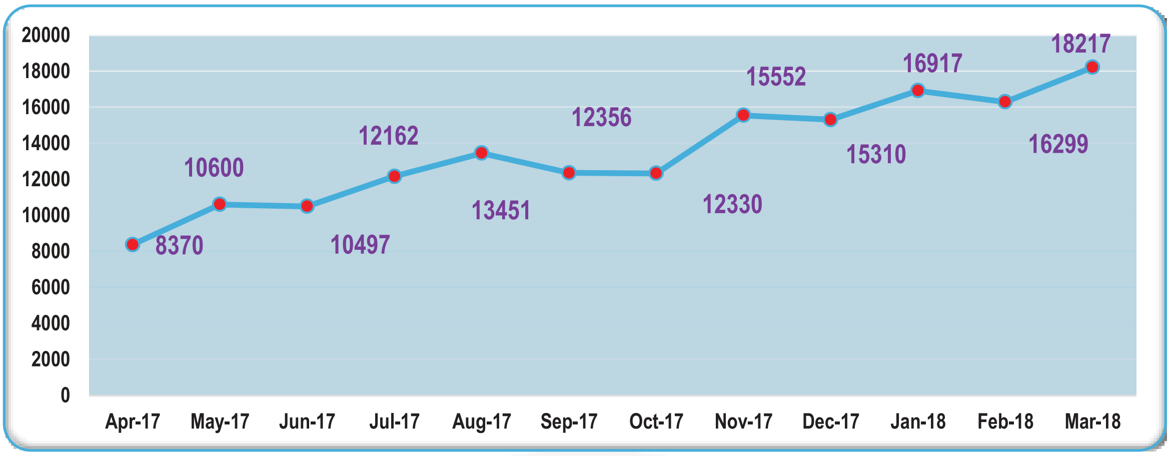

V. **ग्राफ: पंचकर्म में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी मरीजों की संख्या:**

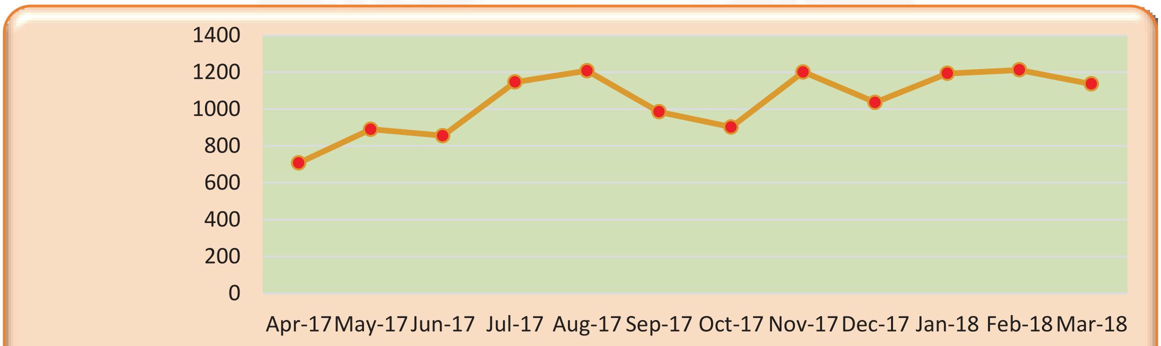

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
PANCHKARAMA	708	890	855	1146	1208	985	902	1201	1036	1193	1212	1136

V. **ग्राफ: शालक्य (ई. एन. टी.) में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी मरीजों की संख्या:**

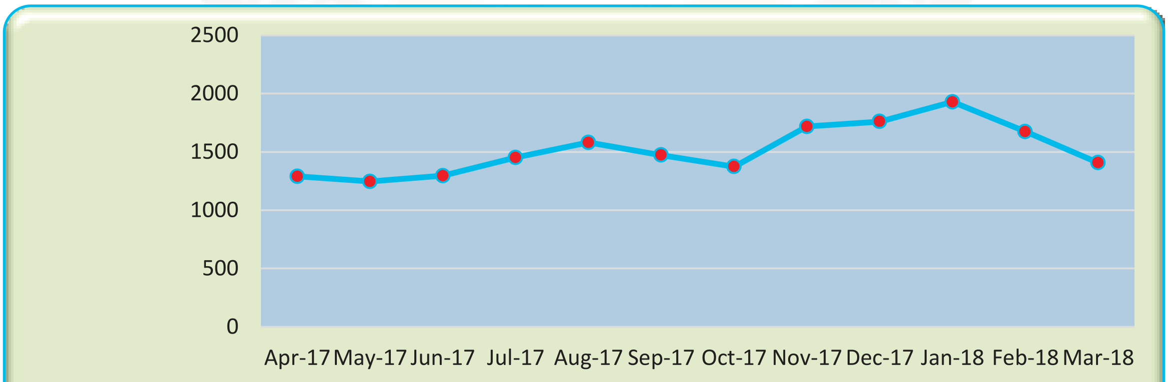

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
SHALAKYA(ENT)	1290	1246	1295	1452	1580	1472	1374	1718	1760	1929	1673	1407

VI. ग्राफ: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी (स्त्री रोग) में मरीजों की संख्या:

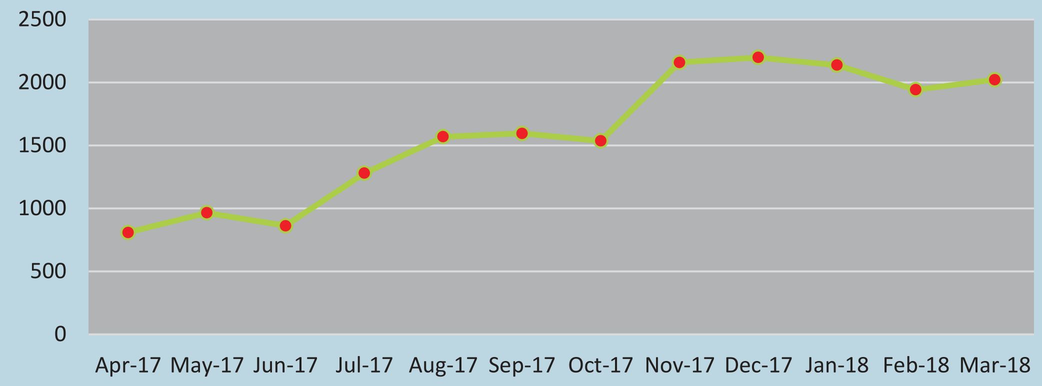

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
Gynecology	808	964	861	1279	1568	1595	1536	2159	2198	2137	1941	2022

VII. ग्राफ: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी (बाल रोग) में मरीजों की संख्या:

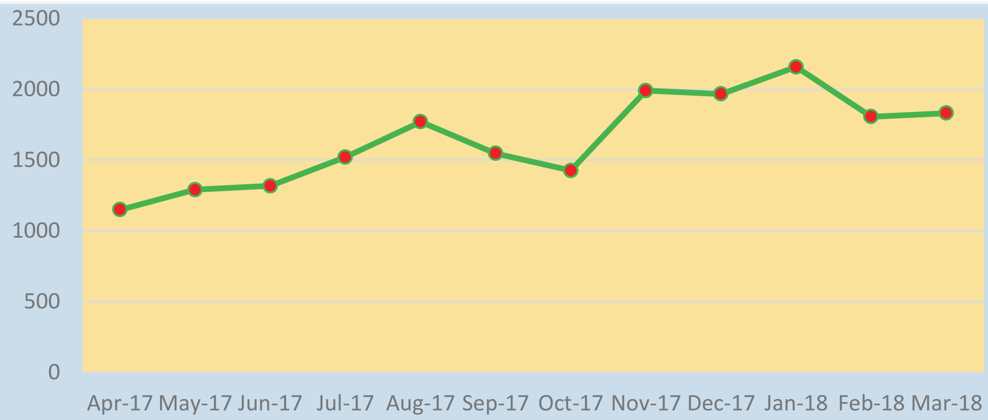

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
Pediatric (0-16 yrs.)	1149	1290	1317	1521	1770	1547	1426	1990	1967	2158	1806	1831

VIII. ग्राफ: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक ओपीडी (शल्य) में मरीजों की संख्या:

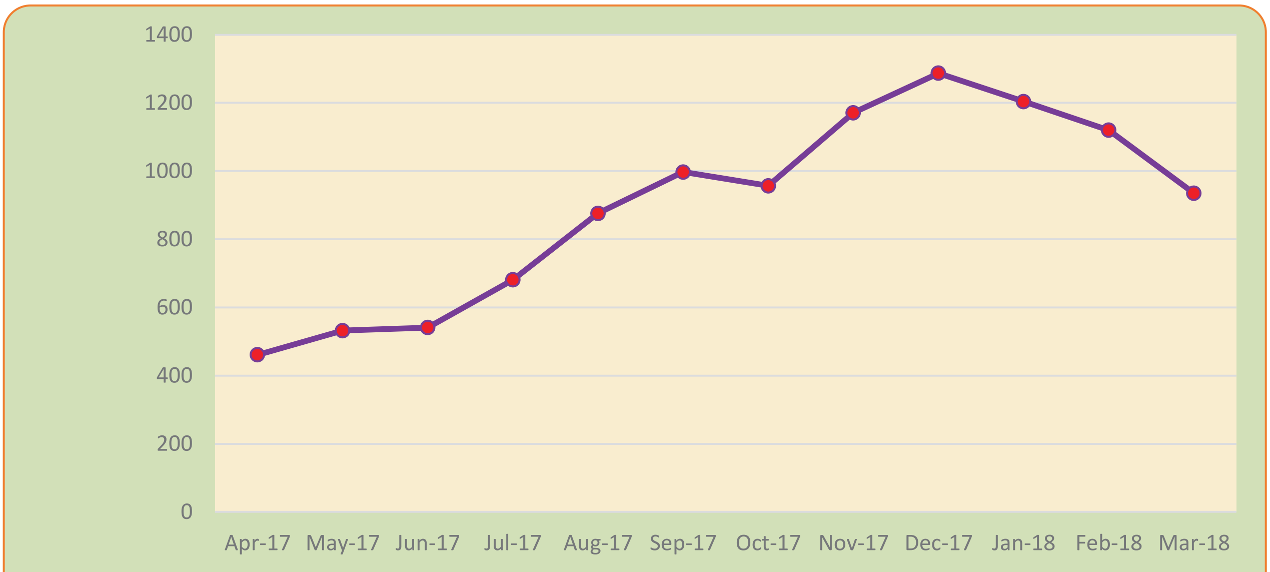

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
Shalya(G.S)	461	532	541	681	876	997	957	1171	1287	1204	1120	935

IX. ग्राफ: अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक योग मरीजों की संख्या:

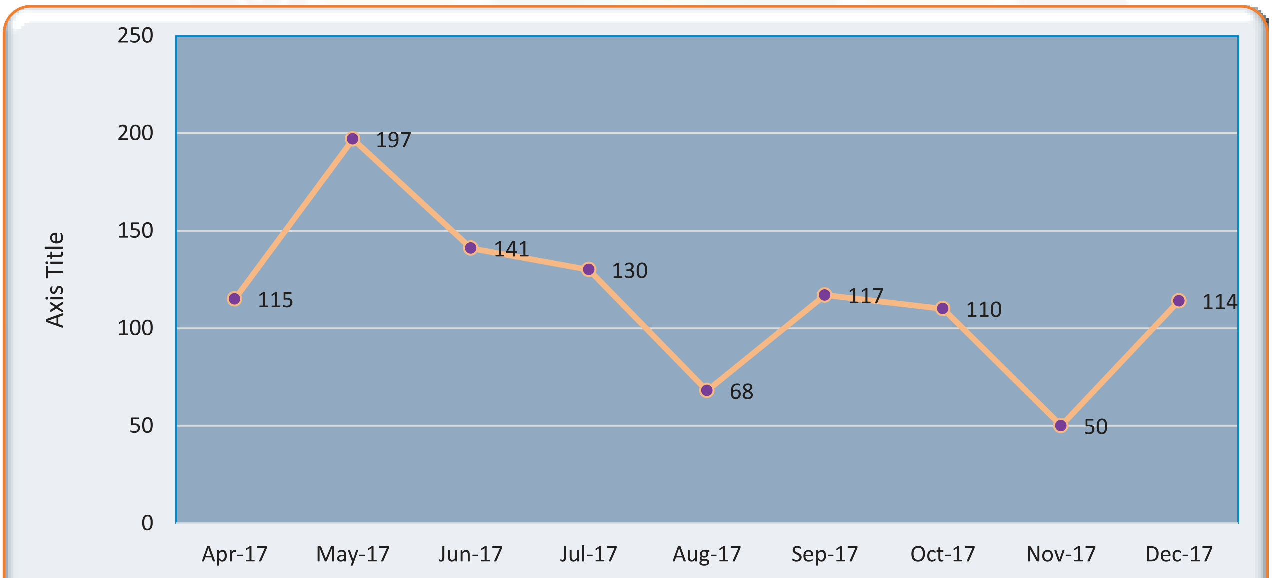

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17
Series1	115	197	141	130	68	117	110	50	114

X. ग्राफ: एकीकृत आयुष क्लिनिक अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक:

एकीकृत आयुष क्लिनिक

तालिका: एकीकृत आयुष क्लिनिक अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक

इकाई/ माह	अप्रैल -17	मई -17	जून -17	जुलाई-17	अगस्त - 17	सित. -17	अक्टू -17	नव -17	दिस. -17	जन. -18	फ़र. -18	मार्च -18	कुल योग
होम्योपैथी	189	207	206	14	93	13	42	300	65	82	43	74	2229
यूनानी	281	350	349	76	43	76	03	95	54	13	23	76	3327
सिद्ध	90	77	81	6	17	32	32	21	03	257	259	20	1539

एकीकृत आयुष क्लिनिक अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक

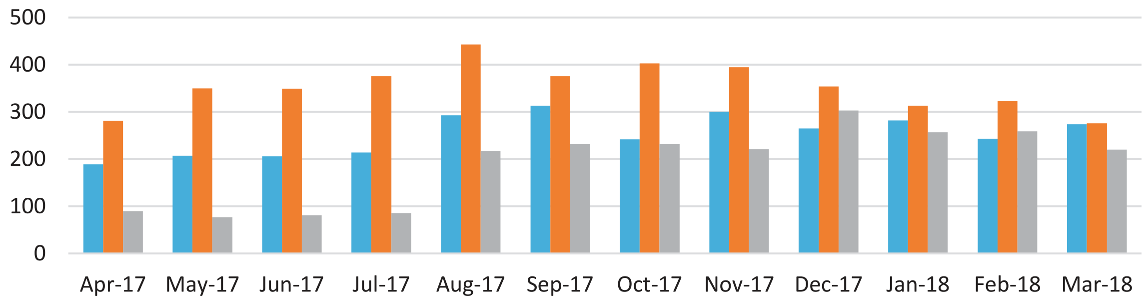

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17	Aug-17	Sep-17	Oct-17	Nov-17	Dec-17	Jan-18	Feb-18	Mar-18
Homeopathy	189	207	206	214	293	313	242	300	265	282	243	274
Unani	281	350	349	376	443	376	403	395	354	313	323	276
Siddha	90	77	81	86	217	232	232	221	303	257	259	220

ओपीडी सांख्यिकी:

अप्रैल -2017 से मार्च-2018 तक ओपीडी आंकड़े

ओपीडी आंकड़े अप्रैल -2017 से मार्च-2018 तक (पंजीकरण डेस्क आंकड़ा)

माह एवं वर्ष	अप्रैल - 17	मई-17	जून -17	जुलाई-17	अगस्त- 17	सित -17	अक्टू - 17	नव 17	दिस.-17	जन.-18	फ़र.- 18	मार्च -18	कुल योग
रोगियों की संख्या	12786	15522	15366	18241	20453	18952	18525	23791	23558	25538	24051	25548	**242331**
नया	5526	6759	6631	7626	8486	7554	8269	10098	9416	9857	9049	9743	**99014**
पुराना	7260	8763	8735	10615	11967	11398	10256	13693	14142	15681	15002	15805	**143317**
पुरुष	6567	7700	7641	8977	10009	8615	9529	11853	11777	12669	11754	10073	**117164**
महिला	6219	7822	7725	9264	10444	10337	8996	11938	11781	12869	12297	15475	**125167**
कुल पु.+ म.	12786	15522	15366	18241	20453	18952	18525	23791	23558	25538	24051	25548	**242331**
कायचिकित्सा	8370	10600	10497	12162	13451	12356	12330	15552	15310	16917	16299	18217	**162061**
पंचकर्म	708	890	855	1146	1208	985	902	1201	1036	1193	1212	1136	**12472**
शालक्य (ईएनटी)	1290	1246	1295	1452	1580	1472	1374	1718	1760	1929	1673	1407	**18196**
प्रसूतिशास्र	808	964	861	1279	1568	1595	1536	2159	2198	2137	1941	2022	**19068**
बाल चिकित्सा (0-16 वर्ष)	1149	1290	1317	1521	1770	1547	1426	1990	1967	2158	1806	1831	**19772**
शल्य (जी.एस.)	461	532	541	681	876	997	957	1171	1287	1204	1120	935	**10762**
वरिष्ठ नागरिक (60 वर्ष से ऊपर)	-	-	-	-	2342	2117	1000	2872	2861	2728	2653	2793	**19366**
योग एवं जीवन शैली	115	197	141	130	68	117	110	50	114	140	175	100	**1457**

*** वरिष्ठ नागरिक के आंकड़े 1 अगस्त 2017 से अलग से दर्ज किए गए हैं**

अंतरंग रोगी विभाग:

शय्याओं की प्रारंभिक संख्या	:	20
शय्याओं की वर्तमान संख्या	:	60
कुल क्षमता	:	200
उपलब्ध कमरों के प्रकार	:	सामान्य वार्ड शय्या, 4 शय्या वाले रूम, सेमी प्राइवेट / दो रोगियों के लिए कमरे, एकल रोगी/ प्राइवेट रूम

आईपीडी आँकड़ा:

1. अप्रैल - 2017 से मार्च - 2018 तक प्रवेश और छुट्टी की संख्या से संबंधित आंकड़े:

माह	प्रवेश की संख्या	डिस्चार्ज की संख्या
अप्रैल-17	33	31
मई-17	37	39
जून -17	28	33
जुलाई-17	37	33
अगस्त-17	31	30
सित.-17	34	42
अक्तू.-17	37	32
नव.-17	49	39
दिस. -17	59	58
जन.-18	84	62
फर.-18	101	101
मार्च-18	132	118
कुल योग	**662**	**618**

ii. अप्रैल - 2017 से मार्च - 2018 तक आयु के अनुसार भर्ती

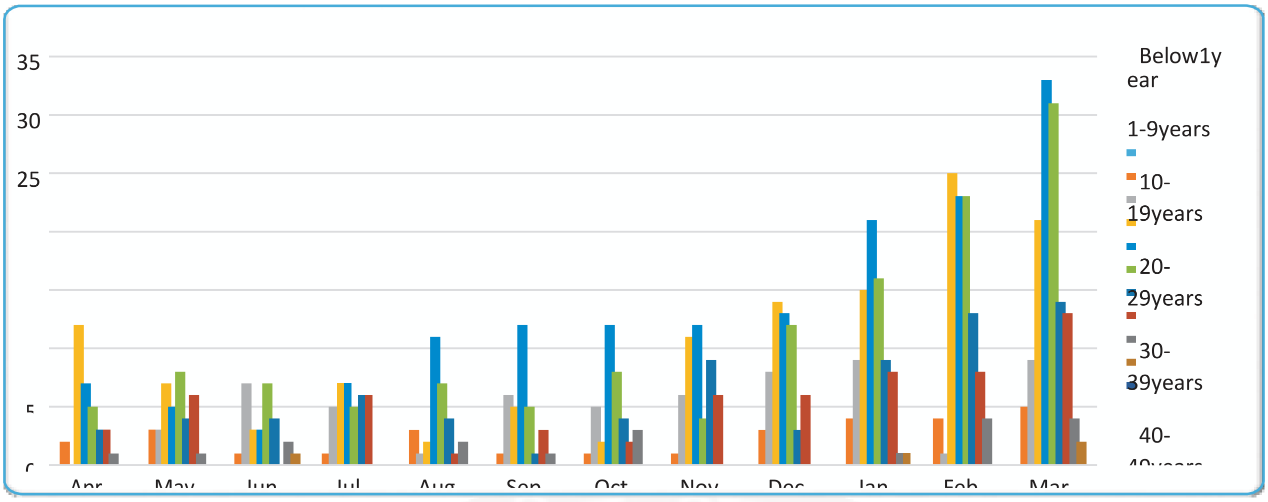

iii. लिंग के अनुसार भर्ती

लिंग के अनुसार भर्ती													
	अप्रैल-17	मई-17	जून-17	जुलाई-17	अगस्त -17	सित. -17	अक्टू. -17	नव. -17	दिस. -17	जन -18	फर -18	मार्च-18	कुल
पुरुष	21	25	11	22	18	17	20	33	33	47	63	78	388
महिला	12	12	17	15	13	17	17	16	26	37	38	54	274
कुल योग	**33**	**37**	**28**	**37**	**31**	**34**	**37**	**49**	**59**	**84**	**10**	**132**	**662**

iv: विभाग के आंकड़े:

विभाग के अनुसार दाखिला अप्रैल -2017 से मार्च-2018 तक													
चिकित्सक/वर्ष	जन	फर	मार्च	अप्रै	मई	जून	जुला	अग	सित.	अक्टू	नव.	दिस.	कुल
कौमारभृत्य	8	5	9	1	3	4	4	3	4	3	7	6	57
2017	-	-	-	1	3	4	4	3	4	3	7	6	35
2018	8	5	9	-	-	-	-	-	-	-	-	-	22
कायचिकित्सा	18	15	34	7	14	8	9	6	6	8	8	8	141
2017	-	-	-	7	14	8	9	6	6	8	8	8	74
2018	18	15	34	-	-	-	-	-	-	-	-	-	67
पंचकर्म	23	33	32	21	14	6	14	8	10	13	12	18	204
2017	-	-	-	21	14	6	14	8	10	13	12	18	116
2018	23	33	32	-	-	-	-	-	-	-	-	-	88
शालक्य		1	8	2		4	2	4	2	2	3	7	35
2017	-	-	-	2	-	4	2	4	2	2	3	7	26
2018	-	1	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	9
शल्य	26	34	40	2	6	5	7	8	7	9	15	15	174
2017	-	-	-	2	6	5	7	8	7	9	15	15	74
2018	26	34	40	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100
स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	9	13	9	-	-	1	1	2	5	2	4	5	51
2017	-	-	-	-	-	1	1	2	5	2	4	5	20
2018	9	13	9	-	-	-	-	-	-	-	-	-	31
कुल योग	84	101	132	33	37	28	37	31	34	37	49	59	662

v: शय्या ऑक्यूपेंसी (आवेशन) दर

माह	बिस्तर अधिभोग दर
अप्रैल-17	88.00%
मई-17	86.93%
जून-17	73.16%
जुलाई-17	82.41%
अगस्त-17	88.38%
सित.-17	75.66%
अक्टू.-17	70.48%
नव.-17	80.85%
दिस.-17	75.83%
जन. -18	67.12%
फर.-18	81.24%
मार्च-18	89.04%

vi: रहने का औसत समय (एएलओएस)

माह	एलओएस	निर्वहन	महीना
अप्रैल-17	555	31	18
मई-17	618	39	16
जून-17	377	33	11
जुलाई-17	477	33	14
अगस्त-17	508	30	17
सित.-17	611	42	15
अक्टू.-17	392	32	12
नव.-17	525	39	13
दिस.-17	605	58	10
जन. -18	781	62	13
फर.-18	1296	101	13
मार्च-18	1841	118	16

पंचकर्म नैदानिक सेवाएं:

पंचकर्म विभाग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार अन्य विभागों को पंचकर्म उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है। रोगियों के लिए विभाग के पास सभी 6 दिनों की ओपीडी सेवाएं हैं और सलाहकार सप्ताह में दो दिन न्यूरोमस्कुलर और ऑर्थोपेडिक ओपीडी में भी सेवाएं प्रदान करते हैं। आवंटित 15 बिस्तरों में विभाग ने पंचकर्म सेवाएं प्रदान की हैं, जिसमें अन्य विभाग के मरीज भी शामिल हैं, यथा, 2016-17 में कुल 176 मरीज और 2017-18 में 232 मरीज(जुलाई तक)। विभाग ने 2016- 17 के दौरान 19337 प्रक्रियाओं को संपादित किया है। वर्ष 2017-18 के दौरान इसकी संख्या इससे और अधिक है।

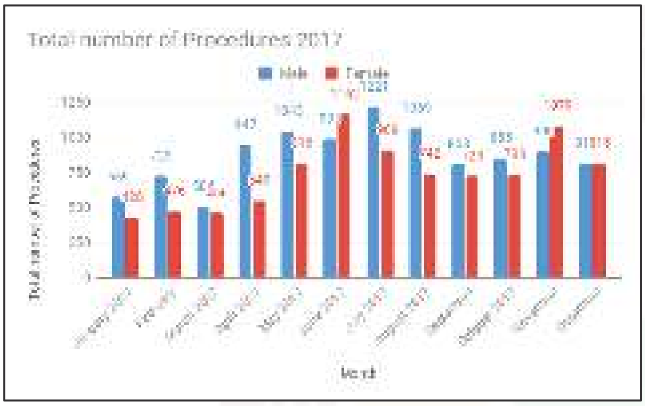

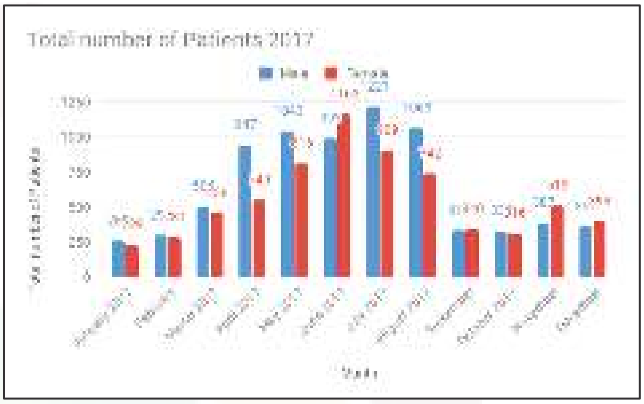

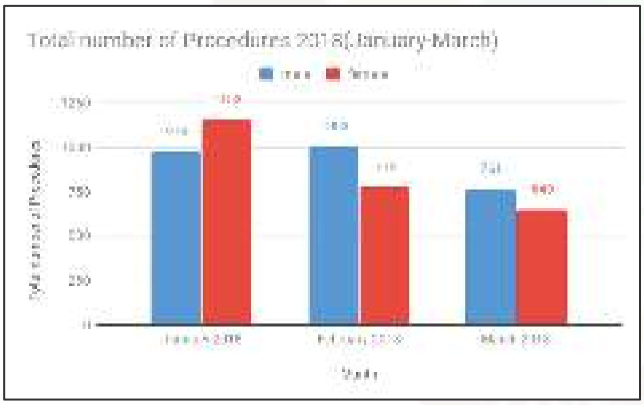

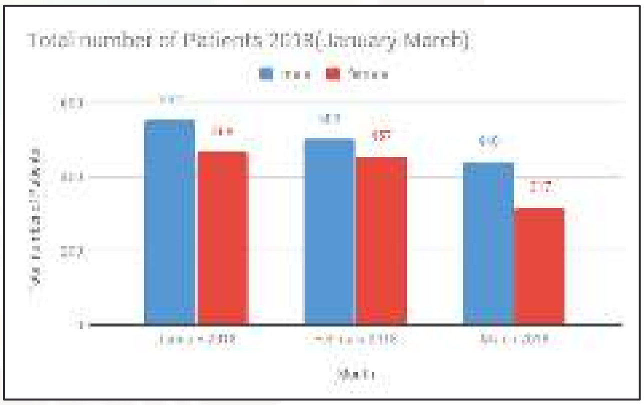

शल्य तंत्र विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली नैदानिक सेवाएँ:

❖ अस्पताल की गतिविधियाँ, सामान्य डेटा:

• ओपीडी में मरीजों की जांच की गई	:	15796
• मरीजों को आईपीडी में भर्ती कराया गया	:	00170

संचालित ऑपरेशन की संख्या:

• अर्श (पाइल्स), भगंदर (फिस्टुला-इन-एनो) परीकर्तिका (फिशर-इन-एनो) में किए गए क्षारसूत्र	:	255
• मूत्रवृद्धि (जलशीर्ष)	:	001
• आंत्र वृद्धि (वंक्षण हर्निया)	:	001
• अनुशल्य प्रक्रिया	:	060
कुल	:	**317**

आयोजित किए गए अनुशल्य प्रक्रियाओं की संख्या: :

• क्षार कर्म/क्षारसूत्र परिवर्तन	:	780
• रक्तमोक्षन	:	035
• अग्नि कर्म	:	217
• बस्ती चिकित्सा	:	006
• परिसेक	:	010
कुल	:	**1048**

दैनिक ड्रेसिंग/मरीजों में की गयी मात्रा वस्ति

❖ अर्श (पाईल्स)	:	700
❖ परिकर्तिका (फिसर-इन-एनो)	:	1200
❖ भगंदर (फिस्टुला-इन-अनो)	:	4500
❖ नाड़ी वण (साइनस)	:	0200
❖ विद्रधि (अनुपस्थिति)	:	0080
❖ उत्तरा बस्ती की संख्या	:	0025
❖ दुष्ट व्रण	:	0762
कुल	:	**7467**

शालाक्य तंत्र विभाग के तहत विशेष क्रियाकल्प इकाई द्वारा प्रदान की जाने वाली चिकित्सकीय सेवाएं:

चिकित्सा परामर्श	पुरुष	महिला	कुल रोगी
अक्षि तर्पण	152	71	223
आश्च्योतन	0	0	0
अंजन	3	0	3
विडालक	2	3	5
अक्षि धारा	0	3	3
नस्य	285	271	556
कर्णपूरण	15	22	37
कर्णधूपन	125	118	243
कर्णप्रक्षालन	0	0	0
शिरोपिचु	0	7	7
शिरोधारा	8	0	8
मुखालेप	0	0	0
गण्डुष	2	0	2
तर्पण	136	141	277
जलौका	0	3	3
जलनेती	0	0	0
प्रधमन नस्य	**36**	**40**	76
नस्य	282	223	505
नेत्रपरिषेक	6	11	17
कर्णपिचु	0	0	0
शिरोभ्यङ्गा	0	0	0
कुल	**1052**	**913**	1965

चिकित्सालय विकास गतिविधियां:

1. एआईआईए जुलाई 2017 में एनएबीएच प्रत्यायन की प्रतिष्ठित स्थिति प्राप्त करने वाला पहला आयुर्वेदिक सरकारी अस्पताल है।
2. एआईआईए प्रत्येक बुधवार को आईआईटी दिल्ली में नियमित ओपीडी आयोजित करता है।
3. एआईआईए नियमित रूप से स्टाफ प्रशिक्षण व कौशल निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है।

एआईआईए द्वारा सुरक्षा और सफाईकर्मियों के लिए आग से सुरक्षा पर प्रशिक्षण देते हुए।

एनएबीएच प्रत्यायन

रोगी की उत्कृष्ट देखभाल के मानक स्थापित करने के लिये, एआईआईए ने एनएबीएच प्रत्यायन की प्रक्रिया शुरू की। 31 मार्च 2017 व 1-2 अप्रैल, 2017 एनएबीएच गुणवत्ता के मूल्यांकनकर्ताओं के समूह द्वारा अस्पताल परिसर की निरीक्षण किया गया। मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा सफल मूल्यांकन के बाद, एआईआईए को 6 जुलाई 2017 को एनएबीएच प्रत्यायन प्राप्त अस्पताल से प्रतिष्ठित एवं सम्मानित किया गया और इस प्रकार एआईआईए एनएबीएच, सार्वजनिक उपक्रम के तहत मान्यता प्राप्त करने वाला पहला आयुर्वेद अस्पताल बना।

डॉ. विट्ठल जी हुद्दार, सह-प्रोफेसर, काय-चिकित्सा विभाग, समन्वयक, और डॉ. शिवकुमार एस. हर्ति, सहायक प्रोफेसर, स्वस्थवृत्त विभाग वर्ष 2017-18 के दौरान एआईआईए में एनएबीएच की गतिविधियों के लिए सह-समन्वयक थे।

दृष्टि एवं लक्ष्य:

1. एआईआईए चिकित्सालय आने वाले रोगियों को गुणवत्तापरक सेवा प्रदान करना
2. गुणवत्तापरक अभ्यास के अनुपालन के लिए एआईआईए अस्पताल के सभी कर्मचारियों को परिचित कराना
3. निरंतर गुणवत्ता सुधार को बनाए रखना
4. अस्पताल में सुरक्षा और संक्रमण नियंत्रण उपायों पर बल

Incredible India

National Accreditation Board for Hospitals & Healthcare Providers

(Constituent Board of Quality Council of India)

Certificate of Accreditation

All India Institute of Ayurveda
Sarita Vihar
Delhi - 110076

has been assessed and found to comply with NABH accreditation standards for AYUSH Programmes. This certificate is valid for the Scope as specified in the annexure subject to continued compliance with the accreditation requirements.

Dr. Harish Nadkarni
Chief Executive Officer

Dr. Nandakumar Jairam
Chairman

एनएबीएच प्रत्यायन प्रमाणपत्र, एआईआईए अस्पताल को प्रदान किया गया

एआईआईए के निदेशक ने आयुष मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक से एनएबीएच प्रत्यायन प्रमाण पत्र प्राप्त किया साथ ही आयुष सचिव,और एनएबीएच के वरिष्ठ निदेशक, भी उपस्थिति हैं।

क्लिनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आधुनिक अनुसंधान और रोगी के देखभाल के लिये एक प्रयोगशाला है जो रोगी के देखभाल और अनुसंधान के लिए आधुनिक तकनीकी के साथ निरंतर विकसित हो रही है। क्लिनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला,अस्पताल की पहली मंजिल पर स्थित है और यह लगभग 800 वर्ग मीटर के क्षेत्र में स्थापित है, जिसमें 4 कमरे हैं जो क्लिनिकल पैथोलॉजी, हिमैटोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी के लिए बनाए गए हैं। साथ ही छह प्रयोगशाला तकनीकीविद और पांच प्रयोगशाला परिचारकों के साथ यह प्रयोगशाला प्रत्येक अनुभाग में उन्नत उपकरणों से युक्त हैं। यह प्रयोगशाला रोगियों की देखभाल के लिए समर्पित है और उनकी सेवा के लिये उच्चतम मानदंडों का पालन करती है। गुणवत्ता नियंत्रण इसके कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

डॉ. शालिनी राय, सहायक प्रोफेसर, रोग निदान विकृति विज्ञान, क्लिनिकल पैथोलॉजी लेबोरेटरी की प्रभारी हैं। क्लीनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला में पैथोलॉजिस्ट, सूक्ष्म- जीवविज्ञानी, रेडियोलॉजिस्ट आदि की सेवाएं अनुबंध के आधार पर प्रयोगशाला में ली जाती हैं।

उच्च दरों पर होने वाले परीक्षण के लिये रोगियों से अत्यल्प शुल्क लिया जाता है। समाज में गरीबी रेखा से नीचे के व्यक्तियों के लिये प्रयोगशालाओं की सुविधाओं को निःशुल्क रखा गया है। रोगी देखभाल सुविधा के लिए, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने एक एनएबीएल अधिकृत प्रयोगशाला के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन स्थापित किया है, जो कि उन नमूनों को एकत्र करता है जिनका परीक्षण संस्थान में नहीं होता है। प्रयोगशाला में एक परामर्शदाता रोगविज्ञानी,परामर्शदाता-जीव-रसायनज्ञानी और परामर्शदाता-जीवाणुतत्ववेत्ता के विशेषज्ञ हैं, जो अध्येताओं के अनुसंधान कार्यों को और प्रयोगशालाओं में अपने अनुभव साझा करते हैं। प्रयोगशाला वर्तमान में रक्त-विज्ञान परीक्षण,जीव रसायन,एलिसा (ईएलआईएसए) परीक्षण, इम्यूनो परख, क्लिनिकल पैथोलॉजी में जांच की सुविधा प्रदान करती है। इसके साथ ही माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला भी जल्दी ही सुचारू हो जाएगी।

वर्ष 2017-2018 में किए गए परीक्षणों का सार:

क्र. सं.	विभाग	किए गए परीक्षण
1.	रुधिरविज्ञान	6728
2.	जीव रसायन	16948
3.	क्लीनिकल पैथोलॉजी	1467
4.	सीरोलॉजी विज्ञान	3038
5.	प्रतिरक्षाविज्ञान	788
6.	एलिसा	353
	कुल परीक्षण	29322

क्लिनिकल पैथोलॉजी लैबोरेटरी की एक झलक:

रुधिर विज्ञान विश्लेषक

इम्यूनोएसे एनालाइजर

अपकेंद्रिय मशीन

जैव-रसायन विश्लेषक

एलिसा

बॉड इंक्यूबेटर

एलिसा वाशर

आटोक्लेव

वरटेक्स शेकर

जैव सुरक्षा पेटिका

<u>एकीकृत ऑन्कोलॉजी (अर्बुदविज्ञान) केंद्र (सीआईओ)</u>

परिचय

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च (एनआईसीपीआर) के संयुक्त उपक्रम के रूप में, सेंटर ऑफ इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी (सीआईओ) की स्थापना कैंसर की रोकथाम और प्रबंधन के क्षेत्र में एकीकृत अभ्यास के उद्देश्य से की गई है। एआईआईए और एनआईसीपीआर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए गए हैं।

डॉ. विठ्ठल जी. हुद्दार, सह-प्रोफेसर,काय-चिकित्सा विभाग के समन्वयक हैं और डॉ. शिवानी घिल्डियाल, सहायक प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग के सीआईओ की गतिविधियों की सह-समन्वयक हैं।

कार्यकलाप:

- कैंसर रोगियों के एकीकृत प्रबंधन के लिए 2-4 बजे तक दैनिक ओपीडी निर्धारित है जो मरीज स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, ओरल एडेनोकार्सिनोमा, हॉजकिन लिंफोमा, प्रोस्टेट कार्सिनोमा, क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया, बोन कार्सिनोमा, आदि अर्बुदो से ग्रसित रुग्णों का प्रबंधन किया जाता है।
- औसतन 10 रोगी /सप्ताह में कैंसर के लिए समन्वय के साथ प्रबंधित किया जाता है।
- कार्सिनोमा के रोगियों की जाँच के लिए शुक्रवार प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक साप्ताहिक ओपीडी की व्यवस्था की गई है।
- 3 नवंबर 2017 को एम्स की एक कार्यशाला में सी.आई.ओ. के समंवयक द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

<u>कार्यक्रम विवरण:</u> (कैंसर जागरुकता सप्ताह)

- विश्व कैंसर दिवस (4 फरवरी) के अवसर पर सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली द्वारा 3 से 9 फरवरी तक कैंसर जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया था। साथ ही इस सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किये गए।

सी.ई.ओ. का वेबसाईट लिंक

5 फरवरी, 2018 को निदेशक, डॉ. तनुजा नेसरी की अध्यक्षता में कॉन्फ्रेंस हॉल में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया था। डॉ. वी.जी. हुद्दार, सह-समन्वयक-सीआईओ और आयोजन के सचिव ने कैंसर जागरूकता सप्ताह मनाने के पीछे के विचार के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया और सप्ताह की प्रस्तावित घटनाओं की जानकारी दी।

निदेशक, प्रो. तनुजा नेसरी ने अध्यक्षीय भाषण दिया और सप्ताहिक आयोजन के लिए सीआईओ और पूरी टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने की शुभकामनाएं दीं। सीआईओ की वेबसाइट लिंक को निदेशक द्वारा लॉन्च किया गया।

उद्घाटन समारोह

निदेशक द्वारा संबोधन

अस्पताल संबंधी अन्य गतिविधियाँ, जन जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य दिवस समारोह

1. अस्थमा जागरूकता कार्यक्रम, 2 मई, 2017

अस्थमा के प्रति जागरूकता के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के संकाय सदस्यों- डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति, एआईआईए के संकाय अध्यक्ष, डॉ. एस.के. गुप्ता, एमएस, एआईआईए, डॉ.वी.डी. अग्रवाल, प्रो. (कायचिकित्सा विभाग) एआईआईए, डॉ. आर. के. यादव सह-प्रोफेसर (कायचिकित्सा विभाग) एआईआईए, डॉ. मंगलागौरी वी. राव सह-प्रोफेसर (स्वस्थवृत्त विभाग) एआईआईए, डॉ. दिव्या काजरिया, सहायक-प्रोफेसर (कायचिकित्सा विभाग) ने स्वास्थ्यवार्ता प्रदान की।

प्रो. संजय गुप्ता सभा को संबोधित करते हुए।

डॉ. दिव्या काजरिया सभा को संबोधित करते हुए।

प्रो. पी.के. प्रजापति सभा को संबोधित करते हुए।

डॉ. रमाकांत यादवा सभा को संबोधित करते हुए।

1. नाटक अभिनय:

कायचिकित्सा विभाग के एमडी के छात्रों द्वारा डॉ. दिव्या काजरिया सहायक-प्रोफेसर (कायचिकित्सा विभाग) एआईआईए, के मार्गदर्शन में एक नाटक का आयोजन किया गया। इस अभिनय का विषय "आम जनता के लिए अस्थमा के बारे में जागरूकता" था। इसमें आम जनता के लिए अस्थमा से बचने के कारण और लक्षणों को दर्शाते हुए महत्वपूर्ण और आकर्षक तरीके से जानकारी दी गई।

विषयगत नाटक में भाग लेते हुए पीजी स्कॉलर्स (अध्येता)

मरीजों को पुरस्कार वितरण

मरीजों को पुरस्कार वितरण

2. 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन: स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2017 का आयोजन किया गया।

21 जून 2017 को एआईआईए के सभी संकाय सदस्य और कर्मचारी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हुए।

3. स्वतंत्रता दिवस समारोह:

एआईआईए निदेशक, के साथ एआईआईए के संकाय सदस्य और कर्मचारी

एआईआईए परिसर के अंदर स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

4. स्वच्छता पखवाड़ा - 15 सितंबर - 2 अक्टूबर, 2017

अकादमिक खण्ड में स्वच्छता अभियान में योगदान करते हुए पीजी छात्र

अस्पताल ब्लॉक में स्वच्छता अभियान में योगदान देते हुए संकाय सदस्यों के साथ पीजी छात्र

5. बाल दिवस समारोह, 14 नवंबर, 2017:

बाल दिवस 14 नवंबर, 2017 को कौमारभृत्य विभाग ने 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए "ड्राइंग एंड पेंटिंग" प्रतियोगिता का आयोजन किया। 8 से 16 साल की उम्र के 20 बच्चों ने दिए गए विषय "प्रदूषण और स्वास्थ्य" पर पेंटिंग बनाई, जबकि 5 से 8 साल के 20 बच्चों को रंग भरने के लिए चित्र दिए गए।

एआईआईए निदेशक, कौमारभृत्य के संकाय सदस्यों के साथ- विजेताओं को पुरस्कृत करते और बाल दिवस मनाते हुए

6. 14 नवंबर, 2017 को विश्व मधुमेह दिवस का आयोजन: 14 नवंबर 2017 को एआईआईए में विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में रोगी जागरूकता स्वास्थ्य जांच शिविर, अभिनय, रैपिड फायर क्विज़, प्रस्तुतियाँ आदि अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विश्व मधुमेह दिवस पर रोगियों को जागरूकता व्याख्यान देते हुए कायचिकित्सा विभाग की डॉ. सोनिया गुप्ता

7. कैंसर जागरूकता सप्ताह, 3 - 9 फरवरी, 2018: 3 से 9 फरवरी 2018 को दिल्ली में रहने वाले लोगों में कैंसर के बारे में जागरूकता प्रदान करने के लिए एआईआईए परिसर में एक सप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके अलावा विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा अनेक जागरूकता व्याख्यान निर्धारित किए गए थे।

निदेशक एआईआईए ने कैंसर जागरूकता सप्ताह के दौरान आमंत्रित अभिभाषण देने के लिए डॉ. अभिषेक (एम्स) को सम्मानित किया

कैंसर जागरूकता सप्ताह के दौरान निबंध लेखन और ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ संकाय सदस्य

8. 20 -21 जनवरी 2018 के दौरान एआईआईए में चिकित्सा शिविर

मेडिकल कैंप के उद्घाटन के दौरान प्रो. वी.डी. अग्रवाल का संबोधन

डॉ. दिव्या काजरिया और पीजी अध्येता चिकित्सा शिविर के दौरान परामर्श प्रदान करते हुए

9. 25 मार्च 2018 को एआईआईए द्वारा वसंत विहार (आरडब्ल्यूए) में आयोजित चिकित्सा शिविर

डॉ. पंकज कुंडल शिविर में मरीजों का परीक्षण करते हुए

डॉ. संजय गुप्ता शिविर में परामर्श देते हुए

शिविर में मरीजों की जांच करती डॉ. मीनाक्षी पाठक

औषधीय उद्यान

- औषधीय उद्यान का विकास
- वृक्षारोपण गतिविधियाँ और हरित पहल

<u>औषधीय उद्यान</u>

प्रागैतिहासिक काल के पूर्व से ही औषधीय प्रयोजनों के लिए पौधों का उपयोग किया जाता है। पौधों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, अस्पताल के परिसर में और परिसर के आसपास के क्षेत्रों में द्रव्यगुण विभाग, एआईआईए द्वारा एक वनौषधि वाटिका विकसित की गयी है। यह वाटिका विद्वानों के लिए सीखने का स्रोत है और साथ ही यह चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए आवश्यक होने पर ताजा जड़ी बूटियों को प्रदान करता है।

औषधीय उद्यान की प्रभारी प्रो. तनुजा मनोज नेसरी, निदेशक, एआईआईए और विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग हैं। डॉ. शिवानी घिल्डियाल, सहायक प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग समन्वयक हैं और चार माली इस औषधीय उद्यान की देखभाल करते हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान इस औषधीय उद्यान में 250 से अधिक प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं

उद्यान का विकास: द्रव्यगुण विभाग के संकाय और छात्रों की शैक्षिक यात्राओं के दौरान, पतंजलि योगपीठ और सुशीला देवी नर्सरी, देहरादून से औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियों जैसे बकुची, वचा, रक्तचंदन, विजयसार, कृष्णा तिंदुक, स्टीविया आदि की खरीद की गई। समय-समय पर वृक्षारोपण अभियान किए गए और वनौषधि वाटिका को समृद्ध किया गया। इसप्रकार भारत के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न औषधीय पौधों की प्रजातियों के संग्रह द्वारा उद्यान की वनस्पतियों के संवर्धन में भी मदद की।

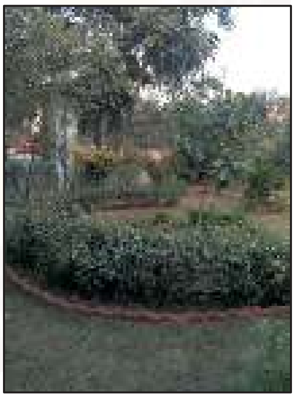

औषधीय उद्यान का दृश्य

वनौषधिवाटिका में उपलब्ध औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियाँ

वर्ष 2017-18 में वनौषधि वाटिका में शामिल की गई वनस्पतियां

1. प्राचीनमलका	18. काकजंघा	35. लवंग
2. गंभारी	19. कालमेघ	36. दन्ती
3. सिंदूरी	20. कंटकारी	37. बनारसी रास्ना
4. अग्निमंथ	21. अगस्त्य	38. काकोदुम्बर
5. कृष्ण टिंडुका	22. पुत्रजीवक	39. वनमेथिका
6. लोनी	23. मुचुकुंद	40. कटुपीला
7. वर्षाभू	24. शिकाकाई	41. नील चित्रक
8. ब्राह्मी	25. अंकोल	42. कुश
9. अरलू	26. उदुंबर	43. काश
10. गुग्गुल	27. आम्र	44. नल
11. पुनर्नवा	28. वृद्धदारुक	45. दर्भ
12. स्नूही	29. गोरक्षगंजा	46. सर
13. कृष्ण सारिवा	30. चीकू	47. मण्डूकपर्णी
14. ज्योतिष्मती	31. यष्टिमधु	48. अकरकरा
15. गुड़मार	32. प्लक्ष	49. बला
16. मत्स्याक्षी	33. पिप्पली	50. बकुच
17. काकमाची	34. तेजपत्ता	

वृक्षारोपण गतिविधियाँ और हरित पहल: द्रव्यगुण विभाग, एआईआईए नियमित रूप से औषधीय उद्यान को समृद्ध बनाने के लिए वृक्षारोपण गतिविधियों का आयोजन करते हैं और परिसर के आस-पास विभिन्न बीमारियों तथा प्रदूषण का मुकाबला करने वाले पौधों का रोपण करते हैं, जिसमें सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा छात्रों द्वारा योगदान दिया जाता है।

1. विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 2017 को द्रव्यगुण विभाग, एआईआईए द्वारा एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था।

तत्कालीन निदेशक, एआईआईए, प्रो. अभिमन्यु कुमार, प्रो. तनुजा मनोज केसरी और सभी संकाय सदस्यों और छात्रों औषधीय पौधे लगाकर सक्रिय रूप से भाग लिया।

2. **दिनांक 9 नवंबर, 2017 को एलईए एसोसिएट्स दक्षिण एशिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया गया।**

वृक्षारोपण अभियान एलईए एसोसिएट्स दक्षिण एशिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एक सीएसआर गतिविधि के रूप में किया गया। डीन, प्रो. पीके प्रजापति, अनुसंधान सलाहकार स्वर्गीय डॉ. कृष्ण दलाल, प्रो. तनुजा नेसरी, संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने हरित कैंपस बनाने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

3. स्वाच्छता पखवाड़ा के दौरान, अक्टूबर, 2017 में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

शैक्षणिक अनुभाग

• शैक्षणिक विभाग

1. आयुर्वेद संहिता सिद्धान्त विभाग (आयुर्वेद के मूल सिद्धांत)
2. द्रव्यगुण विभाग
3. कायचिकित्सा विभाग
4. कौमारभृत्य विभाग
5. पंचकर्म विभाग
6. प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
7. रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग
8. रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग
9. शालाक्य तंत्र विभाग
10. शल्य तंत्र विभाग
11. स्वस्थवृत्त विभाग

• पाठ्येतर शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. ज्ञान संसाधन केंद्र (पुस्तकालय)
2. जर्नल ऑफ़ आयुर्वेद केस रिपोर्ट्स (AyuCaRe)
3. आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस

शैक्षणिक अनुभाग

शैक्षणिक अनुभाग शैक्षिक गतिविधियों की नीति, योजना और उसे क्रियान्वित करने का कार्यकरता है। इन गतिविधियों में स्नातकोत्तर आयुर्वेदिक पाठ्यक्रम, वेलनेस के लिए योग विज्ञान में फाउंडेशन कोर्स, अस्पताल प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स और पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम कोर्स शामिल हैं।

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षणिक अनुभाग स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश और प्रशिक्षण से संबंधित सभी गतिविधियों को देखता है। सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑल इण्डिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंटरेंस टेस्ट (AIAPGET) के माध्यम से किया जाता है, जो वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। एमडी/एमएस (आयु) पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है।

31 मार्च 2018 तक नामांकित छात्र:

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	नामांकित छात्रों की संख्या	
		बैच 2016-19	बैच 2017-20
01	एएमडी/एमएस (आयु.)	**56**	**55**

31 मार्च 2018 तक नामांकित एमडी/एमएस (आयु) छात्रों के विषयवार वितरण:

क्र. सं.	विषय	बैच 2016-19	बैच 2017-20
01	आयुर्वेद संहिता सिद्धान्त	4	4
02	द्रव्यगुण	4	4
03	कायचिकित्सा	6	6
04	कौमारभृत्य (बालरोग)	6	6
05	पंचकर्म	6	6
06	प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग	6	6
07	रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना	6	5
08	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	4	4
09	शालाक्य तंत्र	5	5
10	शल्य तंत्र	6	6
11	स्वस्थवृत्त	3	3
	कुल	**56**	**55**

अल्प अवधि कौशल विकास पाठ्यक्रम:

एआईआईए ने पंचकर्म के क्षेत्र में कुशल तकनीशियन बनाने करने के लिए पंचकर्म तकनीशियन कोर्स शुरू किया है। इसी तरह, योग के क्षेत्र में जागरूकता पैदा करने के लिए, फाउंडेशन कोर्स इन योग साइंस फार वेल्नेस प्रारंभ किया गया। हॉस्पितल मैंनेजमैंट में सर्टिफिकेट कोर्स के पहले बैच की भी शुरूआत की है जो विशेष रूप से आयुर्वेदिक डोमेन में प्रबंधकीय और उद्यमशीलता कौशल प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

क्र. सं.	अल्प अवधि कौशल विकास पाठ्यक्रम	2017-18
01	डिप्लोमा कोर्स पंचकर्म तकनीशियन	18
02	फाउंडेशन कोर्स इन योग साइंस फार वेल्नेस	40
03	सर्टिफिकेट कोर्स इन हॉस्पितल मैंनेजमैंट	19

ऑल इण्डिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंटरेंस टेस्ट 2017 (AIAPGET 2017)

ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट 2017 (AIAPGET 2017) का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIA), नई दिल्ली द्वारा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से किया गया था। AIAPGET 2017 सभी आयुष कॉलेजों/संस्थानों/विश्वविद्यालय/डीम्ड विश्वविद्यालय के लिए आयुष एमडी/एमएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल प्रवेश परीक्षा थी। 6 अगस्त, 2017 (रविवार) को लगभग 25 शहरों में 101 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में संबंधित स्ट्रीम (BAMS/BUMS/BSMS/BHMS) पाठ्यक्रम से CCIM/CCH द्वारा निर्धारित 100 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) शामिल थे। AIAPGET 2017 परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पंजीकरण और आवेदन वेबसाइट www.aiapget.com के माध्यम से ऑनलाइन किया गया था: www.aiia.co.in & www.ayush.gov.in.

AIAPGET 2017 के लिए पंजीकृत सभी चार धाराओं के लगभग 22,037 छात्रों ने नामांकन किया और 21,000 छात्रों ने परीक्षा दी। परिणाम 24 अगस्त, 2017 को घोषित किए गए। एक सामान्य मेरिट सूची तैयार की गई और इसे संबंधित अधिकारियों/राज्यों के साथ साझा किया गया जिन्होंने काउंसलिंग के लिए लागू नियमों, विनियमों, आरक्षण नीति और अन्य मानदंडों को ध्यान में रखते हुए अपनी मेरिट सूची तैयार की।

ऑल इण्डिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंटरेंस टेस्ट (AIAPGET) 1.4.2017 से 31.3.2018 तक

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	परीक्षा की दिनांक	नामांकित छात्रों की संख्या	
			पंजीकृत	परीक्षा में प्रविष्टि
01	एएमडी/एमएस (आयु.) जून सत्र 2017	24 जून 2017	**22,037**	**21,000**

आयुर्वेद संहिता सिद्धांत विभाग
(आयुर्वेद के मूल सिद्धांत)

परिचय: संहिता और सिद्धान्त विभाग अपनी स्थापना के बाद से आयुर्वेद के उत्थान और आयुर्वेद के मूलभूत विकास के लिए काम कर रहा है

विभागीय दृष्टि: उत्कृष्ट शोध करने के लिए संहिता, दर्शन शास्त्र, व्याकरण शास्त्र, तर्क शास्त्र आदि में वर्णित बुनियादी अवधारणाओं में उत्कृष्टता स्थापित करना।

विभागीय ध्येय: छात्रों को आयुर्वेद के विज्ञान को एक रचनात्मक तरीके से संपर्क मे लाने के लिए बुनियादी उपकरणों के साथ सशक्त बनाना, जो उन्हें आयुर्वेद की सभी शाखाओं की सामग्री को समझने में सक्षम करेगा और उन्हें अपने नैदानिक अभ्यास में इसे अपनाने में सक्षम करेगा।

उद्देश्य:

• आयुर्वेद की मूल अवधारणाओं को समझने के लिए छात्रों को शिक्षित करना।

• एक भाषा लैब विकसित करना जहां संस्कृत और अन्य विभिन्न क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं की मूल बातें, वैज्ञानिक अन्वेषण के उद्देश्य से खोजी जा सकती हैं

• मूल पांडुलिपियों का अध्ययन और अध्यापन करना जो अभी तक अस्पष्टीकृत हैं।

विभागीय कार्मिक:

नाम	पद	योग्यता
शिक्षण स्टाफ		
डॉ. महेश व्यास	प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु), पीएचडी
डॉ. मीरा के भोजानी	सहायक प्रोफेसर	एमडी (आयु), पीएचडी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1.	एमडी (आयु.) छात्र	08
2.	विभाग में एमडी (आयु.)	• 24 सैधांतिक कक्षाएं/सप्ताह • विषय अनुसंधान पद्धति में प्रथम एमडी/एमएस के लिए 1 सिद्धांत सामान्य कक्षा/सप्ताह

संकाय द्वारा नवीनतम व्याख्यान:

दिनांक	**व्याख्यान (प्रो. माहेश व्यास)**
16.08.2017	मुंबई में राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष।
07.09.2017	सी. सी. आर. एस. के आइ.सी.डी. का मसौदा तैयार करना।

08.10.2017	विश्व आयुर्वेद परिषद्, नई दिल्ली में अनुसंधान पद्धति पर राष्ट्रीय कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिया।
29.10.2017	राज नगर एक्सटेंशन, नई दिल्ली में सार्वजनिक व्याख्यान दिया।
20.11.2017	दिल्ली संस्कृत अकादमी में राष्ट्रीय कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिया ।
17.12.2017	मीरा बाग में अतिथि व्याख्यान दिया ।
23.12.2017	सीएमई आनंद में दो अतिथि व्याख्यान दिए।
08.01.2018	पीजी शिक्षकों के लिए आर.ए.वि. द्वारा आयोजित सीएमई में एआईआईए में अतिथि व्याख्यान दिया।
03.02.2018	पित्त गुण विवेचन पर एनआईए में दो अतिथि व्याख्यान दिया।
16-17 फरवरी, 2018	प्रकृति कार्यशाला, सीसीआरएएस
18.02.2018	राष्ट्रीय संगोष्ठी में उदयपुर में अतिथि व्याख्यान दिया।
04.03.2018	पुणे के तिलक आयुर्वेद महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी में अतिथि व्याख्यान दिया।
25.03.2018	दिल्ली संस्कृत अकादमी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्ष।

विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान:

- प्रोफेसर डॉ. आर.आर. द्विवेदी द्वारा व्याख्यान - 12 वीं - 14 जून, 2017
- प्रो डॉ. एम.एस. बघेल और प्रो. (डॉ.) एस. खंडेल - 16 जून, 2017
- 10 वीं जनवरी, 2018 को औषधि फार्मास्यूटिकल्स कॉर्प लिमिटेड द्वारा सी.एम.ई. व्याख्यान।
- 14 जनवरी, 2018 को डॉ. मंगलगौरी वी राव द्वारा अतिथि व्याख्यान ।

पेपर / पोस्ट प्रेजेंटेशन:

1. भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यशाला-सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद का प्रारूप , 5 जनवरी, 2018 को विंटर सेसन (हेमन्त व शिशिर ऋतु) में "DIET AND LIFESTYLE AS PER AYURVEDA" विषय पर पोस्टर प्रस्तुति।
2. फरवरी 2018 को आयुर्वेद के माध्यम से पूर्व-वैचारिक और प्रसव पूर्व देखभाल में एसओपी का विकास कार्यशाला में पोस्तर प्रस्तुति।

सेमिनार /सिंपोसियम/कार्यशालाओं में भाग लेना आदि:

1. 7-10 सितंबर 2017 को पंजाबी बाग में आयुर्वेद पर्व।
2. 16, अक्टूबर 2017 को द्वितीय आयुर्वेद दिवस संगोष्ठी।
3. मन्थन कार्यक्रम का हिमालय दवा कंपनी द्वारा आयोजित प्रस्तुति प्रतियोगिता।
4. सीएमई, आर्य वैद्यसाला कोट्टाकल, संधि-विकार पर आयोजित सभा, 29 जुलाई, 2017
5. 16-17 नवंबर, 2017 को एआईआईए में नाडी परीक्षा सेमिनार।
6. 4-7 दिसंबर, 2017 को विज्ञान भवन में अंतर्राष्ट्रीय अरोग्य।

7. 20 दिसंबर, 2017 को श्री बालेंदु प्रकाश द्वारा "एक्युट पेंक्रियेटाइटिस" पर संगोष्ठी।
8. हिंदी कार्यशाला - 22 दिसंबर, 2017
9. चरक आयतनं - चित्रकूट (आर ए वि), 12-17 जनवरी, 2018
10. गैस्ट्रो इनटेसटीनल विकारों के लिए गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक्स टुल सीएमई - 17/01/2018
11. प्रकृति के नैदानिक अनुप्रयोग का आकलन - 20 जनवरी 2018
12. कैंसर जागरूकता सप्ताह (कार्यशाला): 3-9 फरवरी 2018
13. कौशलम (नैदानिक अभ्यास में प्राकृति और मारण थेरेपी) - 25 मार्च 2018

अनुसंधान प्रोजेक्ट्स:

क्र. सं	परियोजना का नाम	अन्वेषक प्रथम	अन्वेषक द्वितीय्	स्थिति	राशि
	प्रकृति मूल्यांकन स्केल / प्रश्नावली की वैधता - सीसीआरएएस	डॉ. मीरा के भोजाणी	डॉ. शिवकुमार हर्ति	प्रक्रिया में	5,86,800/- रू. (सी सी आर ए एस, नई दिल्ली से प्राप्त निधि)

द्रव्यगुण विभाग

विभागीय विजन:

- स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षण सुविधा प्रदान करना जिससे वे शास्त्रीय और समसामयिक क्षेत्रों के संदर्भ में द्रव्यगुण को बेहतर तरीके से समझ सकें।
- परीक्षण सुविधा के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करना: आधुनिक विश्लेषणात्मक उपकरणों से युक्त गुणवत्ता नियंत्रण और विश्लेषणात्मक परीक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
- डिजिटल वनस्पति संग्रहालय का विकास।
- औषधि कोष विकसित करना
- औषधीय पादप उद्यान विकसित करना।
- छात्रों, शोधकर्ताओं, सहित विभिन्न हितधारकों को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना।
- विभिन्न क्षेत्रों की शैक्षिक यात्राओं द्वारा पौधों की पहचान के व्यावहारिक ज्ञान को समृद्ध करना।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

नाम	**पदनाम**	**योग्यता**
शिक्षक		
प्रो. तनुजा नेसरी	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु), पीएच.डी.
डॉ. शिवानी घिल्डियाल	सहायक प्रोफेसर	एमडी (आयु), पीएच.डी.

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1	एमडी (आयु) छात्र	8
2	एमडी (आयु) के लिए आयोजित सैद्धांतिक कक्षाएं	240
3	नैदानिक/व्यावहारिक प्रदर्शन	96
4	आईएसएसएन (ISSN) नंबर के साथ शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	2
5	अतिथि व्याख्यान	10

- **शैक्षणिक दौरे:** विभाग ने 26 मार्च, 2018 को एमडी छात्रों को चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान का शैक्षिक दौरा कराया।

- **उद्यान का विकास:** द्रव्य गुण विभाग द्वारा एआईआईए के परिसर में वनौषधि वाटिका विकसित की गयी है, जो विभाग के छात्रों के लिए एक ज्ञान संसाधन का कार्य करता है और साथ ही चिकित्सकीय प्रयोजनों के जरूरत के लिए भी उपयोगी है। वनौषधि वाटिका के विकास के साथ-

साथ जीवन में पौधों के महत्व पर जोर देने के लिए संकाय, कर्मचारियों, छात्रों और रोगियों के लिए वृक्षारोपण गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

- **द्रव्यगुण विभाग, एआईआईए के संग्रहालय का विकास:** औषध द्रव्यों के नमूने एकत्र करने और द्रव्यगुण विभाग के संग्रहालय को समृद्ध करने के लिए, दिल्ली के खारी बावली स्थित बाजार से औषधियों के नमूने लाए गए। इसके अलावा, कुछ औषधी द्रव्यों को पतंजलि योगपीठ, आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, सीबीपीएससीएस कॉलेज आदि के विभिन्न हर्बल गार्डन और क्रूड ड्रग म्यूजियम की शैक्षिक यात्राओं के दौरान एकत्र किया गया। विभिन्न औषध द्रव्य जैसे पाइन, शैलेय, चंपक आदि विभिन्न क्षेत्रों से लाए गए।

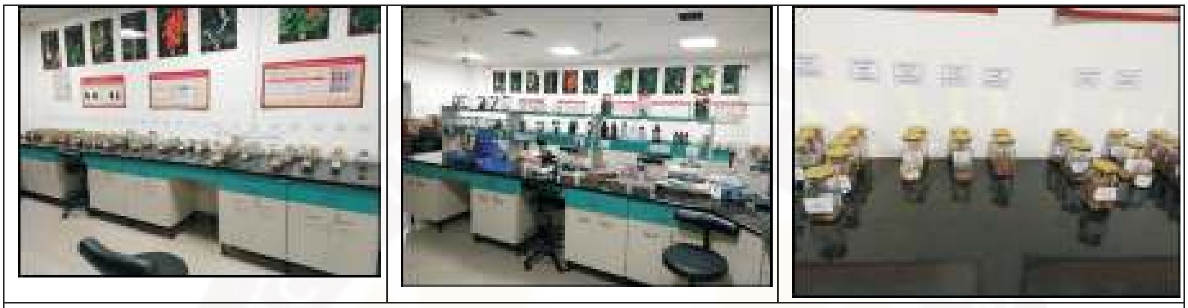

द्रव्यगुण विभाग का संग्रहालय

फार्माकोग्नॉसी लैब का विकास: एआईआईए की द्रव्यगुण प्रयोगशाला के विकास की श्रृंखला में, विभिन्न वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के लिए उपयुक्त पर्याप्त प्रयोगशाला के मानदंडों के अनुसार, औषध द्रव्यों के सूक्ष्म-मैक्रोस्कोपिक अध्ययन, फाइटोकेमिकल अध्ययन, घटक अध्ययन, पौधों की पहचान, मिलावट अध्ययन आदि, के प्रशिक्षण की सुविधा है। घटक अध्ययन और पहचान अध्ययन करने के लिए कई प्रयोगशाला उपकरणों और ग्लासवेर्स को भी लाया गया है। एकत्रित पौधों के नमूनों के सुरक्षित और उचित संरक्षण के लिए एक फील्ड प्रेस प्रयोगशाला में उपलब्ध है। हॉट एक्सट्रैक्शन के लिए प्रयोगशाला में एक सॉक्सलेट भी स्थापित किया गया है।

फार्माकोग्नॉसी लैब

सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाओं आदि में भागीदारी:

• **भागीदारी:** -

1. 3 नवंबर 2017 को AIIMS, नई दिल्ली में आयोजित ISC इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी में "सिर और गर्दन के कैंसर सम्मेलन के प्रबंधन में अपडेट" की कार्यशाला में भाग लिया। (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)।
2. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी द्वारा आयोजित "कैंसर जागरूकता सप्ताह 3 से 9 फरवरी, 2018" के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यान में भाग लेना।

प्रस्तुतियाँ: -

1. डेजर्ट मेडिसिन रिसर्च सेंटर, जोधपुर (इंडियन मेडिकल काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) राजस्थान कॉन्क्लेव- 5 पर "डेजर्ट की हर्बल संपदा: स्वस्थ भविष्य का एक शानदार तरीका" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया गया (13 से 16 दिसंबर, 2017) (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)
2. 16 दिसंबर, 2017 को भारत की बेसिक हेल्थ केयर सर्विसेस में आयुर्वेद की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करने की धुरी, M.S.M. इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद भगत फूल सिंह महिला विश्व विद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा। 131305। (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)
3. ऑल इंडिया आयुर्वेदिक स्पेशलिस्ट्स (पी. जी.) एसोसिएशन बरेली (यू. पी.) द्वारा आयोजित आयुर्वेद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के प्रबंधन में समग्र दृष्टिकोण पर एक पेपर प्रस्तुत किया। (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)

शैक्षणिक: -

1. फैकल्टी ने भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यशाला में पोस्टर प्रस्तुति दिनांक 05.01.2018 को मैनेजिंग पब्लिक हेल्थ निर्णायक के रूप में योगदान दिया। (प्रो. तनुजा नेसरी)।
2. डॉ. डी वाई पाटिल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड रिसर्च सेंटर, महाराष्ट्र के विभाग में "औषधीय पौधों के संवर्धन, संरक्षण और फाइटोकेमिकल अध्ययन" में विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया। (प्रो. तनुजा नेसरी)
3. डॉ. शिवानी घिल्डियाल ने कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में व्याख्यान दिया (3 फरवरी - 9 फरवरी 2018)
4. मेडिकल हर्ब्स और चिकित्सीय आहार विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान व्याख्यान दिए और व्यंजनों का प्रदर्शन किया।(डॉ. शिवानी घिल्डियाल)
5. स्नातकोत्तर छात्रा (डॉ. याशिका बिधुरी) ने ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में 05.01.2018 को प्रबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य की सीमाओं पर भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यशाला "आयुर्वेद के दौरान आयोजित पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

7. विभाग के स्नातकोत्तर छात्रा (डॉ. याशिका बिधुरी) ने 15 मार्च, 2018 को हिमालय कम्पनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम मंथन में दूसरा पुरस्कार जीता।

8. विभाग की स्नातकोत्तर छात्रा (डॉ. गीतिका पाहुजा) ने 6 - 21 जून 2017 को आयोजित एआईआईए में योग के अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

9. डॉ. शिवानी धिल्डियाल ने विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी में अतिथि वक्ता और आयुर्वेदिक शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के उभरते मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया (28 अगस्त, 2017 को जो कि होटल द हंस, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली)

10. ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता सप्ताह 3 से 9 फरवरी, 2018" में संयुक्त आयोजन सचिव के रूप में योगदान। (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)।

11. 6 से 7 अप्रैल, 2018 को आईएमएस, बीएचयू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। (डॉ. शिवानी घिल्डियाल)।

राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार आदि में व्याख्यान और अध्यक्षता

प्रो. तनुजा नेसरी:

क्र. सं.	**व्याख्यान का शीर्षक/शैक्षणिक सत्र**	**सम्मेलन/संगोष्ठी आदि का शीर्षक**	**आयोजक कर्ता**
1.	आयु. मैनेजमेंट ऑफ़ फ़ूड एलर्जी (मुख्य वक्ता)	वां 16इंटरनेशनल कॉनफेरेन्स ऑफ आयुर्वेद	यूरोपीय एकेडमी ऑफ आयुर्वेद 8- 13 सितंबर 2017
2.	आयु. आस्पेक्ट्स ऑफ़ मेन्टल हेल्थ (मुख्य वक्ता)	वां 16इंटरनेशनल कॉनफेरेन्स ऑफ आयुर्वेद	
3.	आयुर्वेदिक पर्सपेक्टिव इन फ़ूड टेक्नोलॉजी (मुख्य वक्ता)	इन वर्ल्ड आयुर्वेदा कांग्रेस , कोलकाता	3- अक्टूबर 31 नवंबर 2017
4.	एथनो मेडिकल प्रैक्टिसेज इन अंडमान & निकोबार आइलैंड्स - स्कोप लिमिटेशन एंड पर्सपेक्टिव (मुख्य वक्ता)	रीजनल रिसर्च सेंटर ऑफ़ आयुर्वेदा (आरआरसीए) पोर्ट ब्लेयर	12 नवंबर 2017
5.	इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन मेन्टल हेल्थ (मुख्य वक्ता)	एस ए ट्रेनर एट यूरोपियन अकेडमी आयुर्वेदा, जर्मनी	सितंबर 15 - 14 2017
6.	सीएमई प्रोग्राम 2017 एस ए रिसोर्स पर्सन, तनुजा नेसरी (मुख्य वक्ता)	(राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ) मिनिस्ट्री ऑफ़ आयुष, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया	ए और यू कॉलेज और अस्पताल, करोल बाग, नई

			दिल्ली
7.	रिसोर्स पर्सन ऑन होलिस्टिक रिसर्च इन आयु. (मुख्य वक्ता)	इन दी फिफ्त भारतीय विज्ञानं सम्मलेन एंड एक्सपो फेर्गुसन कॉलेज,पुणे	14.05.2017
8.	रिसोर्स पर्सन फार्मोकोपिया एंड सब्स्टिटुटेस (मुख्य वक्ता)	(सीएमई) राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ गवर्नमेंट आयुर्वेद कॉलेज छत्तीसगढ़	जून 17 - 12, 2017
9.	ड्रग रिसर्च (डीजी) (मुख्य वक्ता)	नेशनल सिम्पोजियम "आयुष रिसर्च विज़न & स्ट्रेटेजीज" सावित्रीबाई फुले, पुणे यूनिवर्सिटी,पुणे	04.08.2017
10.	आयुर्वेदा जीएसीपी (मुख्य वक्ता)	इंडो - यूएसपी वर्कशॉप ऑन फर्मकोपोइएल 10मोनोग्राफ्स ऑफ़ आयुर्वेदिक / हर्बल मेडिसिन्स, पचिंह, नई दिल्ली	06.11.2017
11.	पोटेंशियल ऑफ़ आयुष विथ रेस्पेक्ट टू जनरल वैलनेस एंड प्रिवेंटिव हेल्थ केयर इन्क्लूडिंग प्रिवेंशन ऑफ़ डायबिटीज मेलिटस "कॉमन मेडिकल प्लांट्स एंड देइर कॉमन प्रिपरेशन" (मुख्य वक्ता)	ओरिएंटेशन ऑफ़ अशास / अनम्स सीसीआरएस एंड सीआरवॉयएन,नई दिल्ली	22.11.2017

डॉ. शिवानी घिल्डियाल (मुख्य वक्ता):

क्र. सं.	व्याख्यान का शीर्षक/ शैक्षणिक सत्र	सम्मेलन / संगोष्ठी आदि का शीर्षक	आयोजक कर्ता	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	वृक्षायुर्वेद: ए लेसन फॉर हेल्थी एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज	रोले ऑफ़ बेसिक साइंसेज इन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन आयुर्वेदा मेडिसिन.	महिमा रिसर्च फाउंडेशन,बीएचयू, वाराणसी 28-29 अक्टूबर, 2017	अंतरराष्ट्रीय
2	अन्सिएंट आयुर्वेदिक एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेज : वृक्षायुर्वेद - के परिपेक्ष में:लेसंस फॉर हेल्थी फ्यूचर	ओज फेस्टिवल 6 -7 मई 2017	निरोग स्ट्रीट	राष्ट्रीय

उपलब्धियां / सम्मान / पुरस्कार:

1. प्रो. तनुजा मनोज नेसरी को सीसीआरएएस, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
2. प्रो. तनुजा मनोज नेसरी को आयुर्वेदिक फार्माकोपिया समिति, आयुष मंत्रालय के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

कायचिकित्सा विभाग

❖ **शैक्षणिक गतिविधियाँ**

नाम	**पदनाम**	**अर्हता**
शिक्षकगण		
प्रो. वीडी अग्रवाल	प्रोफेसर	एमडी (आयु.), पीएच.डी
डॉ. आरके यादव	सह प्रोफेसर एवं विभाग्याध्यक्ष	एमडी (आयु.), पीएच.डी
डॉ. वीजी हुद्दार	सह प्रोफेसर	एमडी (आयु.), पीएच.डी
डॉ. आरआर मेहतो	सहायक प्रोफेसर	एमडी (आयु.), पीएच.डी
डॉ. दिव्या काजरिया	सहायक प्रोफेसर	एमडी (आयु.), पीएच.डी

❖ **शैक्षणिक गतिविधियाँ:**

1	स्नातकोत्तर छात्र	17
2	एमडी (आयु) के लिए आयोजित सैद्धांतिक कक्षाएं	5 कक्षाएं प्रति सप्ताह
3	नैदानिक/व्यावहारिक प्रदर्शन	2 कक्षाएं प्रति सप्ताह
4	आईएसएसएन संख्या के साथ शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	20
5	अतिथि व्याख्यान सहित प्रस्तुत किए गए पत्र	10

नैदानिक प्रशिक्षण:

विभाग में दैनिक आधार पर 4 विशेष क्लीनिक हैं (रेस्पिरेटरी एंड एलर्जी यूनिट, न्यूरोलॉजी यूनिट, मस्कुलो-स्केलेटल यूनिट, मधुमेह, मोटापा और त्वचा विकार यूनिट)। मौजूदा वर्ष में कुल 162061 (70,735 - पुरुष और 91326 - महिलाएं) मरीज ओपीडी में शामिल हुए और 140 रोगियों को आईपीडी में भर्ती किया गया। अंतरंग भर्ती रोगियों का औसत 89.23% रहा।

अतिथि व्याख्यान:

1. **डॉ. वीजी हुद्दार**
   - प्रगति- 2017, अध्यक्ष के रूप में 24 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 23 - 24 दिसंबर, 17
   - 19 जुलाई, 2017, कोलंबो (श्रीलंका) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2017 के अवसर पर आयुर्वेद विशेषज्ञ के रूप।

1. **डॉ. आरके यादव**

- राजकीय आयुर्वेद कॉलेज बरेली में जीवन शैली संबंधी विकारों पर व्याख्यान दिया।
- संधिवात प्रबंधन एआईएएसपीजीए, नई दिल्ली में पुरानी गठिया विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रबंधन।
- कायचिकित्सा विभाग, एआईआईए में दिनांक 14 नवंबर, 2017 को - मधुमेह दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया
- दिनांक 17 फरवरी, 2018 को एआईआईए में श्वसन पथ विकार और आहार संशोधन की भूमिका पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 6 और 7 फरवरी, 2018 को अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, पुणे में उदरशूल पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षता सत्र।
- दिनांक 05 जनवरी, 2018, नई दिल्ली में आयुर्वेद ऑन फ्रंटियर्स ऑफ मैनेजिंग पब्लिक हेल्थ पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

प्रस्तुत लेख

❖ आयुर्वेदिक कॉलेज पटना (बिहार) में दिनांक जुलाई, 2017आमवात के विशेष संदर्भ के साथ निर्गुंडी की गुणवत्ता और इसकी प्रभावकारिता, सरकार के औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

❖ मेजर एसडी सिंग आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड होस्पिटल, फर्रुखाबाद (उ.प्र.) में अगस्त, 2017 में मधुमेह के प्रबंधन और इसकी जटिलता के लिए पंचकर्म की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

❖ एआईआईए, नई दिल्ली 2017 में मधुमेह पर आयोजित संगोष्ठी में मधुमेह व इसकी जटिलता पर वार्ता प्रस्तुत की।

पोस्टरों का प्रदर्शन:

सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाओं आदि में भागीदारी:

1. संधिवत अनुसंधान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (19-20 मार्च, 2017)
2. 20 दिसंबर, 2017 को रस औषधी के माध्यम से गंभीर और पुरानी अग्नाशयशोथ के उपचार पर संगोष्ठी
3. मधु संवाद - मधुमेह प्रबंधन और इसकी जटिलताओं के लिए प्रोटोकॉल का विकास, 15-16 मार्च, 2017
4. कार्यशाला "अप्डेट्स इन मैंनेजमैंट ऑफ हेड एंड नेक कैंसर", 4 और 5 नवंबर, 2017
5. मधुमेह (diabetes mellitus) प्रबंधन में आयुर्वेद का विस्तार एवं भूमिका तथा उसकी जटिलताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 5-7 फरवरी, 2017
6. ग्लोबल ट्रेडिशनल फूड समिट 2017, 25,26,27 फरवरी, 2017
7. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड नस्य आरएवायएम एनआईए जयपुर 2017
8. संहिता आधारित आयुर्वेदिक नैदानिक विधियों के व्यावहारिक प्रदर्शन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 8-9 जनवरी 2018

कौमारभृत्य विभाग

परिचय:

कौमारभृत्य विभाग तीन प्रमुख कार्यक्षेत्र अस्पताल, शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधिया के तहत अपनी सेवाएं प्रदान करने वाला विभाग है। इनके अतिरिक्त, विभाग सभी संस्थागत पाठ्यक्रम और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। कौमारभृत्य विभाग को शैक्षणिक ब्लॉक की चौथी मंजिल पर 7 कमरों, एक प्रयोगशाला (विभागीय संकाय के लिए 4 कमरे, एक कार्यालय कक्ष, एक संगोष्ठी सह व्याख्यान कक्ष और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कमरा) के साथ विद्यमान है। विभाग में 200 से अधिक पुस्तकों के साथ एक संदर्भ पुस्तकालय है। विद्वानों के नैदानिक प्रशिक्षण के लिए, विभाग में ओपीडी सुविधा, बाल चिकित्सा पंचकर्म सुविधा, अस्पताल और NICU सुविधा है।

शिक्षकगण: विभाग में निम्नलिखित शिक्षकगण हैं:

क्र.सं	**संकाय का नाम**	**योग्यता**	**पद**
1	डॉ. अभिमन्यु कुमार	एम. डी. (आयु), पीएच.डी., एमएससी (मनोविज्ञान)	प्रोफेसर और विभागाक्ष्य (नवंबर 2017 तक)
2	डॉ. राजगोपाल एस.	एम. डी. (आयु), पीएच.डी.	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख (दिसंबर 2017 से)
3	डॉ. महापात्र अरुण कुमार	एम. डी. (आयु), पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर

विभाग शैक्षणिक ब्लॉक में एक पार्ट टाइम डीईओ और एक एमटीएस तथा अस्पताल ब्लॉक में एक पार्ट टाइम महिला पंचकर्म तकनीशियन/सहायक कार्यरत है।

स्नातकोत्तर छात्र:

विभाग में कुल 12 स्नातकोत्तर छात्र हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

क्र.सं.	**प्रवेश का वर्ष**	**स्कॉलरस् की संख्या**
1	2016 - 2017	06
2	2017 - 2018	06
	कुल	**12**

अतिथि व्याख्यान (संकाय द्वारा वितरित):

1. डॉ. राजगोपाल, ने एस.डी.वाई. पाटिल स्कूल ऑफ आयुर्वेद, नवी मुंबई में "अंडरस्टैंडिंग जुवेनाइल डायबिटीज मेलिटस" विषय पर 'नेशनल सेमिनार ऑन डायबिटीज मेलिटस - फ्रोम लेबोरेटरी टू प्रेक्टि' मे अतिथि व्याख्यान दिया जो आयुष निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य और आरोग्य भारती, द्वारा आयोजित किया गया, 16-17 अगस्त, 2017

2. डॉ. राजगोपाल एस. ने आयुष सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "न्यूट्रिकोन - 2018": नेशनल कॉनफ्रैंस ओन मेनेजमेंट ऑफ न्यूट्रिशनल डिसोरडरस-चैलैंजेज़ एण्ड स्कॉप " में "न्यूट्रिशन इन चिलरन" विषय पर एक आमंत्रित अतिथि व्याख्यान दिया। आयुर्वेद कॉलेज और संस्थान, भोपाल, 19-20 जनवरी, 2018।
3. डॉ. राजगोपाल एस. ने अलप्पुझा, केरल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कौमारभृत्य में अनुसंधान में हाल ही में प्रगति' विषय पर बाल चिकित्सा पर एक आमंत्रित अतिथि व्याख्यान दिया, फ़रवरी 17-18, 2017
4. डॉ. महापात्र अरुणकुमार ने एआईसीटीई द्वारा आयोजित "ग्रैंड फाइनल, स्मार्ट इंडिया हैकथॉन" और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार कोलकाता, मार्च 2018 में सहयोग दिया।

सेमिनारों/कार्यशालाओं आदि में भागीदारी।: विभाग के संकाय और स्नातकोत्तर छात्रों ने सक्रिय रूप से विभिन्न सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लिया:

क्र. सं.	संगोष्ठी का नाम	स्थान और दिनांक	प्रतिभागी
1.	आयुर्वेद के माध्यम से पूर्व अवधारणात्मक और जन्म पूर्व देखभाल में मानक संचालन प्रक्रियाओं के विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला	एआईआईए, नई दिल्ली 19 और 20 फरवरी, 2018	सभी विभागीय संकाय और छात्र
2.	"आयुर्वेद माध्यम से तीव्र और पुरानी अग्नाशयशोथ के उपचार पर संगोष्ठी	एआईआईए, नई दिल्ली 20 जनवरी, 2018	सभी विभागीय संकाय व छात्र
3.	त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन	विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिल्ली संस्कृत अकादमी 25-27 मार्च, 2018.	डॉ. राजगोपाल एस.
4.	मधुमेह पर राष्ट्रीय संगोष्ठी - प्रयोगशाला से अभ्यास	मुंबई, आयुष निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य और आरोग्य भारती द्वारा, 16 -17 अगस्त, 2017	डॉ. राजगोपाल एस.
5.	सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रबंधन की सीमाओं पर आयुर्वेद पर कार्यशाला	एआईआईए और केस वेस्टर्न रिजर्व विश्वविद्यालय और आईयूएम वैश्विक, संयुक्त राज्य अमरीका 05 जनवरी, 2018	सभी विभागीय संकाय और छात्र
6.	न्यूट्रिकोन - 2018": पोषण संबंधी विकारों के प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन - चुनौतियां और स्कोप	भोपाल, आयुष विभाग, मध्य प्रदेश सरकार और पं केएस आयुर्वेद कॉलेज और संस्थान, 19-20 जनवरी, 2018।	डॉ.राजगोपाल एस.

7.	"गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों के लिए नॉनइनवेसिव निदान मे नवीन प्रगति के लिए क्या आयुर्वेद में अनुसंधान लाभ कारी है?" पर सीएमई	एआईआईए, नई दिल्ली 17 जनवरी, 2018	सभी विभागीय संकाय और छात्र
8.	बालचिकित्सा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	अलप्पुझा, केरल 18 फरवरी, 2018	डॉ. राजगोपाल एस.
9.	रक्तमोक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला	आयुर्वेद और युनानी तिब्बिया कॉलेज और अस्पताल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार, करोल बाग, नई दिल्ली अप्रैल, 2017	डॉ. महापात्र अरुणकुमार
10.	आयुष के अनुसंधान वैज्ञानिक के लिए प्रशिक्षण सह एक्सपोजर कार्यक्रम, एकीकृत चिकित्सा के मेदांता मॉडल, "अक्षीय मॉडल के विकास की खोज	मेदांता - मेडसिटी, गुरुग्राम, नवंबर 2017	डॉ महापात्र अरुण कुमार
11.	सामाजिक मीडिया सामग्री विकास पर प्रशिक्षण सह उद्भासन कार्यक्रम	केंद्रीय अनुसंधान परिषद, जनकपुरी, नई दिल्ली अप्रैल 2017	डॉ महापात्र अरुण कुमार
12.	त्वचा रोगों और पंचकर्मपर सीएमई सह व्याख्यान	औषधी फार्मास्युटिकल कार्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से एआईआईए, नई दिल्ली, जनवरी, 2018	सभी विभागीय संकाय और छात्र
13.	स्वास्थ्य विश्लेषिकी और रोग मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एचएडीएम 2018)	एम्स, नई दिल्ली, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी। मार्च 2018	डॉ महापात्र अरुण कुमार

पंचकर्म विभाग

दृष्टि:

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), भारत में पंचकर्म सुविधाओं की उत्तम व्यवस्था प्रदान करता है। अस्पताल खण्ड के सभी पांच मंजिलों में पंचकर्म हेतु और पूरी तरह सुसज्जित पंचकर्म थिएटर हैं।

रोगियों के लिए दैनिक आधार पर किए गए उपचार प्रक्रियाओं के लिए विशेष व्यवस्था हैं और अन्य मरीजों के लिए अलग व्यवस्था हैं। हर वार्ड के निकट पंचकर्म थियेटर बनाया गया है। उपचार के दौरान प्रदान किए जाने वाले विशेष देखभाल और विशिष्ट भोजन (पथ्य) के साथ पूरे पंचकर्म वार्ड में मानक स्तर की स्वच्छता और उपचार की गुणवत्ता उपचार दिया जाता है। वीआईपी रोगियों के लिए उपचार क्षेत्रों की अलग से स्थापना भी यहाँ पर पंचकर्म की विशेषता है। विशेष कक्ष व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करते हैं, जहां पंचकर्म प्रक्रियाएं उन विशिष्ट कमरों में भी की जाती हैं। पंचकर्म सुविधा सुपर स्पेशियलिटी क्षेत्रों में भी उपलब्ध है जैसे - बाल चिकित्सा पंचकर्म, स्त्री रोग पंचकर्म, क्रियाकल्प (आंख और e.n.t विकारों के लिए प्रक्रियाएं)। अच्छी तरह से प्रशिक्षित और अनुभवी उपचार विशेषज्ञ पंचकर्म डॉक्टरों की प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण और निर्देशों के तहत प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं। पूरी तरह से स्वचालित उपकरण और वैदिक विज्ञान के पुराने सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए सबसे उन्नत पंचकर्म व्यवस्था संस्थान की विशिष्टता है।

मानक संचालन प्रोटोकॉल विकसित करने, और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अलावा 2016 से सफलतापूर्वक पंचकर्म तकनीशियन कोर्स (पीकेटीसी) चलाकर विभाग लगातार उन्नति कर रहा है। एनएबीएच के मानदंडों के अनुसार विभाग के तहत किए गए सभी प्रक्रियाओं को विशेष रूप से मान्यता प्राप्त है। शीर्ष संस्थान होने के नाते पंचकर्म विभाग के लिए वैश्विक मानकों को लाने के लिए वैज्ञानिक शोधों के साथ-साथ रोगी देखभाल के उच्चतम मानकों और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ नाम	पद	योग्यता
1.	डॉ. संतोषकुमार भटटेड	सह-प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु.), पीएचडी
2.	डॉ. प्रशांत डी.	सहायक प्राध्यापक	एमडी (आयु.), पीएचडी

छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर छात्र

क. 2016 - 2019 - 06

ख. 2017 - 2020 - 06

एमडी और पंचकर्म टेकनीशियन के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक विषय

एमडी	**सैद्धांतिक कक्षा**	**प्रैक्टिकल**
2016 - 2017	5 घंटे / सप्ताह	12 बजे / सप्ताह
2017 - 2018	5 घंटे / सप्ताह	12 बजे / सप्ताह
2018 - 2019	3 घंटे / सप्ताह	12 बजे / सप्ताह
पीकेटीसी (पंचकर्म टेकनीशियन)	**सैद्धांतिक कक्षा**	**प्रैक्टिकल**
2016 - 2017	4 घंटे / सप्ताह	18 बजे / सप्ताह
2017 - 2018	4 घंटे / सप्ताह	18 बजे / सप्ताह

संगोष्ठी/संगोष्ठी/कार्यशालाओं में भागीदारी की सूची:

1. रसौषधि (**20** दिसंबर **2017**) के माध्यम से तीव्र और पुरानी अग्नाशयशोथ का उपचार
2. मंथन - द हिमालया ड्रग कंपनी द्वारा आयोजित प्रस्तुति प्रतियोगिता (**30** जून **2017**)
3. कैंसर जागरूकता सप्ताह (**3** फरवरी - **9** फरवरी **2018**)
4. **19** वीं - **20** वीं फरवरी **2018** में पूर्व संकेंद्रित और प्रसव पूर्व देखभाल हेतु एसओपी में योगदान दिया।
5. एनईआईएएच, शिलांग में राष्ट्रीय सम्मेलन, **23** वाँ - **24** वाँ फरवरी **2018**
6. अन्नपूर्णा आयुर्वेद रेसिपी प्रतियोगिता, **8** मार्च **2018**
7. दैनिक नैदानिक अभ्यास में पंचकर्म, **11** मार्च **2018**
8. क्लिनिकल प्रैक्टिस में प्रकृत अनुसार चिकित्सा और मर्म, **25** मार्च **2018**

प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग

परिचय:

स्त्री एवं प्रसूति तंत्र आयुर्वेद कि वह शाखा है जो स्त्री रोगो एवं प्रसूति से संबंधित होती है।

उद्देश्य:

- यह वह शाखा है जो एक महिला के जीवन के विभिन्न चरणों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के रखरखाव कि अवधारणा के साथ उत्पन्न होती है।
- एक स्वस्थ माँ से एक स्वस्थ संतान की उत्त्पति।
- जननांग पथ के स्वास्थ्य को बनाये रखना एवं जननांगो को मजबूत करना जिससे कि जननांग पथ के रोगों से बचाव किया जा सके।
- उचित उपचार द्वारा जननाग पथ के रोगों को ठीक करना।

विभागीय दृष्टिकोण:

- स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग को सर्वोत्तम बनाने हेतु विकसित करना
- स्त्री रोग और प्रसूति सम्वन्धित मामलों मे इसे एक सर्वश्रेष्ट एकीकृत केंद्र के रूप मे स्थापित करना

शैक्षणिक गतिविधियां:

नाम	पद	योग्यता
प्रोफेसर (डॉ.) सुजाता कदम	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	एमएस (आयु.), पीएच.डी.
डॉ. कामिनी धीमान	सह-अध्यापक	एमएस (आयु.), पीएच.डी.
डॉ. मीनाक्षी पाठक	सहायक अध्यापक	एमएस (आयु.), पीएच.डी.

शैक्षणिक गतिविधियां:

1	एम.एस (आयु.) छात्र	12
2	एम.एस (आयु.) के लिए आयोजित व्याख्यान	480
3	नैदानिक/व्यवहारिक प्रदर्शन	500 नैदानिक/ व्यवहारिक प्रदर्शन

नैदानिक प्रशिक्षण:

विभाग में एक सामान्य स्त्री रोग ओपीडी (स्त्रीरोग) के साथ साथ तीन विशेष ओपीडी- बन्ध्यतव, प्रसव पूर्व देखभाल और रजोनिवृत्ति जागरूकता क्लिनिक हैं जिनमे दैनिक आधार पर 200 रोगी प्रतिदिन देखे जाते हैं। आईपीडी में, विभाग को 08 (आठ) बिस्तर आवंटित किए गए हैं। चालू वर्ष के दौरान कुल 15000 रोगियों ने ओपीडी में भाग लिया और 50 रोगियों को आईपीडी में भर्ती किया गया। सामान्य

स्त्रीरोग संबंधी विकार जैसे ल्यूकोरिआ (श्वेतप्रदर), मासिक धर्म विकार (आर्तव व्यापद), गर्भाशय फाइब्रॉएड, डिम्बग्रंथि पुटी(ओवेरियन सिस्ट), पीसीओडी, वन्ध्यतव, प्रसव पूर्वानुमेय और रजोनिवृत्ति ओपीडी और आईपीडी में केंद्रित मुख्य बीमारियां हैं। विभागीय संकाय और स्नातकोत्तर छात्र समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन में शामिल होते हैं।

पोस्टर प्रस्तुति: 12 पी.जी. छात्रों द्वारा

1. **अकादमिक गतिविधियां -प्रो. (डॉ.) सुजाता कदम**

क्र. सं.	अकादमिक अधिवेषण/भाषण विषय	संभाषा विषय	आयोजक	राष्ट्रीय/ अन्तराष्ट्रीय
1.	आयुर्वेद के द्वारा जी.डी.एम. का उपचार	वर्कशॉप ऑन जी.डी.एम.	अ.भा.आ.सं.	राष्ट्रीय
2.	ॲन्टीनॅटलकेयर फॉर रेडयूसिंग ओकुलार एंड औडिटरी डिसऑर्डर्स	शालाक्य संदीपनी -2017	गर्भ विक्रमाची आयुर्वेद इंस्टिट्यूट,श्रीलंका	अंतर्राष्ट्रीय
3.	प्रिवेंशन ऑफ़ ग्यनेकोलोगिकल कैंसर इन आयुर्वेद	अपडेट इन मैनेजमेंट ऑफ़ ग्यनेकोलोगिकल कैंसर	आई.एस.सी.ओ.- अ.भा.आ.चि.स.	राष्ट्रीय
4	मेडिसिनल हर्ब एंड थेरापयूटिक डाइट	वर्कशॉप ऑन मेडिसिनल हर्ब एंड थेरापयूटिक डाइट	अ.भा.आ.सं.	अन्तराष्ट्रीय

I. **अकादमिक क्रियाकलाप -डॉ. कामिनी धीमान**

क्र.सं.	कार्यशाला/ संभाषा	तिथि	स्थान
1	कार्यशाला का आयोजन विषय - “डेवेलोपमेंट ऑफ़ स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर फॉर उत्तरबस्ती”	21 से 22 नवम्बर 2017	नई दिल्ली
2	नोडल ऑफिसर ऑफ़ टेली इको प्रोग्राम		
3	अंतरष्ट्रीय संभाषा “स्कोप एंड रोल ऑफ़ आयुर्वेद इन द मैनेजमेंट ऑफ़ मधुमेह एंड इट्स कॉम्प्लिकेशन” नामक अधिवेषण की अध्यक्षता	5 और 7 फरवरी 2017	जयपुर
4	लेख प्रस्तुत किया विषय - “आयुर्वेदिक मैनेजमेंट ऑफ़ मेटाबोलिक डिसऑर्डर (रीजनल आयुर्वेद रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर मेटाबोलिक डिसऑर्डर, बेंगलुरु)	18 फरवरी 2017	बैंगलौर
5	पांच दिवस की संभाषा में - (“बायो स्टेटिस्टिक्स” आयोजक अ.भा.आ.स.)	जनवरी 2017	नई दिल्ली
6	“मधु संवाद” में भाग लिया, आयोजक अ.भा.आ.स.	मार्च 2017	नई दिल्ली

7	दो दिवस की संभाषा में उपस्थित रहे, विषय - "अपडेट इन द मैनेजमेंट ऑफ़ ब्रैस्ट कैंसर"	6th - 7th मई 2017	नई दिल्ली
8	अतिथि भाषण प्रस्तुत किया "आयुर्वेद मैनेजमेंट ऑफ़ इनफर्टिलिटी इन ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन ऑफ़ आयुर्वेद डॉक्टर्स "एट जीवा ऑन8/5/2017, नई दिल्ली	08.मई .2017	नई दिल्ली
9	अतिथि भाषण प्रस्तुत किया "आयुर्वेद मैनेजमेंट ऑफ़ गाय्नेकोलोजीकल प्रॉब्लम" इन ए प्रोग्राम ऑफ़ "अनुकर्मयोग्याम्"।	20th मई 2017	नई दिल्ली
10	द्रव्यगुण राष्ट्रीय संभाषा में एक लेख प्रस्तुत किया "अनुक्त द्रव्य विवेचन 2017" आयोजक द्रव्यगुण विभाग, आई.पी.जी.टी .एंड आर.ए.	20th and 21st जुलाई 2017	
11	सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार प्राप्त किया - "ट्रेडिशनल मैनेजमेंट ऑफ़ ग्यनेकोलोगिकल प्रोब्लम्स", द्रव्यगुण राष्ट्रीय संभाषा अनुक्त द्रव्य विवेचन 2017,	20th - 21st जुलाई 2017	जामनगर, गुजरात
12	भाषण प्रस्तुत किया, विषय - "एमसीएच थ्रू आयुर्वेद फॉर हेल्थ प्रोजेनी इन गयनेकोंन, 2017, राष्ट्रीय संभाषा एवं कार्यशाला	21st अगस्त 2017	आर.डी.मेमोरियल इंस्टिट्यूट भोपाल, एम.पी.
13	अतिथि भाषण प्रस्तुत किया, विषय - "ओरल कैविटी रिलेशन एंड प्रेगनेंसी इन शालाक्य संदीपनी, 2017, अन्तराष्ट्रीय संभाषा शालाक्यतंत्र	16th and 17th सितम्बर 2017	

III. अकादमिक गतिविधियां -डॉ.मीनाक्षी पाण्डेय

क्र. सं.	अकादमिक अधिवेषण/भाषण विषय	संभाषा विषय	आयोजक	राष्ट्रीय/ अंतरष्ट्रीय
1.	पब्लिक अवेयरनेस लेक्चर ऑन ब्रैस्ट कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर	विश्व कैंसर सप्ताह, ८ फ़रवरी 2018	अ.भा.आ.स.	संस्थानीय-
2.	अतिथि भाषण - डिफ़रेंट मेडिसिनल हर्ब्स इन ग्य्नेकोलोगिकल डिसऑर्डर	अन्तराष्ट्रीय कार्यशाला विषय - मेडिकल हर्ब एवं थेरापयूटिक डाइट-17-20 फ़रवरी 2018	अ.भा.आ.स.	अन्तराष्ट्रीय
3.	आयोजन सदस्य विषय – एस.ओ.पी .ऑफ़ प्री कन्सेप्शन एंड प्री नेटल	एस.ओ.पी. ऑफ़ प्री कन्सेप्शन एंड प्री नेटल केयर थ्रू आयुर्वेद - 19	अ.भा.आ.स.	राष्ट्रीय

	केयर थ्रू आयुर्वेद	एवं 20 फ़रवरी 2018		
4.	लेख प्रस्तुत किया - आयुर्वेदिक पर्सपेक्टिव ऑफ़ मैनेजमेंट एवं नर्सिंग केयर	स्टेट लेवल नर्सिंग कॉफ्रेंस ऑन हेल्थ केयर थ्रू आयुर्वेद स्कोप एंड फ्यूचर	अ.भा.आ.स.	राष्ट्रीय

संगोष्ठी/परिसंवाद/कार्यशला में भाग लेने स्नातकोत्तर छात्रों की सूची -

विभाग के बारह स्नातकोत्तर छात्रों ने सभी होने वाली संगोष्ठी/ परिसंवाद/ कार्यशाला में भाग लिया:

1. वर्कशॉप ऑन प्री कन्सेप्शन एंड प्री नेटल केयर, 11 मार्च 2018
2. इंडो-यू.एस .जॉइंट वर्कशॉप ऑन आयुर्वेदा ऑन फ्रंटियर्स ऑफ़ मैनेजिंग पब्लिक हेल्थ , 5 जनवरी 2018
3. डेवलपमेंट ऑफ़ एस.ओ.पी .इन प्री कन्सेप्शन एंड प्री नेटल केयर थ्रू आयुर्वेद-19-20 फ़रवरी, 2018
4. दैनिक जीवन में पंचकर्म, 11 मार्च, 2018

रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग

विभागीय दृष्टिकोण

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बाह्य रोगी विभाग/आंतरिक रोगी विभाग में वितरित किए जा रहे योगों की प्रारंभिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रोफाइल विकसित करना।
- सुरक्षा पहलुओं, औषधीय के परस्पर इंटरेक्शन का आकलन करना।
- नई ड्रग डिलीवरी सिस्टम और मौजूदा योगों के लिए डोसेज़ के स्वरूप का अध्ययन।
- सर्वेलेन्स स्टडी (फेज़ IV)।
- राष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएं।
- गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला अवसंरचना का विकास करना।
- चयनित औषधीय योगों पर मोनोग्राफ बनाना।
- संस्थागत औषधि विनिर्माण इकाई की स्थापना।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ नाम	पद	योग्यता
1.	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु.), पीएचडी
2.	डॉ. गालिब	सह प्राध्यापक	एमडी (आयु.), पीएचडी
3.	डॉ. प्रमोद आर यादव	सहायक प्राध्यापक	एमडी (आयु.), पीएचडी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1.	एमडी (आयु.) छात्र	11
2.	एमडी (आयु.) के लिए आयोजित थ्योरी कक्षाएं	200
3.	प्रायोगिक कक्षाएं	95

नैदानिक प्रशिक्षण:

- विभाग को सप्ताह में 03 दिन ओपीडी आवंटित की गई है। मंगलवार, गुरुवार और शनिवार।

शैक्षणिक यात्रा:

1. अर्बोर फार्मा, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, 28 सितंबर, 2017
2. रेणुकूट, सोनभद्र, यूपी, 12 - 15 सितंबर, 2017
3. पीएलआईएम, गाजियाबाद द्वारा 18-22 दिसंबर, 2017 को आयोजित गुणवत्ता नियंत्रण पर डॉ. परितोष झा और डॉ. नीलाद्री भट्टाचार्य ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संकाय द्वारा अतिथि व्याख्यान:

1. डॉ. प्रमोद यादव ने 05 सितंबर, 2017 जेडी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में अतिथि व्याख्यान दिया।
2. प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति और डॉ. प्रमोद यादव ने श्री राम कॉलेज ऑफ फार्मेसी बानमोर (म.प्र.) के भारत-बांग्लादेश सम्मेलन में अतिथि व्याख्यान दिया।
3. डॉ. प्रमोद यादव ने, 3 - 5 नवंबर -2017 को "अपडेट्स इन मेंएजमेंट ऑफ हेड एंड नेक कैंसर", एम्स, नई दिल्ली व्याख्यान दिया।
4. प्रो. पी.के. प्रजापति ने वाईएसएमटी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई में 21-26 नवंबर 2017 को आयोजित सीएमई फॉर टीचर्स इन आरएसबीके में व्याख्यान दिया।
5. प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने एमएसएम इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, बीपीएसएमवी, सोनीपत हरियाणा में 10 दिसंबर 2017 को भारत की बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में आयुर्वेद की भूमिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि व्याख्यान दिया।
6. डॉ. प्रमोद यादव ने यूरोपीय अकादमी ऑफ आयुर्वेद के छात्रों के लिए 17 - 20 फरवरी, 2018 को "इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन मेडिसीनल हर्बस एंड थेरप्यूटिक डायटेटीक्स" में अतिथि व्याख्यान दिया।
7. डॉ. प्रमोद यादव ने 05 जनवरी, 2018 को प्रबंध जन स्वास्थ्य के मोर्चे पर आयुर्वेद पर भारत-अमेरिका संयुक्त कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिया।
8. प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने 22-24 मार्च 2018 को मुंबई में योग और आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य और आनंदपूर्ण जीवन पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यशाला में अतिथि व्याख्यान दिया। जिसका आयोजन के.जे. मुंबई में सौम्या संस्कृत विद्यापीठ द्वारा किया गया।

सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाओं आदि में भागीदारी:

1. डॉ. प्रमोद आर यादव ने 15 से 20 जनवरी, 2018 तक वाईएसएमटी मेडिकल कॉलेज, नवी मुंबई में रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना में शिक्षकों के लिए सीएमई कार्यक्रम में भाग लिया।
2. रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग के छात्रों ने 16 अक्टूबर, 2017 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह में भाग लिया।
3. विभाग के संकायों और छात्रों ने 7 से 10 सितंबर, 2017 तक नई दिल्ली में आयुर्वेद पर्व में भाग लिया।
4. डॉ. प्रमोद आर यादव ने 13-14 दिसंबर, 2017 डेजर्ट कॉन्क्लेव, डीएमआरसी, आईसीएमआर, जोधपुर में भाग लिया।
5. विभाग के संकाय और छात्रों ने 20 दिसंबर, 2017 को एआईआईए, नई दिल्ली में रसौशाधियों के माध्यम से एक्यूट और क्रोनिक पेंक्रिएटाइटीस के उपचार में भाग लिया।

पुरस्कार और सम्मान:

1. प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, को 25 नवंबर 2017 को वाराणसी में देवाश्रम धनवंतरि भारत गौरव पुरस्कार, 2017 से सम्मानित किया गया।
2. प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति , को गुजरात में 04 दिसंबर 2017 को जीएस आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सम्मानित किया गया था।
3. डॉ. गालिब को 28 अप्रैल 2018 को सीसीआरएस, आयुष मंत्रालय द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड मिला।
4. डॉ. अनु रुहेला ने एआईआईए में कैंसर जागरूकता सप्ताह 4 से 9 फरवरी 2018 को नई दिल्ली के निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
5. 15 मार्च 2018 को मंथन - राज्य स्तर, हिमालय में डॉ. पूनम गुलाटी को द्वितीय रनर अप घोषित किया गया।
6. 14 से 24 सितंबर, 2017 को एआईआईए द्वारा आयोजित “हिंदी ज्ञानप्रयोगिता” में डॉ हिमांशु शर्मा ने दूसरा पुरस्कार जीता।

रोग निदान एव विकृति विज्ञान विभाग

विभागीय दृष्टि:

- वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी के द्वारा आयुर्वेदिक अवधारणाओं पर किए गए अध्ययनों के माध्यम से आयुर्वेद को वैज्ञानिक आधार को सुदृढ़ करना।
- छात्रों को क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- राष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य।
- विभागीय शिक्षण और प्रशिक्षण प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे का विकास।
- प्रयोगशाला परीक्षण की गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करके अस्पताल में रोगी देखभाल की सुविधा प्रदान करना

अकादमिक एक्टिविटीज

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ नाम	पद	योग्यता
1.	डॉ. वीजी हुद्दार	सह प्राध्यापक ओर विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु.), पीएचडी
2.	डॉ. शालिनी राय	सहायक प्राध्यापक	एमडी (आयु.), पीएचडी

शैक्षणिक गतिविधियां

1.	एमडी (आयु) छात्र	08
2.	एमडी (आयु) के लिए आयोजित थ्योरी कक्षाएं	240
3.	क्लीनिकल बेडसाइड/प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन्स	86
4.	पेपर प्रेज़ेंटेशन एवं अतिथि व्याख्यान	08

नैदानिक प्रशिक्षण:

- विभाग छात्रों को क्लीनिकल बेडसाइड, ओपीडी और आईपीडी प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रयोगशाला प्रशिक्षण:

- छात्रों को ए.आई.आई.ए के नैदानिक पैथोलॉजी प्रयोगशाला में पोस्टिंग देकर विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

सेमिनार / सिम्पोजियम / वर्कशॉप आदि में भागीदारी

- एम्स, नई दिल्ली में 3 नवंबर 2017 को आयोजित आईएससी इंडियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल ऑन्कोलॉजी पर "हेड एंड नेक कैंसर सम्मेलन " की कार्यशाला में भाग लिया। (डॉ. शालिनी राय)
- एम.एस.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद भगत फूल सिंह महिला संस्थान, सोनीपत(हरियाणा) में 16 दिसंबर, 2017 को भारत के बेसिक हेल्थ केयर सेवाओं में आयुर्वेद की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में न्यूरोलॉजिकल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन में आयुर्वेद की भूमिका पर एक पत्र प्रस्तुत किया। - (डॉ.शालिनी राय)
- आल इंडिया आयुर्वेदिक स्पेशलिस्ट (पी.जी.) एसोसिएशन द्वारा बरेली (उ.प्र.) में १७ दिसंबर 2017,को आयोजित सेमिनार में न्यूरोलॉजिकल विकारों के परिप्रेक्ष्य में होलिस्टिक एप्रोच इन दा मैनेजमेंट ऑफ़ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स पर पेपर प्रस्तुत किया। (डॉ. शालिनी राय)
- अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में आयोजित ट्रीटमेंट ऑफ़ एक्यूट एंड क्रोनिक पैंक्रिअटिटिस थ्रू रसौषधि पर सेमिनार में विभागीय संकाय और छात्रों ने 20 दिसंबर 2017 में भाग लिया.
- विभाग ने 26 जनवरी, 2018 को संस्थान के गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन में भी सक्रिय रूप से योगदान दिया।
- कैंसर जागरूकता कार्यक्रम, सी.आई.ओ के साथ संयुक्त आयोजन सचिव के रूप में योगदान दिया (3 - 9 फ़रवरी 2018) (डॉ शालिनी राय)
- रोगियों के लिए कैंसर जागरूकता भाषण दिया, (डॉ. शालिनी राय)
- "इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन मेडिसीनल हर्बस एंड थेरप्यूटिक डायटेटीक्स" में व्याख्यान दिया और व्यंजनों का प्रदर्शन (17 -20 फ़रवरी 2018). (डॉ. वी.जी. हुद्दार)

पेपर्स प्रेसेंटेड-

1. रक्तमोक्षण: वैज्ञानिक आधार और प्रवृत्ति - 29 अप्रैल 2017 को , ए और यू टिब्बिया कॉलेज और अस्पताल, नई दिल्ली में "रक्तमोक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला"
2. इंटरडिसिप्लीनरी रिसर्च फॉर एविडेंस बेस्ड ग्लोबल आयुर्वेद: अ स्वोत एनालिसिस- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व्याख्यान, 28-29 अक्तूबर, 2019, महिमा फाउंडेशन एंड सोशल वेलफेयर, वाराणसी, द्वारा आयोजित, में व्याख्यान दिया।

अतिथि अध्यक्ष/आमंत्रित व्याख्यान:

1. "जीसीएलपी विथ स्पेशल रेफ्रेंस टू लेबोरेटरी एरर्स" - ओज फेस्टिवल, निरोग स्ट्रीट द्वारा आयोजित में आमंत्रित वार्ता
2. 28 अगस्त, 2017 को होटल द हैंस, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में विश्व आयुर्वेद मिशन द्वारा आयोजित संगोष्ठी में आयुर्वेदिक शिक्षा और स्वास्थ्य के उभरते मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोग

निदान एव विकृति विज्ञान के अनुशासन में मुद्दों और चुनौतियों शीर्षक से एक पेपर अतिथि वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया।

3. 16 दिसंबर, 2017 को भगत सिंह महिला विश्व विद्यालय में खानपुर कलां, सोनीपत, हरियाणा-131305. में “भारत के बेसिक हेल्थ केयर सेवाओं में आयुर्वेद की भूमिका” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में “न्यूरोलॉजिकल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन में आयुर्वेद की भूमिका”
4. 22 अक्टूबर 2017 को “कॉसेप्ट ऑफ़ पैन एंड मैनेजमेंट इन आयुर्वेदा “पर एक अतिथि व्याख्यान दिया - एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड अस्पताल, वाराणसी
5. ऑल इंडिया आयुर्वेदिक विशेषज्ञ (पी.जी.) एसोसिएशन, बरेली (उ.प्र.) द्वारा रविवार, 17 दिसंबर 2017 को आयोजित होलिस्टिक अप्रोच इन द पेन मैंएजमैंट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डस” राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रबंधन में समग्र दृष्टिकोण
6. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में इंटीग्रेटिव ऑन्कोलॉजी सेंटर द्वारा आयोजित "कैंसर जागरूकता सप्ताह 3 से 9 फरवरी, 2018" के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यान।

परियोजनाओं में विशेषज्ञ:

1. 27 - 28 मार्च 2017 को आयोजित "आयुर्वेद नैदानिक विधियों के सत्यापन और विश्वसनीयता परीक्षण" परियोजना के लिए विशेषज्ञ एवं नामित सदस्य के रूप में काम किया।

(iii) पुरस्कार -

1. रोल ऑफ बेसिक साइंसेज़ इन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन आयुर्वेदिक मेडीसीन - अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पेपर अवार्ड, 28 - 29 अक्टूबर 2017, बीएचयू, वाराणसी
2. एमडी स्कॉलर (डॉ. स्वाति चौहान, बैच 2016) ने DIPSAR दिल्ली-2-4 फरवरी 2018 में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आई .ऐ .एस. टी .ऐ .एम -2018 में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता
3. एमडी स्कॉलर (डॉ. स्वाति चौहान, बैच 2016) ने 5 जनवरी, 2018 को एआईआईए में आयोजित भारत - अमेरिकी कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार के लिए द्वितीय पुरस्कार जीता।

शालाक्य तंत्र विभाग

प्रस्तावना:

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के प्रारंभ से लेकर शालाक्यतंत्र विभाग रूग्ण को यथा संभव शालाक्य संबंधित त्रितीय स्तरीय चिकित्सकीय, शल्य व अनुशस्त्र कर्म संबंधी सेवा देने हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग स्नातकोत्तर स्तरीय गुणवत्तापरक शिक्षा भी प्रदान कर रहा है, जिसमें आधुनिक विज्ञान और रोगी-उन्मुख अनुसंधान परीक्षणों का एकीकरण करके अंतर्विषयात्मक ज्ञान भी सम्मिलित है।

विभागीय दृष्टि:

1. युवाओं को शालाक्य तंत्र के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना।
2. शालाक्य तंत्र के क्षेत्र में इष्टतम कौशल प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता और मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देना।
3. समस्या उन्मुख अनुसंधान और समाधानों को प्राप्त करने के लिए आधुनिक उपकरणों को अपनाकर शिक्षा प्रणाली में प्रयासरत रहना।

मिशन:

1. ऑप्थेलमिक, ईएनटी और ओरो डेंटल केयर पर केंद्रित चिकित्सकीय, शल्य व अनुशस्त्र प्रबंधन के क्षेत्रों में अत्यंत सक्षमता के साथ सर्वोत्तम संभव रोगी देखभाल प्रदान करना।
2. स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर के साथ-साथ संकायों और चिकित्सकों के लिए ज्ञान प्रसार कार्यक्रम।
3. नेत्र व ईएनटी से संबंधित एलर्जीक, डीजेनेरेटिव विकार, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और एंडोक्राइन विकारों के लिए आयुर्वेदिक दृष्टिकोण को स्थापित करना, जिसमें मुख व दंत विकारों के प्रबंधन के साथ मौखिक स्वच्छता की देखभाल भी शामिल है।

शालाक्य तंत्र विभाग में काम करने वाले संकाय:

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ का नाम	पद	योग्यता
1.	प्रो. डॉ. मंजूषा राजगोपाल	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	एमडी (आयु.), पीएच.डी.
2.	डॉ. नारायण बावलत्ती	सहायक प्राध्यापक	एमडी (आयु.), पीएच.डी.
3.	डॉ. पंकज कुंडल	सहायक प्राध्यापक	एमडी (आयु.)

❖ **शैक्षणिक गतिविधियाँ**

1	स्नातकोत्तर छात्र	10
2	स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित थ्योरी कक्षाएं	तय कार्यक्रमानुसार
3	रोगविषयक/व्यावहारिक निरूपण	तय कार्यक्रमानुसार
4	आईएसएसएन संख्या के साथ शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र	08
5	विभाग के संकाय द्वारा अतिथि व्याख्यान एवं प्रस्तुत पत्र	10

अन्य गतिविधियां:

प्रोफेसर डॉ. मंजूषा राजगोपाल

- एआईआईए के मेडिकल बोर्ड के सदस्य।
- सीसीआईएम कार्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली में 15-16 जून, 2017 को विषय विशेषज्ञ के रूप में शालाक्य तंत्र के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की दो दिवसीय समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- 29 जुलाई, 2017 को सीसीआईएम कार्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली में विषय विशेषज्ञ के रूप में शालाक्य तंत्र के पीजी पाठ्यक्रम की दो दिवसीय समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- संस्थान के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों से संबंधित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष और सदस्य।
- अनुक्रमित पत्रिकाओं में 6 लेख प्रकाशित।
- राष्ट्रीय सम्मेलनों और राज्य स्तरीय सम्मेलनों में विभिन्न अतिथि व्याख्यान दिए।

डॉ. पंकज कुंडल

- "अर्म के प्रबंधन में चंद्रोदय व्रती की प्रभावकारिता पर एक पायलट अध्ययन" पर लेख प्रकाशित

(अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेदिक मेडिकल जर्नल आईएसएसएन संख्या 2320 5091 खंड 6, अंक 1 जनवरी, 2018)

- आयोजक सचिव के पद पर कार्यरत रहते हुए 22.1.2018 से 26.1.2018 तक खेल सप्ताह का आयोजन ।

सम्मेलन में स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने 15 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

डॉ. नीरज दुबे

क्रमांक	**कार्यक्रम**	**दिनांक**	**गतिविधि**	**पुरस्कार**	**स्थान**
1	हिन्दी पखवाड़ा	14-29 अक्तूबर 2017	वाद विवाद	सांत्वना पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार
2	हिन्दी पखवाड़ा	14-29 अक्टूबर	निबंध लेखन	सांत्वना पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार
3	स्वच्छता पखवाड़ा	15 सितंबर-2nd अक्टूबर 2017	“बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट”	प्रथम पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार

			प्रतियोगिता		
4	खेल सप्ताह	22nd -26th जनवरी 2018	टीटी युगल	प्रथम पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार
5	खेल सप्ताह	22nd -26th जनवरी 2017	वालीबाल	प्रथम पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार
7	कैंसर जागरूकता सप्ताह	3rd -9th फरवरी 2018	वैज्ञानिक लेखन	तृतीय पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार
8	डेवेलोपमेंट ऑफ एसओपी इन प्रिकोंसेप्शनल एंड प्रिनेटल केयर थ्रु आयुर्वेद”	19th -20th फरवरी, 2018	पोस्टर प्रस्तुति	तृतीय पुरस्कार	एआईआईए, सरिता विहार

शल्य तंत्र विभाग

प्रस्तावना:

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना से लेकर शल्य तंत्र विभाग सर्जिकल स्कूल और विशेषता के रूप में कार्य कर रहा है। उन रोगियों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिन्हें तृतीयक स्तर पर सर्जिकल और पैरा-सर्जिकल सेवाओं (क्षारकर्म, अग्निकर्मा, रक्तमोक्ष) की आवश्यकता होती है। विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित ओपीडी, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर है। इस विभाग की सबसे सराहनीय क्षारकर्म इकाई दिल्ली और आसपास के राज्यों में लोकप्रियता हासिल कर रही है। विभाग पीजी स्तर पर गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान कर रहा है, जो कि अंतःविषय समझ के ज्ञान यानी आधुनिक विज्ञान और रोगी-उन्मुख अनुसंधानों के एकीकरण का मिश्रण है।

विभागीय दृष्टि:

- छात्रों को शल्य सामान्य (सामान्य शल्य चिकित्सा), क्षार एवं अनुशस्त्रकर्म, अस्थिसंधि मर्मज्ञ रोग (हड्डी और जोड़ों की चोट) आदि के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना।
- शल्य तंत्र के क्षेत्र में इष्टतम कौशल प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता और मूल्य आधारित शिक्षा पर जोर देना।
- समस्या-उन्मुख अंवेषणों और समाधानों को सामने लाने के लिए आधुनिक साधनों को अपनाकर शिक्षा प्रणाली में प्रयास करना।

विभागीय लक्ष्य:

- शल्य और अनुशल्य प्रबंधन के क्षेत्रों में अत्यंत सक्षमता के साथ सर्वोत्तम संभव रोगी देखभाल प्रदान करना खासकर एनो रेक्तल तथा हड्डी- जोड़ों की व्याधियां।
- पीजी, पीएच.डी. स्तर के साथ ही संकायों और चिकित्सकों के लिए ज्ञान प्रसार कार्यक्रम।
- दर्द और संक्रमण जैसी शल्य पश्चात समस्याओं को दूर करने के लिए रोगी के अनुकूल समाधानों में योगदान करने के लिए अनुसंधान गतिविधियों को शामिल करना।
- ऑटोइम्यून विकारों जैसेकि रुमेटॉयड आर्थ्राइटिस, एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस, अल्सरेटिव कोलाइटिस आदि के लिए औशधिमुक्त रोगी देखभाल सेवाओं के दृष्टिकोण को स्थापित करना।

शल्य तंत्र विभाग में काम करने वाले अध्यापक :

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ का नाम	पदनाम	योग्यता
1.	प्रो. (डॉ.) एस के गुप्ता	प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष	एम.एस. (आयु.), पीएच.डी. (आयु.)
2.	डॉ. व्यासदेव महंता	सह प्रोफेसर	एम.एस. (आयु.), पीएच.डी. (आयु.) बीएलएस, एसीएलएस, ईसीजी (एएचए)
3.	डॉ. राहुल शेरखाने	सहायक प्रोफेसर	एम.एस. (आयु.), पीएच.डी. (आयु.)

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1	स्नातकोत्तर छात्र	12
2	एमएस (आयु.) के लिए आयोजित सिद्धान्तिक/प्रायोगिक कक्षाएं	363
3	विभागीय सेमिनार आयोजित किए गए	10
4	शोध पत्र में प्रकाशित पेपर	06
5	अतिथि व्याख्यान एवं पेपर प्रस्तुत किए	17
6	सेमिनार/कार्यशाला में संकाय और छात्रों ने भाग लिया	40

स्वस्थवृत्त विभाग

परिचय:

विभागीय दृष्टिकोण:

- आयुर्वेद का एक उत्कृष्ट केंद्र बनाना जहाँ रोग निवारक व स्वास्थ्य प्रवर्धन देखभाल और मानवता के लाभ के लिए आयुर्वेद के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए उच्चतम मानक निर्धारित करना।"

मिशन

- स्वस्थवृत्त में स्नातकोत्तर और पोस्ट-डॉक्टरल शिक्षा के लिए मानक स्थापित करना।
- आयुर्वेद के रोग निवारक और स्वास्थ्य प्रवर्धन संकल्पना को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाना।
- अंतःविषय अनुसंधान को आधुनिक उपकरणों और टेक्नोलॉजी का उपयोग करके आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान को मान्यता दिलाना।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

क्र. सं.	शिक्षण स्टाफ नाम	पद	योग्यता
1.	डॉ. मंगलागौरी वी राव	एसोसिएट प्रोफेसर	एमडी (आयु), पीएचडी
2.	डॉ. शिवकुमार एस हर्ति	असिस्टेंट प्रोफेसर एमडी (आयु), पीएचडी	एमडी (आयु), पीएचडी
3.	सुश्री ज्योति अरोरा	डाइटिशियन	
4.	डॉ. नम्रता	योग प्रशिक्षक	

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1.	एमडी (आयु) छात्र	6
2.	एमडी (आयु) के लिए आयोजित कक्षाएं	140
3.	नैदानिक/व्यावहारिक प्रदर्शन	160
4.	अतिथि व्याख्यान एवं पेपर प्रस्तुति	12

नैदानिक प्रशिक्षण:

लाइफस्टाइल क्लिनिक के रूप में विभाग की अपनी ओपीडी है, जो सप्ताह में 6 दिन कार्यरत है। रोगियों और स्वस्थ व्यक्तियों के लिए आहार और जीवनशैली सम्बंधित परामर्श विशेषज्ञ/चिकित्सक द्वारा किया जाता है। विभाग में पथ्य आहार यूनिट भी है, जहाँ अस्पताल कैंटीन से रोगियों को चिकित्सीय आहार दिया जाता है। योग हॉल भी इस विभाग से जुड़ी एक और इकाई है, जहाँ अस्पताल के

रोगियों को चिकित्सीय योग मार्गदर्शन दिया जाता है। विभाग द्वारा स्वस्थ व्यक्तियों के लिए योग कक्षाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

अतिथि व्याख्यान:

डॉ. मंगलागौरी वी राव:

1. "साइंस ऑफ़ ट्रेडिशनल कुकिंग", 25 फरवरी, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल फूड समिट।
2. "एविडन्स बेस्ड स्टडी ऑन एन्सिएंट फ़ूड": यव (Hordium Vulgare L)", ओज फेस्टिवल 2017, भारत का आयुर्वेद और योग का प्रीमियर समारोह, नई दिल्ली में 6 से 7 मई, 2017।
3. 5 सितंबर, 2017 को यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा संचालित 107 वां ओरिएंटेशन प्रोग्राम, "हेल्थ के लिए आयुर्वेद और योग"।
4. 10 अक्टूबर, 2017 को यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 9 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2017 तक 108 वें ओरिएंटेशन प्रोग्राम, "आयुर्वेद और योग"।
5. 24 अक्टूबर, 2017 को यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा 9 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2017 तक दूसरा रीफ्रेशर कोर्स, "महिला स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद और योग"।
6. "आयुष में राष्ट्रीय अभियान", 9 दिसंबर, 2017 को गुजरात के आनंद में जीजे पटेल आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित स्वस्थवृत्त में सीएमई।
7. "राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017" गुजरात के आनंद में जीजे पटेल आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित स्वस्थवृत्त में सीएमई, 9 दिसम्बर, 2017
8. आयुर्वेदिक आहार योजना और जीवनशैली में आहार कल्पना डायबिटीज मेलिटस के विशेष संदर्भ में 16 - से 18 फरवरी 2018 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संसथान में आहार पर इंडो यूरोपीय कार्यशाला।
9. एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, नई दिल्ली में 19 मार्च 2018 को योग सप्ताह के अवसर पर "योग - द वे ऑफ़ लाइफ फॉर हेल्थ एंड वेलनेस", पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डॉ. शिव कुमार हर्ति

10. के एल ई कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बेलगाम द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "प्रगति"- 23-24 दिसम्बर, 2017 में "प्रिवेंशन ऑफ नोन कम्युनिकेबल डीसीस" पर व्याख्यान।
11. डॉ. शिव कुमार हर्ति, "कुलिनरी प्रैक्टिसेज इन आयुर्वेद" 16 से 18 फरवरी 2018 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संसथान में आहार पर इंडो यूरोपीय कार्यशाला

सुश्री ज्योति अरोड़ा:

12. "आयुर्वेद कॉम्पलिमेंट टू मॉडर्न डीटेटिट्स 16 से 18 फरवरी, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संसथान में आहार पर इंडो यूरोपीय कार्यशाला

पेपर प्रस्तुति / पोस्टर प्रस्तुति:
सेमिनार /कार्यशाला / सम्मेलनों में मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतियाँ

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान अलग-अलग कार्यक्रमों में विभागीय छात्रों द्वारा 13 से अधिक पत्र प्रस्तुत किए गए।

1. आईएट्रोजेनिक संक्रमण की रोकथाम के लिए रक्त मोक्षण के दौरान सावधानियाँ, ए एंड यू तिब्बिया कॉलेज एंड अस्पताल, एनसीटी, नई दिल्ली 29 अप्रैल 2017 को गवर्नमेंट द्वारा आयोजित रक्तमोक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला। – डॉ. मंगलागौरी वी राव
2. मनसप्रकृति प्रदर्शन में चुनौतियां 4 :फरवरी 2018 को आयुष और प्राकृतिक उत्पाद की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए चुनौतियों पर एक प्रैक्टिकल दृष्टिकोण, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन -डॉ. मंगलागौरी वी राव

बेस्ट पेपर अवार्ड

1. डॉ. मुक्ता " स्लीप एंड वेकिंग टाइमिंग इन डिफरेंट कोहर्ट्स) उम्र के आधार पर (क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन", इंटरनेशनल सेमिनार प्रगति 23 से 24 दिसंबर2017 , KLE कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बेलगुम में आयोजित
2. डॉ.प्रीति तोमर," रोल ऑफ़ आयुर्वेद इन पब्लिक हेल्थ इन कॉस्ट इफेक्टिव हेल्थ केयर एंड एनहान्स द कम्युनिटी पार्टिसिपेशन" 5 जनवरी 2018 को अखिल भारतीय आयुर्वेद संसथान, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय भारत-अमेरिका कार्यशाला।
3. प्रज्ञा परमिता पांडा, "सेल्फ रेकोडेड स्वस्थ्य असेसमेंट स्केल, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रगति 23 - वीं 24 - दिसंबर, 2017, के एल ई कॉलेज ऑफ आयुर्वेद, बेलगुम में आयोजित।
4. डॉ. मुक्ता, तृतीय पुरस्कार, हिमालय ड्रग कंपनी द्वारा आयोजित पीजी स्कॉलर्स के लिए, मंथन, कॉलेज स्तर की प्रतियोगिता।

ऑनगोइंग रिसर्च प्रोजेक्ट्स

क्र.सं.	शीर्षक	एजेंसी	पीरियड	ग्रांट/राशि जुटाई गई (लाख में)
1	डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ़ प्रकृति असेसमेंट कुएस्तिओनेर्रे	केंद्रीय अनुसंधान परिषद आयुर्वेद विज्ञान	17-2016	5,86,000/-

डॉ. शिव कुमार हर्ति समन्वित हैकाथॉन, 2017; मानव संसाधन विकास मंत्रालय / आयुष मंत्रालय। एपीपी द्वारा औषधीय पौधे की पहचान के लिए आवेदन, दवाओं के आयुष प्रणालियों के प्रचार के लिए खेल, अनुदान आवेदनों के प्रस्तुत करने और वास्तविक समय पर नज़र रखने के लिए ऑनलाइन पोर्टल और आईएसआई मानकों में प्राचीन आयुर्वेद मापों के रूपांतरण इस परियोजना में सूचीबद्ध परियोजनाएं हैं।

विशिष्ट आयोजन

- आयुर्वेद के माध्यम से प्रीकैंसेप्शनल और प्रसव पूर्व देखभाल (प्रीनेटल केयर) में एसओपी का विकास
- सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन के मोर्चे पर आयुर्वेद पर इंडो-यूएस संयुक्त कार्यशाला
- मेडिकल हर्ब्स और चिकित्सीय आहार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला
- एएसयू एवं एच ड्रग रेगुलेटर, इंडस्ट्री पर्सोनेल एवं अदर स्टेकहोल्डर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह
  - अन्नपूर्णा प्रतियोगिता
  - महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
- एएसयू एवं एच ड्रग्स के समन्वयक के लिए फार्माकोविजिलेंस पर इंडक्शन प्रोग्राम

मेडिकल हर्ब्स (औषधीय जड़ी बूटियों) और चिकित्सीय आहार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

यूरोपियन एकेडमी ऑफ आयुर्वेद, जर्मनी के प्रशिक्षुओं के लिए (17-20 फरवरी, 2018) द्रव्यगुण विभाग द्वारा औषधीय जड़ी-बूटियों और चिकित्सीय आहार पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

17 से 20 फरवरी, 2018 के दौरान अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में औषधीय जड़ी बूटियों और चिकित्सीय आहार पर चिकित्सकों और साथ ही यूरोपीय आयुर्वेद अकादमी के चिकित्सा संकायों (प्राध्यापकों) के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में जर्मनी, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड आदि सहित यूरोपीय संघ के विभिन्न देशों के 14 सदस्यों ने भाग लिया। श्रीमती क्रिस्टन रोसेनबर्ग भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित थीं।

प्रशिक्षण देने के अलावा, इसमें आयुर्वेद में पाक विज्ञान पर विशेष व्याख्यान दिए गए, आयुर्वेदिक आहार योजना और मधुमेह के रोगियों के लिए जीवनशैली में आहार का महत्व, श्वसन संबंधी रोग, बाल चिकित्सा आहार संबंधी व्यवधान, रजोनिवृत्ति की आयु में विशेष आहार, आयुर्वेदिक डोसेज़ फोर्मस और प्रबंधन के लिए व्यंजनों और नॉन कम्यूनिकेबल रोगों की रोकथाम आदि को भी संचालित किया गया।

अगले वर्ष के लिये भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है। आयुर्वेद मानदण्डों के आधार पर यूरोपीय जड़ी-बूटियों की प्रभावकारिता की खोज के लिए एक शोध परियोजना की योजना बनाई जा रही है।

उद्घाटन समारोह

आयुर्वेदिक स्वस्थ व्यंजनों का प्रदर्शन

विदाई समारोह की अध्यक्षता श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय द्वारा

संकाय सदस्यों और प्रशिक्षुओं के साथ समूहिक तस्वीर

आयुर्वेद के माध्यम से गर्भधारण देखभाल और प्रसव पूर्व देखभाल में एसओपी का विकास

19 और 20 फरवरी 2018 को प्रसूतितंत्र विभाग- स्त्री-रोग एआईआईए, सरिता विहार ने “आयुर्वेद के माध्यम से गर्भधारण और प्रसव पूर्व देखभाल में उन्नत संचालन प्रक्रिया का विकास” विषय पर दो दिनों की कार्यशाला आयोजित की।

इस कार्यशाला का उद्देश्य उन्नत, व्यवस्थित, वैज्ञानिक और व्यावहारिक प्रोटोकॉल बनाना था जो कि गर्भधारण और जन्मपूर्व देखभाल में एक मील का पत्थर साबित होगा।

वर्तमान परिदृश्य में, आयुर्वेद के क्षेत्र में चिकित्सकों के कार्यों में एकरूपता नहीं है और पूरे देश में विभिन्न नियमों का पालन किया जा रहा है। इसके अलावा, पारंपरिक पाठ्यक्रम और संहिताओं में सामग्री और संदर्भ भी काफी अव्यवस्थित हैं। इस प्रकार यह कार्यशाला चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए एक तैयार दस्तावेज भी प्रदान करेगी, जिससे भविष्य में अनुसंधान के लिए नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

उपरोक्त उद्देश्य को पूरा करने और इस आयुर्वेद क्षेत्र में योगदान के साथ-साथ विशेषज्ञता पर विचार करने के लिए, आयुर्वेद के पंद्रह प्रख्यात प्रसूतिविदों को संसाधन व्यक्तियों (रिसोर्स पर्सन) के तौर पर पूरे भारत से आमंत्रित किया गया था। इनमें प्रतिष्ठित संस्थानों के एचओडी, अनुभवी चिकित्सक से लेकर सेवानिवृत्त प्रोफेसर भी शामिल थे। अतिथियों के सम्मान के साथ 19 फरवरी को 9.30 बजे कार्यशाला के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, के साथ मुख्य अतिथि डॉ. मनोज नेसारी, आयुष मंत्रालय में सलाहकार, माननीय निदेशक एआईआईए, प्रो. डॉ. तनुजा नेसारी, और संकाय अध्यक्ष प्रो. डॉ. पी. के. प्रजापति, विषय विशेषज्ञ, और पी.जी. छात्र एआईआईए आमंत्रित थे।

उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई और भगवान धनवंतरी की कृपा/आशीर्वाद प्राप्ति के लिये वंदना की गई, इसके बाद प्रोफेसर डॉ. सुजाता कदम द्वारा कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया गया और निदेशक मैडम प्रो. डॉ. तनुजा नेसारी ने सभी अतिथि और संकाय सदस्यों का स्वागत किया गया। उद्घाटन भाषण में डॉ. मनोज नेसारी (सलाहकार, आयुष) ने इस तरह के प्रोटोकॉल के महत्व और आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि सम्मानीय अतिथि श्री आर.एन. रंजीत कुमार ने इस विशिष्ट कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों की शुरुआत डॉ. गुगलेसुप्रिया के अतिथि व्याख्यान द्वारा गर्भसंस्कार के वैज्ञानिक दृष्टिकोण से हुई।

उत्कृष्ट चर्चा और कार्य को अंतिम रूप देने के लिए तीन ग्रुप बनाए गए, और निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रोटोकॉल डिज़ाइन किया गया है-

1. ग्रुप 1 - पूर्व-सावधानी -इस अवधि में सभी स्थानों पर पंचकर्म , परीक्षा, जांच, आहार और रहन-सहन की सलाह दी जाती है।
2. ग्रुप II - पहली और दूसरी तिमाही-, परीक्षा, जाँच, मासिक नियमित दवा, पथ्यपथ्य, योगासन, पंचकर्म, टीकाकरण और त्रैमासिक आधार पर व्याधि उपचार।
3. ग्रुप III - तीसरी तिमाही, परीक्षा, जांच, मासिक नियमित दवा, पथ्यपथ्य, योगासन, पंचकर्म, टीकाकरण और त्रैमासिक आधार पर व्याधि उपचार।

व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान और चर्चा कडे परिश्रम के साथ किया गया और दिन-रात कार्य के अथक प्रयासों के बाद ड्राफ्ट प्रोटोकॉल तैयार किया गया था।

इस विषय पर सभी नए विचारों को शामिल करने के लिए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के विभिन्न विभागों के पीजी स्कॉलर्स के लिए पोस्टर सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और गर्भधारण देखभाल तथा जन्मपूर्व देखभाल के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टर चुनने के लिए प्रख्यात चयनकर्ताओं को निर्धारित किया गया था।

दूसरे दिन के तकनीकी सत्र के बाद प्रो. डॉ. ईना शर्मा द्वारा अनेक अनुसंधान और आयुर्वेद के माध्यम से गर्भधारण देखभाल और प्रसव पूर्व देखभाल के क्षेत्रों पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया। एसओपी का जो प्रारूप तैयार किया गया था, वह सभी रिसोर्स पर्सन्स के समक्ष प्रस्तुत किया गया और चर्चा की गई। सुझाए गए परिवर्तनों को नोट करके, कार्यान्वित किया गया और तीनों समूहों को संयोजित कर अंतिम मसौदा तैयार किया गया।

20 फरवरी की शाम को विदाई समारोह का आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता माननीय प्रो. डॉ. तनुजा नेसारी, निदेशक एआईआईए ने की। रिसोर्स पर्सन (संसाधन व्यक्तियों) को निदेशक (एआईआईए) द्वारा एक स्मृति-चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, इसके बाद विभिन्न समिति के सदस्यों और पोस्टर सत्र के विजेताओं को सम्मानित किया गया। माननीय निदेशक ने अपने सराहना भरे शब्दों के साथ सत्र को संबोधित किया और पूरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। आयोजन सचिव प्रो. डॉ. सुजाता कदम द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया और समारोह का समापन राष्ट्रीय-गान के साथ किया गया।.

उद्घाटन समारोह

पोस्टर प्रतियोगिता का उद्घाटन

वैज्ञानिक समूह की कार्यवाही

पोस्टर प्रतियोगिता को देखते हुए (अवलोकन करते हुए)

इंडो-यूएस संयुक्त कार्यशाला
“आयुर्वेद ऑन फ्रन्टीयर्स ऑफ मैंनेजिंग पब्लिक हेल्थ”

5 जनवरी, 2018 को सरिता विहार, नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में इंडो-यूएस संयुक्त कार्यशाला “आयुर्वेद ऑन फ्रन्टीयर्स ऑफ मैंनेजिंग पब्लिक हेल्थ” का आयोजन किया गया। केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी, क्लीवलैंड, ओएच 44106, संयुक्त राज्य अमेरिका के 20 छात्रों और प्रोफेसरों की एक टीम ने और एआईआईए के संकाय और छात्रों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, चिकित्सा, सामाजिक कार्य और प्रबंधन की कार्यशाला में भाग लिया।

एआईआईए के निदेशक (प्रभारी) श्री पी.के. प्रजापति ने सभा का अभिवादन किया और कार्यक्रम का उद्घाटन वैद्य राजेश कोटेचा, माननीय सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। वैद्य मनोज नेसारी, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने “ऑपर्चुनिटीज़ एंड चेलेंजेस ऑफ मेंएजिंग पब्लिक हेल्थ बाय आयुर्वेद” पर विस्तृत व्याख्यान दिया। मंडल स्कूल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंसेज, केस वेस्टर्न रिजर्व यूनिवर्सिटी के प्रो. अध्यक्ष शेरोन मिलिगन, ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रबंधन में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया और प्रो. तेज के. पारीख, सीनियर रेज. विज्ञान बाल रोग, केस स्कूल ऑफ मेडिसिन, प्रो. मंण्डल, स्कूल ऑफ एप्लाइड सोशल साइंसेज ने भारत और अमेरिका के परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर आधारित व्याख्यान दिया।

कार्यशाला की विषयवस्तु पर कुल 3 प्रस्तुतियां दी गई। पहली प्रस्तुति डॉ. रविंदर सिंह, प्रभारी-निदेशक, पीसीआईएम एंड एच, गाजियाबाद, उत्तर-प्रदेश ने विषय आयुर्वेद प्रणाली में औषधियों के मानकों का अवलोकन; पर दी; इसके बाद डॉ. प्रमोद यादव, सह-प्राध्यापक, एआईआईए ने आयुर्वेद में सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियाँ और उनके बाद डॉ. शिवकुमार हर्ति, सह-प्राध्यापक ने अच्छे स्वास्थ्य के प्रबंधन में खाद्य और पोषण की प्रासंगिकता प्रस्तुत की। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों के साथ चर्चा की गई।

एआईआईए के स्नातकोत्तर विद्वानों ने एक पोस्टर प्रस्तुति सत्र का आयोजन किया था, जिसमें 20 से अधिक अध्येताओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं पर बेहद आकर्षक पोस्टर के साथ भाग लिया, जिसकी सभी ने सराहना की। तथा समूह ने दोपहर के भोजनावकाश बाद एआईआईए हास्पीटल की व्यवस्था, सुविधाओं को देखा और प्रस्थान किया। डा. राजगोपाल एस और डा. ग़ालिब सहायक प्राध्यापक एआईआईए ने कार्यक्रम को समन्वित किया।

कार्यशाला में प्रतिनिधियों का परिचय

वैद्य मनोज नेसरी सलाहकार (आयुष), आयुष मंत्रालय द्वारा संबोधन

संकाय (प्राध्यापक) सदस्यों द्वारा प्रस्तुति

पीजी अध्येताओं द्वारा पोस्टर प्रस्तुति

एएसयू एवं एच ड्रग रेगुलेटर, इंडस्ट्री पर्सोनेल एवं अदर स्टेकहोल्डर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता आवश्यक पहलू हैं और ड्रग विनिर्माण एजेंसियों के लिए समान रूप से लागू हैं। दवा निर्माण से जुड़े कर्मियों को विनियामक प्रावधानों की दिशा में होने वाले विकास की अद्यतन जानकारी रखने की आवश्यकता है। इसे देखते हुए; आयुष मंत्रालय ने व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए और पूरे देश में इस तरह के छह आयोजन जनवरी से मार्च, 2018 के बीच किए गए। नई दिल्ली में यह आयोजन 22-23 फरवरी, 2018 के दौरान आयोजित किया गया।

राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और दिल्ली राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों से ड्रग लाइसेंसिंग अधिकारियों, ड्रग इंस्पेक्टरों, एएसयू एंड एच ड्रग मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, स्टेट एएसयू एंड एच फार्मासिस्ट, स्टेट ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और स्टेट आयुष इंड्रस्ट्री क्लस्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 38 प्रतिभागी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

यह आयोजन एएसयू एंड एच दवाओं के लिए विनियामक प्रावधानों पर प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, ड्रग विनियामक पहलुओं में हाल के संशोधनों की अद्यतन जानकारी देना, निर्माताओं और विनियामकों द्वारा सामना किए जा रहे प्रवर्तन मुद्दों को साझा करना और नियमों को लागू करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में चर्चा करना। केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश और निर्देश, गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियाँ, आपत्तिजनक विज्ञापन एएसयू एंड एच ड्रग्स-हाल के विनियामक संशोधन, गुणवत्ता प्रमाणन मुद्दे और उनके लाइसेंस आदि से संबंधित अन्य क्षेत्रों सहित अन्य पहलुओं पर भी दो दिन के कार्यक्रम में चर्चा की गई।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया और ग्राउंड लेवल पर व्यावहारिक कठिनाइयों को समझने में मदद की और सभी मुद्दों को दूर करने के लिए एक रोड मैप तैयार किया, जिससे विज्ञान और समाज को लाभ पहुंचाते हुए भारत सरकार के राजपत्रों को संशोधित करने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

डॉ. डीसी कटोच, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय; डॉ. रविंदर सिंह, पीसीआईएम और डॉ. प्रदीप दुआ, आयुष मंत्रालय के अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने इस आयोजन में विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

परिकल्पना: श्री पी एन रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय
संगठन और निर्देशन: प्रो तनुजा नेसरी, निदेशक, एआईआईए
समन्वयक: डॉ. मीरा भोजणी, सहायक प्रोफेसर, एआईआईए और सुश्री ज्योति अरोड़ा-मुख्य आहार विशेषज्ञ, एआईआईए

परिचय:

दुनिया भर में हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कई महत्वपूर्ण बातें हैं - उत्सव का कारण, ठहराव और पुनर्मूल्यांकन का एक कारण, एक स्मरण, एक प्रेरणा, प्यार और प्रशंसा योग्य लोगों को सम्मानित करने का अवसर। यह दिन महिलाओं की ऊर्जा और समानता को प्रेरित करने और उन्हें जोड़ने का एक अनूठा और वैश्विक अवसर प्रदान करता है। इस आदर्श के साथ, आयुष मंत्रालय ने 8 मार्च 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली में "महिला सशक्तिकरण" मनाने की परिकल्पना की।

.

उद्देश्य:

उद्देश्य था नारीशक्ति को सेलिब्रेट करना, उसे सशक्त बनाना, आयुर्वेदिक और मेडिकल बिरादरी और पूरे समाज में महिलाओं की अदम्य भावना को श्रद्धांजलि देना इसका उद्देश्य था।
उपरोक्त उद्देश्यों के मद्देनजर, निम्नलिखित घटनाओं की योजना बनाई गई:

1. अन्नपूर्णा प्रतियोगिता
2. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

कार्यक्रम 1: अन्नपूर्णा प्रतियोगिता

अन्नपूर्णा प्रतियोगिता में व्यंजनों के प्रदर्शन को शामिल करने की योजना दो विषयों के तहत बनाई गई थी:

- हर्बल चाय
- पारंपरिक स्वस्थ भारतीय व्यंजन

अन्नपूर्णा प्रतियोगिता का उद्देश्य विभिन्न पारंपरिक खाद्य प्रथाओं में स्वस्थ, स्थायी विकल्प और पारिस्थितिक तंत्र की पोषण सुरक्षा को पुनर्जीवित करना था और साथ ही साथ अपने महान स्वाद, औषधीय गुणों और चिकित्सीय गुणों के लिए हर्बल चाय को बढ़ावा देना था जिसके पीने से पूरे स्वास्थ्य सिस्टम में सुधार हो पाए।

आयुष मंत्रालय, सीसीआरएएस, सीसीआईएम, सीजीएचएस, एमसीडी, ईएसआई, अन्य कॉलेजों ए एंड यू टिबिया कॉलेज, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद कॉलेज, एनएएसवायए, निरोग स्ट्रीट आदि विभिन्न संगठनों के माध्यम से स्वास्थ्य बिरादरी के बीच अन्नपूर्णा प्रतियोगिता के लिए ब्रोशर प्रसारित किया गया था।

राजस्थानी, हरियाणवी से लेकर दक्षिण भारतीय व्यंजनों तक विविध पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों में औषधीय गुणों के साथ-साथ इलायप्प्म, बाजरे की खिचड़ी, काली गाजर कांजी, रागी छाछ, वात, पित्त और कफ शामक चाय, शत-ओकिस चाय आदि के बारे में जानकारी मिली। कुल प्रविष्टियों में से 27 को व्यंजनों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित तथा चयनित किया गया था।

कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार है:

स्थान: छठी मंजिल, योग हॉल, शैक्षणिक ब्लॉक, एआईआईए

निर्णायक: डॉ. कृष्ण दलाल, अनुसंधान सलाहकार, एआईआईए
प्रो. सुजाता कदम, विभागाक्ष्य, विभाग स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र, एआईआईए
प्रो. मंजुशा एस. राजगोपाल, विभागाक्ष्य, विभाग शालक्य तंत्र, एआईआईए
डॉ. अलका मोहन, मुख्य आहार विशेषज्ञ, एम्स

कुल प्रतिभागी: 27

कार्यक्रम 2: महिला रोजगार कार्यक्रम

यह कार्यक्रम निदेशक, प्रो. तनुजा नेसरी द्वारा अतिथियों का स्वागत करने के साथ शुरू हुआ, जिन्होंने स्वागत भाषण और समारोह की पृष्ठभूमि दी। इस कार्यक्रम के लिए, विभिन्न क्षेत्रों के 3 प्रतिष्ठित मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। डॉ. अलका मोहन, मुख्य आहार विशेषज्ञ, एम्स, नई दिल्ली ने स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण पहलू के बारे में विशिष्टता प्राप्त हैं। उन्होंने जीवन के विभिन्न चरणों में महिलाओं के पोषण की भूमिका दी। श्रीमती अनुराधा प्रसाद, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, न्यूज़ 24 चैनल, जिन्होंने महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा पर एक सशक्त बात की। मौके पर डॉ. के.एस. सेठी (होम्योपैथी) ने जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए फिटनेस की भूमिका पर विचारों को साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान, अन्नपूर्णा प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और प्रत्येक श्रेणी यानी हर्बल चाय और पारंपरिक स्वस्थ भारतीय व्यंजनों को बनाने की विधि में 3 पुरस्कार (1, 2 और 3) वितरित किए गए।

हर्बल टी कैटिगरी में पुरस्कारें	**पारंपरिक व्यंजन विधि कैटिगरी में पुरस्कारें**
1. प्रथम पुरस्कार- डॉ. सीमा गुप्ता द्वारा 'खर्जुरादि पनाक' 2. द्वितीय पुरस्कार- डॉ. लतिका, डॉ. नीलम और डॉ. पूनम द्वारा 'वात, पित्त, कफ शामक चाय' 3. तृतीय पुरस्कार- डॉ. प्रतीज्ञा चौहान द्वारा 'शत-ओकिस चाय'	1. प्रथम पुरस्कार - सिधु राजेश द्वारा 'ईलायप्प्म' 2. द्वितीय पुरस्कार- सुश्री मोनिका रानी द्वारा 'शकरकंद के हलवे के साथ अलसी के लड्डू' 3. तृतीय पुरस्कार- डॉ. प्रीति छाबड़ा द्वारा 'तिरंगा चिल्ला'

इसके बाद न्यायाधीशों के पैनल का सम्मान किया गया, जिसमें प्रसिद्ध अतिथियों का स्वागत और सभा में उपस्थित प्रत्येक महिला का सत्कार शामिल है। कार्यक्रम का समापन वोट ऑफ़ थैंक्स और नेशनल एंथम के साथ हुआ।

गणमान्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया

अतिथियों का स्वागत

अन्नपूर्णा प्रतियोगिता एवं निर्णय

पुरस्कार वितरण

एएसयू एंड एच ड्रग्स को-ऑर्डिनेटर्स के लिए फार्माकोविजिलेंस पर इंडक्शन प्रोग्राम

दुनिया भर में रोगी सुरक्षा में सुधार अपनी रफ्तार पकड़ रही है। चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों पर वर्तमान चिंताओं को देखते हुए एएसयू एंड एच ड्रग्स के लिए अनपेक्षित प्रतिक्रियाओं की सुरक्षा निगरानी या दस्तावेज़ीकरण की एक प्रणाली की आवश्यकता है। फार्माकोविजिलेंस विज्ञान है जो रोगियों को दवा से संबंधित नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए समर्पित है। भारत में राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में एएसयू एंड एच ड्रग्स के लिए प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली ने केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत एएसयू एंड एच ड्रग्स के लिए फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम शुरू किया है।

इस कार्यक्रम के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली को राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस समन्वय केंद्र (एनपीवीसीसी) के रूप में नामित किया गया है। प्रतिक्रियाशील राष्ट्रीय संस्थानों को सिस्टम-वार इंटरमीडिएरी फार्माकोविजिलेंस सेंटर के रूप में और लगभग 42 संभावित संस्थानों/अनुसंधान केंद्रों को पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर के रूप में भी चिन्हित किया गया है। इस पहल में, ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एआईआईए), नई दिल्ली ने योजना के बारे में संवेदीकरण के उद्देश्य से 19 मार्च 2018 को एआईए, नई दिल्ली में समन्वयकों और परिधीय फार्माकोविजिलेंस केंद्रों के समन्वयकों के लिए फार्माकोविजिलेंस पर इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया।

एआईआईए की निदेशक डॉ. तनुजा नेसरी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और एक स्वागत नोट दिया। इसके बाद तकनीकी सत्र हुए। डॉ. डीसी कटोच, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली, प्रो. एसके मौलिक, डिपार्टमेंट ऑफ फार्माकोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली, प्रो. जीपी महंत, फार्मेसी विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, चेन्नई, डॉ. मधुर गुप्ता, डब्ल्यूएचओ देश कार्यालय, नई दिल्ली, श्री प्रमोद कुमार, भारतीय फार्माकोपियाल कमीशन, गाजियाबाद ने विभिन्न पहलुओं पर समन्वयकों को संबोधित किया।

इंडक्शन प्रोग्राम का उद्घाटन

मुख्य अतिथि का संबोधन

प्रतिभागियों के साथ समूह तस्वीर

विविध

- पाठ्येतर शैक्षणिक गतिविधियाँ
- ज्ञान संसाधन केंद्र (पुस्तकालय)
- आयुर्वेद केस रिपोर्ट की पत्रिका (AyuCaRe)
- आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस

पाठ्येतर शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. हिमालय द्वारा मंथन, 30 जून, 2017
2. हिंदी पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर, 2017
3. डॉ. आभा अग्रवाल का अतिथि व्याख्यान, 29 सितंबर, 2017
4. 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2017 तक स्वच्छता पर निबंध लेखन प्रतियोगिता।
5. पंचकर्म तकनीशियन छात्रों का दीक्षांत समारोह 2 नवंबर, 2017 को आयोजित किया गया था।
6. बैच 2017-20 के लिए शिष्योपनयन संस्कार 15 नवंबर, 2017 को आयोजित किया गया था।

एआईआईए के निदेशक और संकाय सदस्यों द्वारा धन्वंतरि यज्ञ किया गया

पीजी के नए अध्येताओं की समूह तस्वीर

7. भाषा लैब का उद्‌घाटन - 17 नवंबर, 2017 को किया गया था।
8. वैद्य बालेंदु प्रकाश द्वारा 20 दिसंबर, 2017 को रस औषधि के माध्यम से तीव्र और पुरानी अग्नाशयशोथ के उपचार पर संगोष्ठी
9. हिंदी की कार्यशाला, 22 दिसंबर, 2017
10. 08-09 जनवरी, 2018 को आरएवी द्वारा और एआईआईए में आयोजित, "संहिता आधारित क्लिनिकल परीक्षण पद्धति" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
11. 10 जनवरी, 2018 को ओषधि फार्मास्युटिकल लिमिटेड द्वारा सीएमई सह उत्पाद प्रस्तुति।
12. 17 जनवरी, 2018 को अजीत कोलातकर, संस्थापक, डायरेक्टर गैस्ट्रोलैब द्वारा गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों के लिए नॉन इनविसिव डायग्नोस्टिक में वर्तमान उपलब्धि पर सीएमई - आयुर्वेद अनुसंधान द्वारा उपरोक्त अवस्था में लाभ।
13. 26 जनवरी, 2018 को गणतंत्र दिवस मनाने के साथ खेल सप्ताह का समापन हुआ।

पीजी छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

ध्वजारोहण और सभा संबोधन

ज्ञान संसाधन केंद्र (पुस्तकालय)

परिचय:

पुस्तकालय संकाय सदस्यों, अनुसंधान अध्येताओं, कर्मचारियों और छात्रों की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह सोमवार से शुक्रवार तक पूर्वाह्न 8 बजे से अपराह्न 6 बजे और शनिवार से पूर्वाह्न 8 बजे से अपराह्न 2 बजे तक खुला रहता है। इसके अलावा राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पाठकों को सभी दिनों में इसके समृद्ध संग्रह के साथ पुस्तकें, पत्रिकाएँ, शोध और सीडी उपलब्ध हैं। यह कम्प्यूटरीकृत है और इसमें सर्कुलेशन सेक्शन, आवधिक धारा, संदर्भ अनुभाग और पुस्तक अनुभाग शामिल हैं। इंस्टिट्यूट लाइब्रेरी 3एम (आरएफआईडी) डिटेक्शन सिस्टम से लैस होने की प्रक्रिया में है और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के तहत है, जो यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि कोई पाठक लाइब्रेरी मटेरियल को चेक किए बिना नहीं ले सके। पुस्तकालय का महत्वपूर्ण घटक डीजी सेट है। उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए निर्बाध बिजली की आपूर्ति होती है। डॉ. मीरा के भोजाणी, सहायक प्रोफेसर, संहिता विभाग, पुस्तकालय के प्रभारी हैं। सुश्री राजकुमारी लाइब्रेरियन हैं और सुरक्षा के उद्देश्य से दो गार्ड्स हैं और किताबों की चोरी को रोकते हैं।

दृष्टिकोण:

हमारी दृष्टि जानकारी को भौतिक और बौद्धिक पहुंच प्रदान करके संस्था के शिक्षा और अनुसंधान कार्यक्रमों का ज्ञान और समर्थन करना है।

पुस्तकालय का समय:

केंद्रीय पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों में कार्य कर रहा है। छात्रों को लाभान्वित करने के लिए, पुस्तकालय समय को नियमित समय सारणी में शामिल किया गया है, जो उन्हें पुस्तकालय के प्रभावी उपयोग में मदद करता है।

सोमवार से शुक्रवार	**पूर्वाह्न** 8.00 **से अपराह्न** 6.00 **तक**
शनिवार	**पूर्वाह्न** 8.00 **से अपराह्न** 2.00 **तक**

अनुभाग:

- तकनीकी अनुभाग
- बुक सर्कुलेशन सेक्शन
- संदर्भ अनुभाग
- डिजिटल अनुभाग
- रिप्रोग्राफिक विभाग

सेवाएं:

- केंद्रीय पुस्तकालय, एआईआईए अनुभवी विक्रेताओं से नियमित रूप से आयुर्वेद विज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति की पुस्तकों का क्रय करता है। हमारे कर्मचारियों और छात्रों की जरूरतों को पूरी करने के लिए हर साल अधिक से अधिक मात्रा में पुस्तकों को जोड़ने का प्रयास करते हैं।
- प्रभावी शिक्षण सीखने की प्रक्रिया के लिए पुस्तकालय दुर्लभ संग्रह का एक विशेष खंड बनाए हुए है जिसे आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के क्षेत्रों में शैक्षिक सीडी और डीवीडी के साथ शामिल किया गया है।
- पुस्तकों का स्टॉक और उनकी स्थिति का सत्यापन करने के लिए केंद्रीय पुस्तकालय के साथ-साथ विभागीय पुस्तकालय में शैक्षणिक वर्ष के अंत में पुस्तकों का भौतिक सत्यापन किया जाता है।
- पत्रिकाओं और आरएफआईडी प्रणाली की स्थापना भी प्रक्रिया में है।

मूल्य वर्धित सेवाएं:

पुस्तकालय में कुछ वैल्यू एडेड सेवाओं को उसके उपयोगकर्ताओं यानी रिप्रोग्राफी सर्विस और स्कैनिंग के लिए प्रदान किया जा रहा है। यह सभी कार्य दिवसों में सभी पाठकों को इंटरनेट और ब्राउज़िंग सेवा भी प्रदान करता है।

- **रिप्रोग्राफी सेवा:** भुगतान के आधार पर पुस्तकालय सामग्री की फोटोकॉपी की जा सकती है। पुस्तकालय इस सामग्री को ए-4 आकार वाले पृष्ठ पर ब्लैक एंड वाइट छपाई में उपलब्ध कराता है।
- **स्कैनिंग:** स्कैनिंग सेवाएं भुगतान के आधार पर संस्थान के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं
- **विभागीय पुस्तकालय की स्थापना:** केंद्रीय पुस्तकालय सभी विभागों से अपनी आवश्यकताओं को प्राप्त करने के बाद अपने सूचीबद्ध विक्रेताओं से पुस्तकों की खरीद करता है और उन पुस्तकों को विभागों को प्रदान करता है। केंद्रीय पुस्तकालय अपने विभागीय पुस्तकालय को बनाए रखने में अन्य विभागों की मदद करता है।

अभिनव:

तकनीकी नवाचारों के आधार पर, एआईआईए लाइब्रेरी ने डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा पेशेवरों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न नए विचारों को पेश किया है। पुस्तकालय उन परियोजनाओं या कार्यक्रमों पर काम करता रहता है, जो अपने अंतिम उपयोगकर्ताओं तक सूचना पहुँच को बढ़ाते हैं, जो उन्हें आसानी से सूचना प्रदान करते हैं।

- आरएफआईडी: इंस्टिट्यूट लाइब्रेरी में आरएफआईडी सेल्फ-चेकआउट सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया में है जो डिटेक्शन सिस्टम के रूप में एंट्री करता है तथा यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि पुस्तकालय से ली गई सामग्री बिना जांच के नहीं ली गई है।
- सीसीटीवी: पुस्तकालय इलेक्ट्रॉनिक निगरानी में है।

संग्रह

किताबें	:	15376
सीडीज	:	300
नए पेपर्स	:	06
मैगजीन	:	08

रीडिंग सेक्शन, एआईआईए का पुस्तकालय

डिजिटल सेक्शन, एआईआईए का पुस्तकालय

आयुर्वेद केस रिपोर्ट पत्रिका (AyuCaRe)

आयुर्वेद केस रिपोर्ट (AyuCaRe) जर्नल, आयुर्वेद केस रिपोर्ट के लिए ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद द्वारा एक विशेष पत्रिका प्रकाशित की जा रही है। नैदानिक विशिष्टताओं से केस रिपोर्ट आमंत्रित कर छात्रों, शोधकर्ताओं और संबद्ध चिकित्सा विज्ञान के संकायों को इसका हिस्सा बनने के अवसर प्रदान करता है। पहल से चल रहे अनुसंधानों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है, आयुर्वेद के परिणामों और सिद्धांतों को व्यवस्थित रूप से सभी विज्ञान लोगों के लिए सप्रमाण प्रस्तुत करता है।

आयुर्वेद सहित चिकित्सा का अभ्यास अप्रत्याशित और चुनौतीपूर्ण है। व्यवहार में, कई रुग्ण कुछ नैदानिक स्थितियों के साथ आते हैं, जिनका पाठ्यपुस्तकों में उल्लेख नहीं किया है, लेकिन सामान्य रीति से प्रस्तुत किया गया है। दूसरी ओर; चिकित्सकों के पास कुछ शर्तों के लिए उत्तराधिकार भी हो सकते हैं, जहां समकालीन क्षेत्र में कोई संतोषजनक उत्तर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी सफलता प्रथाओं का प्रसार ज्ञान साझा करने का एक तरीका है जो स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को आकार देने में मदद करेगा, जिसे हम आज देखते हैं।

केस रिपोर्ट चिकित्सकों को अपने अनुभव साथियों, शोधकर्ताओं, छात्रों और अन्य इच्छुक लोगों के साथ साझा करने में मदद करते हैं। आयुर्वेद को अधिक से अधिक साक्ष्य आधारित सफलता के वर्णन की आवश्यकता है। आयुर्वेद केस रिपोर्ट (AyuCaRe) जर्नल इस पहलू पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आयुर्वेद के सभी हितधारकों के लिए एक अनूठा मंच बना रहा है। यहां आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न क्षेत्रों को एक साथ लाया जा सकता है जो चिकित्सकों, छात्रों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और अन्य लोगों को आयुर्वेद के अधिक समग्र तरीके विकसित करने में मदद करेगा।

जर्नल के पहले अंक के लिए; सुंग चोल, किम, पारंपरिक चिकित्सा में क्षेत्रीय सलाहकार (टीआरएम), स्वास्थ्य प्रणाली विकास विभाग (एचएसडी), विश्व स्वास्थ्य संगठन, दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय (डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ) ने प्रारंभिक टिप्पणियां प्रदान की हैं, जबकि प्रो. राम हर्ष सिंह ने अतिथि संपादकीय प्रदान किया है। पहले अंक में अवास्कुलर नेक्रोसिस, संक्रमित घाव, हाशिमोटो के थायरॉयडिटिस, एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, फ्रोजन शोल्डर इन डायबिटीज, हाइपोथायरायडिज्म के प्रबंधन से संबंधित केस रिपोर्ट प्रकाशित की गई थी।

वर्तमान में, डॉ. गालिब कार्यकारी संपादक के रूप में सेवारत हैं और डॉ. महापात्र अरुण कुमार अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड और राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के एक हिस्से के रूप में दुनिया भर के प्रसिद्ध शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के साथ सहयोगी संपादक हैं। संपादकीय समीक्षा बोर्ड में विभिन्न राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थानों के प्रख्यात आयुर्वेदज्ञ शामिल हैं।

आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के लिए फार्माकोविजिलेंस

किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की सफलता हमेशा उपयुक्त दवाओं की उपलब्धता, प्रामाणिकता और सुरक्षा के स्तर पर निर्भर करती है। एक शब्द में यह कहा जा सकता है कि सभी स्वास्थ्य सेवाएं प्रामाणिक, शुद्ध, शक्तिशाली और सुरक्षित औषधीयों के बिना स्वयं बीमार है।

यह एक लोकप्रिय धारणा है कि हर्बल उत्पाद प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालते हैं। हजारों वर्षों से इन दवाओं का उपयोग भी इस धारणा का समर्थन करता है। सुरक्षा, प्रभावकारिता उम्र, नियम, रोगी की स्थिति, रोग की प्राचीनता, दवा की प्रकृति आदि से लेकर विभिन्न कारकों की पूरी तरह से जांच के बाद दवाओं के विवेकपूर्ण अनुप्रयोग के तरीकों पर निर्भर करती है। यह दवाओं की पारंपरिक प्रणाली पर समान रूप से लागू है।

रोगी सुरक्षा में सुधार दुनिया भर में बढ़ रही है। चिकित्सा की पारंपरिक प्रणालियों पर वर्तमान चिंताओं को देखते हुए, एएसयू एंड एच ड्रग्स के लिए अनपेक्षित प्रतिक्रियाओं की सुरक्षा निगरानी या दस्तावेजीकरण की एक प्रणाली की आवश्यकता है। फार्माकोविजिलेंस विज्ञान है जो रोगियों को दवा से संबंधित नुकसान के जोखिम को कम करने के लिए समर्पित है। भारत में राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम में एएसयू एंड एच ड्रग्स के लिए प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए, आयुष मंत्रालय ने आगे की नियामक कार्रवाई के लिए एडीआर रिपोर्टिंग, प्रलेखन और विश्लेषण की संस्कृति के विकास के उद्देश्य से एएसयू एंड एच दवाओं के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम शुरू किया है।

इस का उद्देश्य एएसयू एंड एच दवाओं के प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं से संबंधित डेटा एकत्र करना है, और उनका विश्लेषण करना है, इस प्रकार इन दवाओं की नैदानिक सुरक्षा को वैज्ञानिक तरीके से स्थापित करना है। इसके अलावा इस कार्यक्रम में एएसयू एंड एच ड्रग्स के विज्ञापनों की निगरानी का भी प्रस्ताव है।

योजना का उद्देश्य

i एडीआर के प्रलेखन की सुविधा के लिए उपभोक्ताओं, एएसयू और एच चिकित्सकों के बीच रिपोर्टिंग संस्कृति को बढ़ावा देना

ii एडीआर का चिकित्सा पद्धति अनुसार डेटाबेस विकसित करना

iii एएसयू एंड एच ड्रग्स की नैदानिक सुरक्षा के बारे में साक्ष्य आधारित सिफारिशों का विकास

iv एएसयू एंड एच ड्रग्स के भ्रामक विज्ञापनों की रिपोर्टिंग में वृद्धि

इस पहल में, तीन स्तरीय तंत्र को अपनाया जाता है। इनमें राष्ट्रीय, मध्यस्थ और परिधीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र होंगे।

1. **राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस समन्वय केंद्र:** अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली
2. **इंटरमीडियरी फार्माकोविजिलेंस सेंटर्स**: रिस्पॉन्सिव नेशनल इंस्टिट्यूट्स को सिस्टम-वार

इंटरमीडिएरी सेंटर्स के रूप में पहचाना गया है।

- i जामनगर में आयुर्वेद के लिए स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान संस्थान
- ii राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर (आयुर्वेद के लिए)
- iii राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई (सिद्ध के लिए)
- iv राष्ट्रीय यूनानी संस्थान, बैंगलोर (यूनानी के लिए)
- v राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता (होम्योपैथी के लिए)

3. परिधीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र: इस के पहले चरण में 42 संभावित संस्थानों/अनुसंधान केंद्रों की पहचान पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर्स के रूप में की गई है और इन केंद्रों को 100 तक विस्तारित करने की योजना है। मौजूदा परिधीय केंद्र निम्नानुसार हैं:

आयुर्वेद:

- i हृदय रोगों के लिए केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (जामनगर)
- ii सेंट्रल आयुर्वेद रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर ड्रग डेवलपमेंट, कोलकाता (जामनगर)
- iii कैंसर के लिए केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई (जामनगर)
- iv मेटाबोलिक विकार के लिए क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु (जामनगर)
- v क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान औषध विकास संस्थान, ग्वालियर (जयपुर)
- vi आरजी पोस्ट ग्रेजुएट आयुर्वेद कॉलेज, पपरोला, हिमाचल प्रदेश (जयपुर)
- vii उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून (जयपुर)
- viii सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, रायपुर (जयपुर)
- ix उत्तर-पूर्वी आयुर्वेद और होम्योपैथी संस्थान, शिलांग (जामनगर)
- x आयुर्वेद कॉलेज, भारती विद्यापीठ, पुणे (जयपुर)
- xi वीपीएसवी आयुर्वेद कॉलेज, कोट्टक्कल (जामनगर)
- xii केएलई आयुर्वेद कॉलेज, बेलगाम (जामनगर)
- xiii एसडीएम आयुर्वेद कॉलेज, हसन (जामनगर)
- xiv पं. खुशिलाल आयुर्वेद कॉलेज, भोपाल (जयपुर)
- xv आयुर्वेद कॉलेज, राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर (जयपुर)
- xvi एमएमएम आयुर्वेद कॉलेज, उदयपुर, (जयपुर)
- xvii चौधरी ब्रह्म प्रकाश चरक आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली (जयपुर)
- xviii धन्वंतरी आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, उज्जैन (जयपुर)
- xix आयुर्वेद, बीएचयू, वाराणसी (जयपुर) के संकाय

यूनानी चिकित्सा:

- i केंद्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा, हैदराबाद
- ii केंद्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा, लखनऊ
- iii क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा, मुंबई
- iv क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा, चेन्नई
- v क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा, श्रीनगर

सिद्ध चिकित्सा:

- i सिद्ध केंद्रीय अनुसंधान संस्थान, चेन्नई
- ii सिद्ध क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी
- iii सिद्ध क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम
- iv गवर्नमेंट सिद्ध मेडिकल कॉलेज, पलायमकोट्टई
- v सरकार सिद्ध मेडिकल कॉलेज, चेन्नई
- vi सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल (सिद्ध), इरोड
- vii सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल (सिद्ध), डिंडीगुल
- viii सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल (सिद्ध), त्रिची
- ix सरकारी जिला मुख्यालय अस्पताल (सिद्ध), कुड्डालोर
- x सरकारी मुख्लालय अस्पताल (सिद्ध), विल्लुपुरम

होम्योपैथी:

- i सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर होम्योपैथी, नोएडा
- ii राष्ट्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान, कोट्टायम
- iii होम्योपैथी के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुडिवाडा
- iv होम्योपैथी के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी
- v होम्योपैथी के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, कोलकाता
- vi होम्योपैथी के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, मुंबई
- vii भोपाल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल, भोपाल

डॉ. ग़ालिब, आरएसबीके, एआईआईए के सह प्रोफेसर, आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी ड्रग्स के लिए राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस के लिए परियोजना समन्वयक की जिम्मेदारी के साथ नामित है और 02 तकनीकी कार्यक्रम अधिकारियों और 01 डीईओ द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

अनुमोदित दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए 19 मार्च, 2018 को एआईआईए, नई दिल्ली में पहचाने गए समन्वयकों के लिए एक प्रेरणाप्रद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। डॉ. डीसी कटोच, प्रोफेसर एसके मौलिक, प्रोफेसर जीपी महंत, डॉ. मधुर गुप्ता और आईपीसी के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिन्होंने शुरू किए गए कार्यक्रम के लिए एक रोड-मैप प्रदान किया।

अनुसंधान अनुभाग

- अनुसंधान गतिविधियाँ
- संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी)
- संस्थागत आचार समिति (आई ई सी)
- प्रकाशित शोध पत्र/पुस्तकें
- क्वालिटी कंट्रोल लैब

अनुसंधान गतिविधियाँ

प्रस्तावना: एआईआईए का "गुणवत्ता अनुसंधान हेतु स्थानांतरीय अनुसंधान" नामक अलग प्रभाग है। इस प्रभाग द्वारा वर्ष 2017-18 में कुल 111 अनुसंधान प्रस्तावों का पर्यवेक्षण किया गया। स्थानांतरीय अनुसंधान प्रभाग ने विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा आयुष के दिशानिर्देशों के अनुसार सांस्थानिक समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) एवं सांस्थानिक नीतिपरक समिति (आईईसी) का गठन किया है। वर्ष 2107 में आईईसी ने आईईसी की कार्यप्रणाली के लिए मानक संचालन पद्धतियां (एसओपी) विकसित की हैं जिन्हें संस्थान की वेबसाइट में अपलोड किया गया है। इन दिशानिर्देशों का पालन करते हुए ही अनुसंधान प्रस्तावों को अनुमोदित किया जाता है तथा उनका पर्यवेक्षण किया जाता है।

स्थानांतरीय अनुसंधान प्रभाग का एक दल है जिसका नेतृत्व प्रो. (डॉ) तनूजा मनोज नेसरी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, एआईआईए द्वारा किया जा रहा है तथा स्व. कृष्णा दलाल अनुसंधान सलाहकार थी।

प्रत्येक वर्ष विभिन्न विशेषज्ञताओं के स्कॉलरों द्वारा विभिन्न एमडी/एमएस अनुसंधान परियोजनाओं को हाथ में लिया जाता है तथा स्थानांतरीय अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत किया जाता है। इसे सांस्थानिक समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) द्वारा अनुमोदित तथा संशोधित किया जाता है और सांस्थानिक नीतिपरक समिति (आईईसी) इसे आवश्यक नीतिगत स्वीकृति प्रदान करती है। वर्ष 2018-19 में निम्नलिखित अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए:

स्नातकोत्तर अनुसंधान शोध-निबंध बैच 2016-19

क्र. सं.	स्कॉलर का नाम	गाइड का नाम	विभाग का नाम	शोध का शीर्षक
1.	डॉ. शालिनी गुप्ता	प्रो वी.डी. अग्रवाल	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	क्लीनिको-पैथोलॉजिकल स्टडी ऑन मेदो दुष्टि विद स्पेशल रिफरेन्स टु मेटाबोलिक सिंड्रोम
2.	डॉ. स्वाति चौहान	डॉ. शालिनी राय	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	ऐ क्लीनिको-एटोपथोलॉजिकल स्टडी ऑन पेशेंट्स ऑफ़ पाण्डु रोग विस् -ऐ -विस् आयरन डेफिशियेंसी एनीमिया विद स्पेशल रिफरेन्स टु बायोलॉजिकल मार्कर्स
3.	डॉ. वर्णिका सिंह	प्रो. वी.डी. अग्रवाल	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	डेटाबेस एप्रोच टु डेवलप आयुर्वेदिक डायग्नोस्टिक क्राइटेरिया इन स्किन डिजीज
4.	डॉ. मधु भारद्वाज	प्रो. वी.डी. अग्रवाल	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	इवैल्यूएशन ऑफ़ तैल बिंदु परीक्षा एज ऐ डायग्नोस्टिक मेजर ऑफ़ आम विद स्पेशल रिफरेन्स टु आमवात
5.	डॉ. गीतिका	प्रो. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण विज्ञान	फार्माकॉमेडीलॉजिकल सर्वे टू ऑब्जर्व दी कंबाइंड इफेक्ट ऑफ क्लासिकल आयुर्वैदिक हर्ब यूज्ड

	पहुजा			अलांग विद कन्वेंशनल एंटीबायोटिक मेडिसिन इन टाइप टू डायबिटीज मेलाइटिस एंड प्री-क्लिनिकल स्टडीज फ्रॉम हर्ब-ड्रग इंटरेक्शन ऑफ़ टॉप मोस्ट अर्नेस्ट फ्लोर प्लांट
6.	डॉ. शालिनी	प्रो. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण विज्ञान	मेमोरी इनचिंग इफेक्ट ऑफ गुडुच्यादी मेद्य योग मेंनशंड बाय चक्रदत्ता ए प्रीक्लिनिकल स्टडी
7.	डॉ. यशिका बिधूड़ी	डॉ. शिवानी घिल्डियाल	द्रव्यगुण विज्ञान	फार्माकॉग्नोसटिकल, फाइटोकेमिकल, न्यूट्रिएंट्स ऑफ गोजिह्वा, (kaunaea nudicaulis (L.) hook f.) ऑल प्लांट एंड इन विट्रो एंटीडायबिटिक एक्टिविटी (अल्फा एमाय्लेस इन्हिबिशन)
8.	डॉ. भस्मिता जेना	प्रो. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण विज्ञान	इन-विट्रो स्टडी ऑफ एंटीहिस्टामिनिक इफेक्ट ऑफ मारूबक (Origanam majorana linn) एंड इट्स एंटीमाइक्रोबॉयल एक्टिविटी ऑन द (Haemophilus influenza, Streptococcus pneumonia, Streptococcus pyogenes and Staphylococcus aureus) कौसिंग रेस्पीराटोरी इंफैक्शन
9.	डॉ. सोनिया गुप्ता	डॉ. रमाकांत यादव	कायचिकित्सा	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी टू इवेलुएट द एफ्फीकेसी ऑफ अजमोदादि वटी विद गंधर्वहस्तादी क्वाथ अलांग विद लोकल अभ्यंगा एंड नडी स्वेदना इन जानू संधिगत वात विद स्पेशल रेफरेंस टू अर्थराइटिस
10.	डॉ. अभय कुमार प्रजापति	डॉ. वी जी हुद्दार	कायचिकित्सा	ए रेंडमाइज्ड डबल ब्लाइंड क्लिनिकल ट्रायल टू इवेलुएट द इफिकेशिस ऑफ अकरकरभा मूल चूर्ण इन धात सिंड्रोम
11.	डॉ. शिखा चौधरी	डॉ. रमाकांत यादव	कायचिकित्सा	इवेलुएटिंग द कैपेसिटी ऑफ नागरमोथा साइप्रस रोटूंडस इन द मैनेजमेंट ऑफ ओबेसिटी इन कंपैरिजन विद बीना एक्सप्रेस रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड लेबल क्लिनिकल ट्रायल
12.	डॉ. रश्मी टोकस राणा	डॉ. राजा राम महतो	कायचिकित्सा	एन ओपन लेबल रेंडमाइज क्लिनिकल ट्रायल टू डिटरमाइंड द फीचर्स ऑफ मुस्तादी क्वाथ अलांग विद मेषश्रृंगी (Gymnema Sylvestre)चूर्ण इन द मैनेजमेंट ऑफ डायबिटीज मेलिटस (टाइप 2)
13.	डॉ. नसरीन अहमद	डॉ. दिव्या काजरिया	कायचिकित्सा	इवेलुएटिंग क्लीनिकल एफीकेसी ऑफ आयुर्वेदिक इनहेलेशन थेरेपी (एरोसोल) एंड रसायन थेरेपी इन द मैनेजमेंट ऑफ कॉप्प-अ रेंडमाइज्ड कोहॉट कंट्रोल क्लिनिकल स्टडी
14.	डॉ. स्वर्णिमा	डॉ. वी जी हुद्दार	कायचिकित्सा	ऐडऑन इफ़ेक्ट ऑफ़ शुंठी गोक्षुरा कसाए ओवर अमावत्री रस इन अमावत विद स्पेशल रेफरेंस टू

	मिश्रा			रीयोमेटोईड् आरथिर्स्ट-अ रेंडमाइज ओपन क्लीनिकल ट्रायल
15.	डॉ. क्षमामयी प्रियदर्सिनी जति	प्रो. अभिमन्यु कुमार	कौमारभृत्य (बालरोग)	इवेल्यूशन ऑफ एफीसेसी ऑफ त्रिफला कंपाउंड इन चाइल्डहुड स्थुल्या अ रेंडमाइज्ड सिंगल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल
16.	डॉ. मनीषा अग्रवाल	प्रो. अभिमन्यु कुमार	कौमारभृत्य (बालरोग)	ओपन एंडेड रेंडमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल फॉर डिटरमिनेशन ऑफ एफीसेसी ऑफ गोझीवादी सिरप एंड अनु तेल नस्या इन मैनेजिंग चाइल्डहुड एलर्जी रहनीटिस
17.	डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा	प्रो. अभिमन्यु कुमार	कौमारभृत्य (बालरोग)	थैरेपीयूटिक ऑफ एफिसेसी अभया घृत एंड पंचभूटिका तेल नस्य इन द मैनेजमेंट ऑफ ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर इन चिल्ड्रन ए सिंगल आर्म ओपन एंडड क्लिनिकल ट्रायल
18.	डॉ. मोनिका	डॉ. राजगोपाल एस.	कौमारभृत्य (बालरोग)	एफीसेंसी ऑफ विंध्या विंधगधि लोह इन द मैनेजमेंट ऑफ पेंडु रोग आयरन डेफिशियसी एनीमिया इन एडोलिसेंट गर्ल्स एंड ओपन लेबल रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड क्लीनिकल ट्रायल
19.	डॉ. अभिषेक आनंद	डॉ. राजगोपाल एस.	कौमारभृत्य (बालरोग)	एफिसेंसी ऑफ़ विंद्राखंडी ग्रेवल एंड हैदराबाद न्यूट्रिशन फॉर्मूला इन द मैनेजमेंट ऑफ कार सेविद स्पेशल रेफरेंस टू ग्रेड वन मलन्यूट्रिशन इन ए रेंडमाइज्ड सिंगल ब्लाइंड कंपैरेटिव क्लिनिकल ट्रायल
20.	डॉ. सोनम	डॉ. अरुणकुमार महापात्र	कौमारभृत्य (बालरोग)	डीटरमिंशन ऑफ द एफिसेंसी ऑफ अभय घृत एंड पंचकर्म बेस्ड प्रोसीजर ईन द ऑफ कैपिटल पल्सी - ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल
21.	डॉ. जीतेन्द्र गौतम	डॉ. संतोष कुमार भट्टड	पंचकर्म	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी ऑफ लेखन बस्ति एंड त्रिफला चूर्ण उद्वर्तन फोलोईड बाय निशा आमलकी चूर्ण इन दा मैनेजमेंट ऑफ़ प्री डायबिटिक कंडीशन
22.	डॉ. रामानुज सोनी	प्रो. अभिमन्यु कुमार	पंचकर्म	एन एक्सप्लोरेटरी क्लीनिकल स्टडी ऑन डेटर्मिनिंग दी, ईफ्फिकेसी ऑफ़ दशमूलादिकाल बस्ति एंड रसायन चूर्ण इन द मैनेजमेंट ऑफ़ डायबिटिक नेफ्रोपैथी
23.	डॉ. रामलखन मीणा	डॉ. संतोष कुमार भट्टेड	पंचकर्म	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी टू डेटर्मिन दी ऑफ़ ईफ्फिकेसी यस्थाव्हादि बस्ति एंड मुस्ता आमलकी सिद्ध तक्रधारा फोलोईड बाय गुडुची एंड आमलकी चूर्ण इन द मैनेजमेंट ऑफ़ डायबिटिक न्यूरोपैथी
24.	डॉ ओसंबा जमीर	डॉ. प्रशांत धर्मराजन	पंचकर्म	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी टू ईवेलूएट द ईफ्फिकेसी ऑफ़ सिरावेध एंड जलौकाव

				अवाचारना आफ्टर विरेचन इन द मैनेजमेंट ऑफ़ वेरिकोस वैन
25.	डॉ हनुमंत निर्मल	प्रो. अभिमन्यु कुमार	पंचकर्म	डेटर्मिनेशन ऑफ़ द ईफ्फिकेसी ऑफ़ कोलकुलत्थादि चूर्ण ओवर डेट ऑफ़ वालुका स्वेदन बाय कंडक्टिंग ए रैण्डमाइज़्ड डबल आर्म ओपन लेबल क्लीनिकल ट्रायल इन द मैनेजमेंट ऑफ़ आमवात
26.	डॉ जीतेन्द्र कुमार	प्रो. अभिमन्यु कुमार	पंचकर्म	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी टू ईवेलूएट द एफ्फिकेसी ऑफ़ बृंहण स्नेहपान एंड बृंहण क्षीरबस्ति विद गुग्गुलुतिक्तकघृत इन लंबरडिस्क डिजनरेशन इंडूसेड साइटिका (ग्रध्रसी)
27.	डॉ. नेहा शर्मा	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	स्टडी दा एफ्फीकेसी ऑफ शीत कल्याणक घृत ऑन ओंव्यूलेशन एण्ड मेन्स्त्रुअल रेगुलेशन इन पोली सिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम
28.	डॉ. बुशरा खानम	डॉ. कामिनी धीमान	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	रन्डमाइजड क्लिनिकल स्टडी टू इवल्युट दा रोल ऑफ़ प्रकृति स्पेसिफिक लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन, रसायनचूर्ण एंड शिरोधारा इन पोस्ट मेनोपोसल सिम्टम्स
29.	डॉ. गरिमा	डॉ. कामिनी धीमान	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	टू इवल्युट दा रोल ऑफ़ कांचनार गुग्गुलु विथ गुडूची त्रिफलादि कषाय इन दा मैनेजमैंट ऑफ़ फाइब्रोएडीनोमा: ए रन्डमाइजड क्लिनिकल ट्रायल
30.	डॉ. सुधा दंशना	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	रन्डमाइजड कंट्रोल क्लिनिकल ट्रायल टू इवल्युट एफ्फीकेसी ऑफ़ कासीसादी जैल इन मैनेजमैंट कफज योनिव्यापद इन रिलेशन विथ वलवोवजानाइटिस
31.	डॉ. सोनिया	डॉ. मिनाक्षी पाठक	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	रोल ऑफ़ पिपल्यादि वर्ति एंड पिपल्यादि वटी इन कर्णिनी योनिव्यापद(सरवाइकल इरोसन)
32.	डॉ. शिवानी दाश	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	स्टडी दा एफ्फीकेसी ऑफ व्यस्थापक महा कषाय वटी इन मेनोपोसल सिंड्रोम; ए रन्डमाइजड क्लिनिकल ट्रायल
33.	डॉ. हिमांशु शर्मा	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	ए कम्पेरेटिव फरमासूटिको-एनालिटिकल एंड एंटी-डायबिटिक स्टडी ऑफ़ यशद भस्म प्रेपरेड़ बाय डिफरेंट मेथड्स
34.	डॉ. नीलाद्री भट्टाचार्य	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	पोस्ट मार्केटिंग सर्विलांस ऑफ़ रसौषधिस यूसड़ इन श्वास रोग एंड क्वालिटी असुरेन्स ऑफ़ श्वासकुठार रस
35.	डॉ. पूनम गुलाटी	डॉ. गालिब	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	ए क्रॉस सेक्शनल सर्वे टू स्टडी द पैटर्न्स ऑफ़ कनकमिटैंट यूज़ ऑफ़ ट्रेडिशनल एंड कन्वेंशनल एंटी-डायबिटिक ड्रग्स एंड इन विट्रो स्टडीज ऑन इंटरेक्शन ऑफ़ निशा आमलकी वीद मेटफोर्मिन

36.	डॉ. परितोष झा	डॉ. गालिब	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	रीवैलीडेटिंग स्टैण्डर्ड मैन्युफैक्चरिंग प्रोसीजरज़ ऑफ़ गुडुची घन एंड गुडुची सत्व एंड देयर कम्पेरेटिव बीटा-सेल रीजनरेशन एंड ग्लूकोस अपटेक एक्टिविटीज इन एक्सपेरीमेन्टल एनिमल्स
37.	डॉ. संतोष के दमामी	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	स्टेबिलिटी एंड एफ्फीकेसी ऑफ़ अश्वगंधा घृत प्रेपेयर्ड वीद नवीन (फ्रेश) एंड पुराण (ओल्ड) घृत
38.	डॉ. अनु रुहेला	डॉ. प्रमोद आर यादव	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	स्टेबिलिटी एंड एफ्फीकेसी स्टडी ऑफ़ मोडीफायड डोसेज फॉरम ऑफ़ अ भल्लातक आयल
39.	डॉ. जीतेन्द्र कौर	डॉ. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	स्टडी ऑन रिलेशनशिप बिटवीन बल एंड काल विथ स्पेशल रिफरेन्स टू जन्मकाल एंड मोर्बिडिटी स्टेटस ऑफ़ चिल्ड्रन
40.	डॉ. प्रज्ञा शर्मा	डॉ. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	डेवलपमेंट ऑफ़ पैरामीटर्स फॉर अस्थि सार असेसमेंट
41.	डॉ. कीर्ति अग्रवाल	डॉ. मीरा के भोजाणी	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	सर्वे स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ़ निद्रा वेग धारण (सप्रेशन एन्ड डाईयूर्नल वैरिएशंस इन स्लीप) ऑन द क्वालिटी ऑफ़ लाइफ
42.	डॉ. निकिता शर्मा	डॉ. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	अ केस कण्ट्रोल स्टडी टू असेस द रोल ऑफ़ विरुद्ध आहार इन मेद प्रदोषज विकार विथ स्पेशल रिफरेन्स टू मधुमेह
43.	डॉ. सोम्बीर शेरन	प्रो. संजय कुमार गुप्ता	शल्य (सामान्य)	ए कम्पेरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन अस्वगंधा (Withania Somnifera Linn) पत्र कल्क एंड पंचवल्कल क्वाथ इन मैनेजमेंट ऑफ़ दुष्ट वर्ण (क्रोनिक वाउंड/अल्सर)
44.	डॉ. उत्कर्ष सोनी	प्रो. संजय कुमार गुप्ता	शल्य (सामान्य)	ए रेंडमाइज़्ड, कंट्रोल्ड क्लीनिकल ट्रायल ऑफ़ अस्थिसम्हरादि ग्रनुएल्स इन आवरण कांड भग्न विद स्पेशल रिफरेन्स तू क्लोज्ड फ्रेक्चर ऑफ़ फोरआर्म
45.	डॉ. प्रियंका मीणा	डॉ. व्यासदेव महंत	शल्य (सामान्य)	"रोल ऑफ़ श्वदंष्ट्रादि क्वाथ इन द मैनेजमेंट ऑफ़ मूत्राश्मरी विद स्पेशल रिफरेन्स तू यूरोलिथिआसिस" ए प्रोस्पेक्टिव क्लीनिकल ट्रायल
46.	डॉ. दीक्षा कुशवाहा	प्रो. संजय कुमार गुप्ता	शल्य (सामान्य)	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी तू इवलुएट द एंटीमिक्रोबिअल एक्टिविटी ऑफ़ गुग्गुलु बेस्ड एंड स्नुही बेस्ड क्षारसूत्र इन द मैनेजमेंट ऑफ़ भगन्दर(फिस्टुला-इन-एनो)
47.	डॉ. सरोज मीणा	डॉ. व्यासदेव महंत	शल्य (क्षारकर्म एवं	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी ओन अग्निकर्म एंड जलौका अवचरणा एलोंग विद आभा

			अनुशस्त्र कर्म)	गुग्गुलु इन द मैनेजमेंट ऑफ़ सन्धिगत वात विद स्पेशल रिफरेन्स तू ऑस्टिओआर्थरिटिस ऑफ़ नी जॉइंट।
48.	डॉ. प्रदीप कुमार	डॉ. राहुल शेरखाने	शल्य (क्षारकर्म एवं अनुशस्त्र कर्म)	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल ट्रायल तू एवलुएट द एफिकेसी ऑफ़ अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार एंड कुटज प्रतिसारणीय क्षार इन द मैनेजमेंट ऑफ़ अर्श (इंटरनल हेमोर्रोइड्स)
49.	डॉ. चिन्मयी चौधरी	प्रो. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य (नेत्र रोग)	स्टैंडर्डीज़ेशन ऑफ़ बिडालक नेत्र क्रिया कल्प एंड एफ्फिकेसी ऑफ़ सैंधवादी बिडालक इन अभिष्यंद (एक्यूट कंजंक्टिवाइटिस) सिंगल आर्म क्लीनिकल स्टडी
50.	डॉ. नीरज दुबे	प्रो. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य (नेत्र रोग)	रोल ऑफ़ रजनीदारू आई ड्रॉप्स एंड रसायन चूर्ण इन द मैनेजमेंट ऑफ़ शुष्काक्षीपाका (ड्राई आई सिंड्रोम) एंड ओपन लेबल डबल आर्म रैंडमिस्ड क्लीनिकल ट्रायल
51.	डॉ. प्रीति	प्रो. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य (नेत्र रोग)	ईवेलुएशन ऑफ़ क्लीनिकल एफ्फिकेसी ऑफ़ नागरादी आई ड्रॉप्स एंड रसायन चूर्ण इन कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम एन ओपन लेबेल्ड डबल आर्म रैंडमिस्ड कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी
52.	डॉ. पूनम ध्रुव	डॉ. नारायण बावलत्ति	शालाक्य (शिरो, नासा कर्ण एवं कंठ रोग)	ओपन लेबल रैंडमिस्ड क्लीनिकल स्टडी ऑफ़ इफ़ेक्ट ऑफ़ लोबेलिआ निकोटेनेफोलिआ (हाईन) - देवनाल - अ फोक मेडिसिन इन तुण्डिकेरी विद स्पेशल रिफरेन्स टू टोंसिलिटिस
53.	डॉ. राधा कुमारी	डॉ. पंकज कुंडल	शालाक्य (शिरो, नासा कर्ण एवं कंठ रोग)	एन ओपन लेबल कम्पेरेटिव रैंडमिस्ड क्लीनिकल ट्रायल टू इवेलुएट द एफ्फिकेसी ऑफ़ मर्श एंड प्रतिमर्श नस्य एंड हरिद्राखंड इन द मैनेजमेंट ऑफ़ वातज प्रतिश्याय विद रेसपेक्ट टू एलर्जिक रायनाइटिस
54.	डॉ. प्रजना परमिता पांडा	डॉ. मंगलागौरी वी राव	स्वस्थ्यवृत्त एवं योग	इफ़ेक्ट ऑफ़ ऋतू हरीतकी ऑन शरीर बल: अ वालंटियर बेस्ड स्टडी
55.	डॉ. सपना	डॉ. मंगलागौरी वी राव	स्वस्थ्यवृत्त एवं योग	एफ्फिसैय ऑफ़ प्रकृति स्पेसिफिक हर्बल टी ऑन पेशेंट्स विथ डायबिटीज मेलिटस: अ रैंडम कण्ट्रोल स्टडी
56.	डॉ. मुक्ता	डॉ. शिव कुमार हर्ति	स्वस्थ्यवृत्त एवं योग	टू डेवेलोप अ न्यूट्रिशनल असेसमेंट स्केल इन आयुर्वेद

स्नातकोत्तर अनुसंधान शोध-निबंध बैच 2017-20

क्र.सं.	स्कॉलर का नाम	गाइड का नाम	विभाग का नाम	शोध का शीर्षक
1.	डॉ. प्रतिज्ञा चौहान	प्रो. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	अ स्टडी ऑफ़ स्वभावोपरं वाद (निदान परिवर्जन) एंड इट्स ऑब्जरवेशन इन न्युली दिएगनोसेड मधुमेह (टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस)
2.	डॉ. नेहा अवस्थी	प्रो. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	अ सर्वे स्टडी ऑन मानस प्रकृति ऑफ़ एडोलैसैंट्स इन द पर्सपेक्टिव ऑफ़ साइको सोशल बिहेवियर
3.	डॉ. दुर्गेश सेंथिया	डॉ. मीरा के भोजाणी	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	अ स्टडी ऑन ओजस एंड सर्वे ऑन प्रेवेलेन्स ऑफ़ ओज क्षय इन पेशेंट्स ऑफ़ मधुमेह (डायबिटीज मेलिटस)
4.	डॉ. आरती राय	प्रो. महेश व्यास	आयुर्वेद संहिता सिद्धांत	एन ऑब्ज़र्वेशनल एन्ड क्लीनिकल स्टडी ऑन जुडीशियस यूज़ ऑफ़ आहारमात्रा इन रिलेशन टू अग्नि (जाठराग्नि) विथ स्पेशल रिफरेन्स टू अम्लपित्त
5.	डॉ. किरन मारुतिरा व जाधव	प्रो. डॉ. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण	मेमोरी एन्हेंसिंग इफ़ेक्ट ऑफ़ गुडुच्यादी मद्य योग इन ऐज रिलेटेड कॉग्नेटिव डिक्लाइन (एआरसीडी): ए सिंगल ब्लाइंड क्लिनिकल स्टडी
6.	डॉ. विशाल कुमार	डॉ. शिवानी घिल्डियाल	द्रव्यगुण	हीलिंग इफैक्ट ऑफ गोजीह्वा (launaea nudicaulis (l) hook. F.) ऑन कॉग्नेटिव वाउंड्स: ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल
7.	डॉ. प्रतिभा	प्रो. डॉ. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण	इन-विट्रो कंपैरेटिव स्टडी ऑफ़ क्रिमिगहन (एंटीमाइक्रोबियल) एक्शन ऑफ कटु तिक्त एंड कषाय रस द्रव्य मरिच {(piper nigrum l.), निंबा (azadirachta indica a. Juss.) एंड जम्बु (syzigium cumini (l). Skeels)}
8.	डॉ. प्रशांत कुमार	प्रो. डॉ. तनुजा नेसरी	द्रव्यगुण	"टू स्टडी द इफ़ेक्ट ऑफ श्वंदष्ट्रादि रसायन चूर्ण ऑन परफॉर्मेंस ऑफ स्पोर्ट पर्सन (एंडोरेंस स्पोर्ट्स):ए सिंगल ब्लाइंड रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड क्लीनिकल स्टडी
9.	डॉ. नेहा यादव	प्रो. डॉ. तनुजा नेसरी	कौमारभृत्य (बालरोग)	इफ़ेक्ट ऑफ़ कसहारा दशेमनी इंन दा मैनेजमेंट ऑफ वताज कसा इन चिल्ड्रन एंड ओपन एंड्ड दो आर्म रंडमाईज्ड क्लिनिकल स्टडी
10.	डॉ. सीमा गुप्ता	प्रो. डॉ. तनुजा नेसरी	कौमारभृत्य (बालरोग)	एफ्फीकैसी ऑफ मेद्या रसायन एंड बिहेवरियल इंटरवेंशनस इन द मैनेजमेंट ऑफ शायमूत्र (इनुरेसिस) इन चिल्ड्रन - ए ब्लाइंड रेंडमाइज्ड, कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल
11.	डॉ.	प्रो. डॉ. तनुजा	कौमारभृत्य	ए कंपैरेटिव स्टडी टू इवोल्यूट द इफिकेसि ऑफ

	मसूदा	नेसरी	(बालरोग)	विदानगडी चूर्ण विद देट ऑफ करीमीघना दशमनी चूर्ण ऑन करीमी रोग (वोर्म इइनफेस्टेतेशन) इन चिल्ड्रन
12.	डॉ. जितेंद्र कुमार आचार्य	डॉ. राजगोपाल एस.	कौमारभृत्य (बालरोग)	ए कंपैरेटिव स्टडी टु इवोल्यूट द एफ्फीकैसी ऑफ शव्सहारा महाकषाय ड्ब्लु. आर. बीशव्सहारा महाकषाय चूर्णा इन तमक श्वास ड्ब्लु.एस.आर. टु चाइल्डहुड ब्रोंन्चिअल अस्थमा - एन ओपन एंडेड, डबल आर्म्ड, रेंडमाइज्ड कंट्रोल क्लीनिकल ट्रायल
13.	डॉ. शर्मिला पाटिल	डॉ. महापात्र अरुणकुमार	कौमारभृत्य (बालरोग)	एफ्फीकैसी ऑफ शव्सहारा लोह इन द मैनेजमेंट ऑफ पांडुरोग (आयरन डिफिशिएंसी एनीमिया) इन एडोलसेंट गर्ल: एन ओपन लेवल रेंडमाइज कंट्रोल क्लीनिकल ट्रायल
14.	डॉ. उपसना सोनकर	डॉ. राजगोपाल एस.	कौमारभृत्य (बालरोग)	ए क्लिनिकल स्टडी ऑन सेरेब्रल पाल्सी इन चिल्ड्रन विद बालापंचमरिता योग एंड प्रोसीजर बेस्ट थेरेपी
15.	डॉ. भावना मावर	डॉ. रामाकांत यादव	कायचिकित्सा	रोल ऑफ वेदनाहारा रेजीमेंन ओवर डेट ऑफ कन्वेंशनल मेडिसिन इन द मैनेजमेंट ऑफ आम बात डब्लूएसआर रेयुमेटोड आर्थ्रिटिस - ए रेंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल
16.	डॉ. पूजा	डॉ. दिव्या काजरिया	कायचिकित्सा	इवेलुएटिंग एफ्फीकैसी ऑफ श्रीशादी अगद एंड विरेचन कर्म इन द मैनेजमेंट ऑफ संतमाका श्वासा डब्ल्यू.एस.आर. एलर्जीक एस्थमा - अ कंपैरेटिव रेंडमाइजड ओपन क्लिनिकल ट्रायल
17.	डॉ. आशा मालवीय	डॉ. वी. जी. हुद्दार	कायचिकित्सा	रेंडमाइज्ड ओपन कंपेरेटिव क्लिनिकल ट्रायल फॉर इफ़ेक्टिंग ऑफ द्रव्याधि घृत व्स कषाय इन वात प्रधान प्रमेह डब्लूएसआर दो डायबिटीज मेलिटस
18.	डॉ. डिम्पल गिल	डॉ. रामाकांत यादव	कायचिकित्सा	ओपन लेवल अलार्म क्लिनिकल ट्रायल टू डिटरमाइंड द इफिकेशियस डी4 कंबीनेशन अलांग विद ओंगोइंग कन्वेंशनल मेडिसिन इन मैनेजिंग डायबिटीज मेलिटस (टाइप 2)
19.	डॉ. ज्योति रानी	डॉ. रामाकांत यादव	कायचिकित्सा	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन द इफ़ेक्ट ऑफ़ 'विद्यानरुका रसायन' एंड गोघृत ईन्हएंस्मेंट ऑफ स्मृति डब्ल्यू.एस.आर. मेमोरी एंपावरमेंट
20.	डॉ. शिंशा पी.	डॉ. वी. जी. हुद्दार	कायचिकित्सा	ए डबल ब्लाइंड रेंडमाइज्ड प्लेसिबो कंट्रोल क्लीनिकल ट्रायल इवल्यूटिंग इफिकेशि ऑफ भुनीबा क्षार एंड कटूकी चूर्ण अलांग विद लाइफस्टाइल मोडिफिकेशन इन द मैनेजमेंट ऑफ नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज

				(नेफल्ड)
21.	डॉ. लतिका	प्रो. तनुजा मनोज़ नेसरी	पंचकर्म	टू इवोल्यूट दी इफेक्ट ऑफ तिकता सतपला घृत विद ओर विदाउट विरेचना कर्म इन द मैनेजमेंट ऑफ एककुष्ठ (सोरायसिस) रेंडमाइज्ड कंपैरेटिव क्लीनिकल स्टडी
22.	डॉ. नवीन बंसल	डॉ. संतोषकुमार भट्टेड	पंचकर्म	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन द इफिशियेंसी ऑफ़ वालुका स्वेदना फॉलोवड बॉय कटी-परिथिता-त्रिकावस्ती विद ओर विदाउट इरेंडममुलादि योग बस्ती इन द मैनेजमेंट ऑफ कटी फरिश्ता- तरीका ग्रह विथ रिस्पेक्ट ऑफ टू अंकेलोजिंग स्पोंडिलाइटिस
23.	डॉ. उत्तमराम यादव	डॉ. संतोषकुमार भट्टेड	पंचकर्म	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन द एफिशिएंसी ऑफ़ वमन कर्म विद इक्ष्वाकु योग एंड द्रव्यादि क्वाथा विथ लाइफ़ स्टाइल मोडिफिकेशन इन प्रमेहा डब्ल्यू.एस.आर. प्रीडायबिटीज
24.	डॉ. नीलम कालिया	प्रो. तनुजा मनोज़ नेसरी	पंचकर्म	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन द इफीसेसी ऑफ पंचाटिकता घृत विद क्षीर एस स्नेहपाना एन्ड एस क्षीरा बस्ती अलॉग विद कटी बस्ती इन कटीशूला विद रिस्पेक्ट टू लुबार डिजनरेटिव डिस्क डिजीज
25.	डॉ. पूनम वर्मा	डॉ. संतोषकुमार भट्टेड	पंचकर्म	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी टू इवेलुएट द एफीकेसी आफ त्रिफला क्वाथ विद मधु एडमिनिस्ट्रेड एंड अस कला बस्ती (रेक्टल एडमिनिस्ट्रेशन) इन द मैनेजमेंट ऑफ मेदो रोग (डायस्लीपीडेमिया)
26.	डॉ. अजय कुमार मेहर	डॉ. प्रशांत डी	पंचकर्म	ए कंपैरेटिव क्लिनिकल स्टडी ऑन द इफिकेसी ऑफ सिराव्याधना एंड परीशेका ऑफ दशमूल क्वाथ फॉलो बाय परीशेका ऑफ क्षीरवला तेल इन द मैनेजमेंट ऑफ वातकंठका डब्ल्यू. एस. आर. प्लांटर फैसिलिटी
27.	डॉ. अंजली शर्मा	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	स्टडी द इफिकेसी सत्पुरुष तेल मस्से इन इंडक्शन ऑफ मेनइंस्ट्रक्शन अर्तावक्श्या एन ओपन लेबल पायलट स्टडी
28.	डॉ. निदा क़मर	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	स्टडी द इफिकेसी ऑफ लशुनदि घृत इन द मैनेजमेंट ऑफ नस्तार्तव। सिंगल ग्रुप क्लिनिकल ट्रायल
29.	डॉ. निधि बाजपेयी	डॉ. कामिनी धीमान	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	रोल ऑफ बालाजी चुन एंड धन्वंतरा तेल इन मैनेजमेंट ऑफ अनोलोटेरी फैक्टर ऑफ़ इनफर्टिलिटी: ए रेंडमाइज्ड, ओपन लेवल, कंपेरेटिव क्लिनिकल ट्रायल

30.	डॉ. नेहा दिक्षित	डॉ. कामिनी धीमान	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	इवाल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ नित्य विरेचन एंड उत्तरा बस्ती ऑन इन्तरा इंट्रायूटरिन इनसेमिनेशन: ए रेंडमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल
31.	डॉ. अनीता	प्रो. सुजाता कदम	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	ए रेंडमाइज्ड कंट्रोल क्लीनिकल टो इवाल्युट एफीकेसी ऑफ योनिधूपन बाय ब्रुहतिफल - हरिद्राद्वय इन मैनेजमेंट ऑफ योनिक्न्डु इन रिलेशन टू वुल्वोवगिनितिस
32.	डॉ. स्तुति शर्मा	डॉ. मीनाक्षी पांडेय	स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र	रोल ऑफ कुटजशतका अव्लेह एंड यशतीमधु घृत मत्रा बस्ती इन द मैनेजमेंट ऑफ असिग्दरा
33.	डॉ. रोहित सिंह	डॉ. प्रमोद आर यादव	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	कम्पेरेटिव एनालिटिकल प्रोफाइल ऑफ़ शिलाजतु सैम्पल्स कलेक्टेड फ्रॉम डिफरेंट मार्किट सोर्सेज एंड देयर रसायन इफ़ेक्ट (इम्मुनो-मॉडुलेटरी एंड एंटी-ऑक्सीडेंट एक्टिविटीज)
34.	डॉ. श्रेष्ठा कौशिक	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	फार्मासिउटिकल स्टैण्डर्डडाईजेशन ऑफ़ संजीवनी वटी प्रेपेयर्ड वीद शोधित एंड अशोधित भल्लातक एंड देयर कम्पेरेटिव एंटी-पायरेटिक एक्टिविटी इन एक्सपेरीमेन्टल एनिमल्स
35.	डॉ. अनुभा यादव	प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	फार्मासिउटिकल स्टैण्डर्डडाईजेशन ऑफ़ अष्टमंगल घृत एंड इट्स अडाप्टोजेनिक एक्टिविटी इन विस्टार स्ट्रेन एल्बिनो रेट्स
36.	डॉ. पूनम अग्रवाल	डॉ. गालिब	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	फार्मासिउटिकल स्टैण्डर्डडाईजेशन ऑफ़ इंदुकांता घृतम एंड इट्स गैस्ट्रो-प्रोटेक्टिव एक्टिविटी ऑन एस्पिरिन एंड पायलोरस लायगेशन-इन ड्यूसड़ गैस्ट्रिक अलसर मॉडल इन रेट्स
37.	डॉ. मनोहर बाजिया	डॉ. गालिब	रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग	फार्मासिउटिकल स्टैण्डर्डडाईजेशन ऑफ़ सर्पगंधा घन वटी एंड इट्स इंटरैक्शनस वीद एंटी-हाइपरटेंसीव ड्रग्स
38.	डॉ. सुनीता मीणा	प्रो. वी. डी. अग्रवाल	रोग निदान	रिलेशन ऑफ़ इटीयोलॉजिकल फैक्टर विद सब टाइप ऑफ मुत्राक्रिक्चा एंड इन विट्रो स्टडी ऑफ़ युवक 4 ऑन यूरीन रूटीन माइक्रोसॉफ्ट एंड एंटीमाइक्रोबिल सेंसिटिविटी
39.	डॉ. शशी बाला मीणा	प्रो. वी. डी. अग्रवाल	रोग निदान	टू ईवाल्युट द बायोकेमिकल एंड इम्यूनोलॉजिकल मारकर्स फॉर द ऐस्टीमेशन ऑफ इन द न्यूटन एंड जीर्ण कंडीशन ऑफ आमवात विद स्पेशल रेफरेंस टू रेह्युमैटोड अर्थराइटिस
40.	डॉ. सचित्रा सिंह	डॉ. शालिनी राय	रोग निदान	ए स्टडी टो एक्सप्लोर द रिलेशनशिप ऑफीसर टू बाय केमिकल पैरामीटर एंड इंडिकेटर ऑफ मे दो धातु इन हेल्दी एंड ऑस्टेरिटीक इंडिविजुअल्स
41.	डॉ. सिध्दार्थ	प्रो. वी. डी. अग्रवाल	रोग निदान	ए स्टडी दो एसएस ओजस दस्ती इन द पेशेंट ऑफ़ मधुमेह टाइप 1 एंड टाइप 2

	कुमार			डायबिटीज मेलिटस एंड इट्स एप्लीकेशन ईम्मोलॉजिकल मारकर आईजीजी
42.	डॉ. परमेश्वर पटेल	डॉ. नारायण बावलत्ति	शालाक्य तंत्र	क्लिनिकल स्टडि ऑफ एफ़िकेसी ऑफ कटफलादी क्वाथ अलोङ्ग विद षडबिंदु तैल नस्य एंड कटफलादी क्वाथ ओन्ली इन द मैनेजमेंट ऑफ दुष्ट प्रतिश्याय- क्रोनिक सिनुसिटीस
43.	डॉ. शैली त्यागी	प्रो. डॉ. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य तंत्र	टु एवलुएट द एफ़िकसी ऑफ त्रिफलादी क्वाथ एंड दार्वी रसक्रिया इन द मैनेजमेंट ऑफ पित्तज सर्वसर रोग
44.	डॉ. आकांक्षा ठाकुर	प्रो. डॉ. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य तंत्र	एफ़िकेसी ऑफ हरीतकी (मोदक) एंड अभिजीत तैल (प्रतिमर्श नस्य) इन कम्प्युटर विज़िन सिंड्रोम एन ओपन लेब्ल्ड टु आर्म रेण्ड्मिज़्ड क्लिनिकल स्टडि
45.	डॉ. मुख़्तार आलम	प्रो. डॉ. मंजूषा राजगोपाल	शालाक्य तंत्र	कंपेरिटिव एफ़िकेसी ऑफ लोधरादी लेप एंड लोधादी गंडूष अलोंग विद शोथहर महाकषाय क्वाथ इन द मैनेजमेंट ऑफ शीतादी - जिंजीवीटिस
46.	डॉ. निधि वर्मा	डॉ. पंकज कुंडल	शालाक्य तंत्र	अ कंपेरिटिव स्टडि ऑन द एफ़केसी ऑफ जातिमुकुलादी वर्ती एंड मधु शिग्रु अश्च्योतन इन द मैनेजमेंट ऑफ कफ़ज अभिष्यंद विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु सिम्पल अलेर्जिक कंजेक्टीवाइटिस
47.	डॉ. स्मिता गजानंद बरोडे,	डॉ. राहुल शेरख़ाने	शल्य तंत्र	ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल ट्रायल तू एवलुएट द एफिकेसी ऑफ़ लोकली एप्लाइड स्नुही क्षीर मिक्स्ड हरिद्रा पाउडर विद अपामार्ग प्रतिसारणीय क्षार इन द मैनेजमेंट ऑफ़ अर्श.(सेकंद दिग्री हेमोर्रोइड्स)
48.	डॉ. मोनिका सोदे	डॉ. संजय कुमार गुप्ता	शल्य तंत्र	"ए क्लीनिकल स्टडी ओन अग्निकर्म एंड दि आइ पी (डिस्पलीनेड एंड इंटेलीजेंट पर्सन) डाइट इन मैनेजमेंट ऑफ़ कटिसन्धिगत वात विद स्पेशल रिफरेन्स तू लम्बर स्पोंडिलोसिस
49.	डॉ. भावना दत्त	डॉ. संजय कुमार गुप्ता	शल्य तंत्र	ए कम्पेरेटिव स्टडी ओन लोकल एप्लीकेशन ऑफ़ निम्बा घृता एंड जात्यादि घृता इन पोस्ट-फ़िस्सुरेक्टमी वाउंड।
50.	डॉ. आकाश कुमार गुप्ता	डॉ. व्यासदेव महंत	शल्य तंत्र	ए क्लीनिकल स्टडी ओन आइओन्टोफोरेसिस विद मुरिवेन्ना क्वाथ एज एन एडजंक्टिव थेरेपी इन द मैनेजमेंट ऑफ़ वात कंटक (plantar fasciitis)
51.	डॉ. मनीषा	डॉ. व्यासदेव महंत	शल्य तंत्र	वेलिडेशन ऑफ़ एआइआइए प्रोटोकॉल इन द मैनेजमेंट ऑफ़ डायबिटिक नेफ्रोपैथी (स्टेज 1 एंड 2)

52.	डॉ. खुशबू	डॉ. संजय कुमार गुप्ता	शल्य तंत्र	“ए कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी तू एवलुएट द एफिकेसी ऑफ़ कुटज क्षारसूत्र विद दैत ऑफ़ अपामार्ग क्षारसूत्र इन मैनेजमेंट ऑफ़ भगन्दर (फिस्टुला-इन-एनो)
53.	डॉ. मोनिका	डॉ. मंगलागौरी वी राव	स्वस्थ्यवृत्त	स्टडी ऑन अजस्रिका रसायन विथ स्पेशल रिफरेन्स टू मिल्क एंड घी एंड इट्स इफ़ेक्ट ऑन शरीर बल: अ सर्वे स्टडी
54.	डॉ. सुमन गीहर	डॉ. मंगलागौरी वी राव	स्वस्थ्यवृत्त	रोल ऑफ़ वेगधारण (सप्रेशन ऑफ़ अर्जेस) ऑफ़ वात,मूत्र,पुरीष इन यूरिनरी डिसऑर्डर्स:अ केस कण्ट्रोल स्टडी
55.	डॉ. प्रीति तोमर	डॉ. शिव कुमार हर्ति	स्वस्थ्यवृत्त	डेवलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ़ गुण बेस्ड प्रकृति एनालिसिस अल्गोरिथम टूल

संस्थागत समीक्षा बोर्ड

परिचय:

संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) मुख्यत: अनुसंधान के नैतिक और विनियामक निरीक्षण प्रदान करने के लिए है जो विद्वानों, कर्मचारियों और अन्य वैज्ञानिकों द्वारा एआईआईए को प्रस्तुत किया जाता है।

- एआईआईए द्वारा समर्थित अनुसंधान में भाग लेने के लिए भर्ती मानव अनुसंधान प्रतिभागियों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करना।
- संबंधित स्थानीय, राज्य और संघीय कानूनों और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना।
- एआईआईए नीतियों और नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना।
- यह सुनिश्चित करना कि प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्ताव आवंटित वित्तीय बजट में हैं या नहीं।
- ध्वनि अनुसंधान डिजाइन, वैज्ञानिक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन देना और यह निर्धारित करना कि अनुसंधान सामान्य ज्ञान में योगदान देता है और जोखिम के लिए विषयों को उजागर करने के लायक है।

एआईआईए में किए गए सभी शोध उच्च-नैतिक व वैज्ञानिक मानकों को पूरा करते हैं। इसे संस्थागत आचार समिति के स्वीकृत नैतिक-सिद्धांतों व मानकों के अनुरूप डिजाइन, समीक्षा, अनुमोदित व कार्यान्वित किया जाना चाहिए।

संस्थागत समीक्षा बोर्ड समिति:

आईआरबी के सदस्य सभी विभागाध्यक्ष होते हैं, जिसकी अध्यक्षता निदेशक करता है और समन्वयक व्यक्ति सदस्य सचिव होता है। समिति के घटक निम्नलिखित हैं:

प्रो. तनुजा मनोज नेसरी, निदेशक, एआईआईए	: अध्यक्ष
डॉ. राजगोपाला, सह-प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ कौमारभृत्य	: सदस्य सचिव
(स्वर्गीय) डॉ. कृष्ण दलाल	: सदस्य
डॉ. पी. के. प्रजापति, विभागाध्यक्ष, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग	: सदस्य
डॉ. सुजाता कदम, विभागाध्यक्ष, स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग	: सदस्य
डॉ. संजय गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र विभाग	: सदस्य
डॉ. मंजूषा आर., विभागाध्यक्ष, शालाक्य तंत्र विभाग	: सदस्य
डॉ. महेश व्यास, विभागाध्यक्ष, संहिता विभाग	: सदस्य
डॉ. मंगलगौरी राव, विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्यवृत विभाग	: सदस्य
डॉ. संतोषकुमार भट्टड, विभागाध्यक्ष, पंचकर्म विभाग	: सदस्य
डॉ. विट्ठल हुद्दार, विभागाध्यक्ष, रोग निदान विकृति विज्ञान विभाग	: सदस्य
डॉ. रमाकांत यादव, विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग	: सदस्य

आईआरबी बैठकों के लिए अनुसूची:

• आईआरबी एमडी/एमएस विद्वानों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने के बाद मिलता है और प्रस्तुत किए गए विवरण की समीक्षा करता है और सुझाव और संशोधनों को संस्थागत नैतिकता समिति को प्रस्तुत करने से पहले शामिल करने के लिए देता है।

• आईआरबी की बैठकें निर्धारित की जा सकती हैं यदि नए प्रस्ताव किसी विभाग, संकाय या किसी अन्य संस्थान द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं।

संस्थागत आचार समिति

परिचय:

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की संस्थागत नैतिकता समिति (आईईसी) का गठन वर्ष **2017** में किया गया था। आईईसी का उद्देश्य एआईआईए के तत्वावधान में किए गए सभी अनुसंधानों में उच्चतम नैतिक मानकों और आचरण सुनिश्चित करने के माध्यम से मानव विषयों की रक्षा करना है।

संस्थान के आईईसी द्वारा तैयार और प्रस्तुत एसओपी की सिफारिशों और दिशानिर्देशों के अनुसार, आईईसी की मूल जिम्मेदारी 'एक उद्देश्यपूर्ण तरीके से प्राप्त परियोजना प्रस्तावों के सभी नैतिक पहलुओं की एक सक्षम समीक्षा सुनिश्चित करना है।' एआईआईए का आईईसी संभावित अनुसंधान प्रतिभागियों की गरिमा, अधिकारों और भलाई की रक्षा और बढ़ावा देने का प्रयास करता है। सुनिश्चित करें कि सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मानकों का पालन किया जाता है और स्थानीय संदर्भ के अनुरूप होने के लिए प्रासंगिक किया जाता है। समय-समय पर एआईआईए अनुसंधान समुदाय को सलाह, शिक्षित और प्रशिक्षित करना; और किसी भी अपडेट पर अपनी आचार समिति के सदस्य को अवगत कराना।

संस्थागत नैतिक समिति के सदस्य:

आईईसी की अध्यक्षता एक अध्यक्ष करता है और सदस्य सचिव सहित **9** अन्य सदस्यों द्वारा समर्थित है। आईईसी की संरचना सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, प्रख्यात वैज्ञानिक, चिकित्सा चिकित्सक/ चिकित्सक, फार्माकोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, बायोस्टैटिस्ट, महामारीविद, कानूनी विशेषज्ञ और विभिन्न विषयों के सदस्यों का मिश्रण है।

आईईसी बैठकों के लिए अनुसूची:

आईईसी की बैठक आवधिक अंतरालों पर अर्थात बुधवार को प्रत्येक तीन महीने के अंतराल पर यानी जुलाई, अक्टूबर, जनवरी और अप्रैल में आयोजित की जाती है, जब तक कि सदस्य सचिव द्वारा निर्दिष्ट नहीं किया जाता है। अतिरिक्त समीक्षा बैठकें भी आवश्यक होने पर संक्षिप्त सूचना के साथ आयोजित की जा सकती हैं। कार्यभार की आवश्यकता के अनुसार बैठकों की योजना बनाई जाएगी।

- आईईसी की पहली बैठक **13 -14** जुलाई, **2017** को आयोजित की गई थी, जिसमें आईईसी के तौर-तरीकों के लिए एसओपी को अंतिम रूप दिया गया था।

एसओपी जिनके द्वारा तैयार की गई:

नाम	**सदस्य**
डॉ. तनुजा नेसरी, एमडी, पीएच.डी. प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, प्रमुख, डिविजन ऑफ ट्रांसलेशनल रिसर्च, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान,	**सदस्य सचिव, आईईसी**

नई दिल्ली - 110 076	
स्वर्गीय डॉ, कृष्णा दलाल, अनुसंधान सलाहकार, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली - 110 076	**सदस्य, आईईसी**

एसओपी की समीक्षा और अनुमोदन: संस्थान आचार समिति:

नाम एवं पदनाम	सदस्य
डॉ. आर. बी. द्विवेदी, एमडी, पीएच.डी. पूर्व डीन, आईपीजीडी एंड आर, बेसिक प्रिंसिपल आईजीपीटी एंड आर, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर	**चेयरपर्सन, आईईसी, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान,** **नई दिल्ली** - 110076
डॉ. पी. के. प्रजापति, अधिष्ठाता, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, रस शास्त्र विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली - 110 076	सदस्य
प्रो. आर. एम. पाण्डेय, बायोस्टैटिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली- 110 029	सदस्य
प्रो. सुबीर कुमार मौलिक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली - 110 029	सदस्य
प्रो. रितु प्रिया मेहरोत्रा सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ स्कूल ऑफ सोशल साइंस, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई मेहरोली रोड, मुनिरका के नजदीक, नई दिल्ली - 110 005	सदस्य
श्रीमती अनिता पाण्डेय कानूनी सलाहकार, एफ- 98 सेक्टर-41, नोएडा, उत्तर प्रदेश	सदस्य
डॉ. कृष्णा दलाल, रिसर्च एडवाइजर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली- 110076	सदस्य

डॉ. संजय कुमार गुप्ता, प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गौतमपुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली - 110 076	सदस्य
डॉ. विट्ठल हुद्दार, स-प्रोफेसर, काय-चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली- 110076	सदस्य

एसओपी स्वीकृतिकर्ता:

नाम	**पदनाम**
प्रो. डॉ. अभिमन्यु कुमार	निदेशक, एआईआईए, नई दिल्ली

- आईईसी की दूसरी बैठक 9-12 अगस्त, 2017 को आयोजित की गई थी, जिसमें एमडी/एमएस स्कॉलर्स बैच 2016-19 के प्रस्तावित रिसर्च सिनोप्सिस, विभिन्न विशेषताओं से 56 की कुल समीक्षा की गई थी और छात्र, गाइड और सह-गाइड को सिफारिशें दी गई थीं।
- आईईसी की तीसरी बैठक 16-17 मार्च 2018 तक आयोजित की गई थी, जिसमें 50 एमडी/एमएस स्कॉलर्स बैच 2017-20 के रिसर्च सिनॉप्सिस की अलग-अलग विशेषज्ञताओं की समीक्षा की गई थी।

प्रकाशित शोध पत्र/पुस्तकें

1. केएस जोशी, नेसारी टीएम, डेज एपी, सालवी एस, वलियाथन एमवी एट Dosha phenotype specific Ayurveda intervention ameliorates asthma symptoms through cytokine modulations: Results of whole system clinical trial. Journal of ethnopharmacology. 2017 फर. 2; 197: 110-7.
2. भट एस, माल्या एस, जोशी केएस, नेसारी टीएम, सत्यमूर्ति के एट अल। DNA methylation detection at single base resolution using targeted next generation bisulfite sequencing and cross validation using capillary sequencing. जीन. 2016 दिसंबर 15; 594 (2): 259-67
3. राम लखन मीणा एट अल। Management of avascular necrosis through ayurveda - A case study, Journal of research in traditional medicine, 2017; 3 (4)
4. शिवानी घिल्डियाल, Management of avascular necrosis through ayurveda - A case study, Journal of research in traditional medicine; 2017;2(3): 157-163, Journal of Drug Research in Ayurvedic Sciences, 2279-0357
5. शालिनी राय, Concept of Pain and its classification in Ayurveda: A critical analysis in the Souvenier of National Seminar on Pain management through Ayurveda, 16 अक्टूबर, 2017 (पीपी. 39-47)
6. शिवानी घिल्डियाल Vijaya (Cannabis sativa Lam.): Promising Herbs for Management of Neurological Disorders, Role of Basic Sciences in Translational Research in Ayuvedic Medicine, 9788192693576.
7. शिवानी घिल्डियाल, Critical Analysis of Analgesic Herbs Cited Under Mahakashaya Of Charaka Samhita, Page no. 48, Soveniar.
8. दिव्या कजरिया"Prevalence of Non-Alcoholic Fatty Liver diseases in Metabolic Syndrome- A Hospital based cross-sectional study" Asian Journal of Pharmaceutical and Clinical Research 10 (11): 149; नवंबर 2017
9. दिव्या कजरिया, Liver-Thyroid Insulin Axis in Diabetes- An unexplored link" World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences 2017
10. दिव्य कजारिया, Liver-Thyroid Insulin Axis in Diabetes- An unexplored link" World Journal of Pharmacy and Pharmaceutical Sciences 2017.
11. निरंजन एस।, देबासीस बिस्वाल, स्वप्न स्वंयप्रवा, सुब्रत कुमार ओझा, राजा राम महतो, Effect of Rasonadi kwath (an Ayurvedic formulation) in the management of Amavata (Rheumatoid arthritis), World Journal of Pharmaceutical and Life Sciences; डब्ल्यूजेपीएलएस, जनवरी 2018, वॉल्यूम। 4, अंक 3, 81-85, ISSN 2454-2229 (ऑनलाइन)
12. नसरीन अहमद, Systematic application of Ayurvedic principles for the management of Haemarthropathy-a case report. WJPR.7 (19) .2018
13. नसरीन अहमद, Management of Kampvata with Ayurvedic treatment modality-a case report. WJPPS.7 (12) .2018
14. नसरीन अहमद, Evaluating the effect of Durva swaras nasya in the management of Urdhwaga raktapitta w.s.r. epistaxis-a case report. EJBPS.5(12).2018
15. नसरीन अहमद, Efficacy of Ardhmatrika basti in the management of Amvata-a case report. IJAR.8(12).2018.
16. नसरीन अहमद, Evaluating cilinical efficacy of Tulsi aerosol in the management of Upper respiratory tract infection w.s.r. pratishyay-pilot study. AJPCR 31105.2018.

17. नसरीन अहमद, Evaluating cilinical efficacy of Tulsi aerosol in the management of Upper respiratory tract infection w.s.r. pratishyay-pilot study. AJPCR 31105.2018.
18. शिखा चौधरी, Management of life style disorders with special reference to mental health care (IJRMST)
19. सोनिया गुप्ता, Management of Chronic Kidney Disease (Mutraghata) through Ayurveda regimen: A case Report "(NJRAS).
20. भावना मावर, management of insulin dependent Diabetes Mellitus with antidiabetic herbal preparation - a case report (journal RAHS)
21. सुजाता कदम, Antenatal care to reduce Auditory and ocular disorders, International seminar souvenir Shrilanka
22. पुष्पलता, सुजाता कदम, Apamarg (A. Asperalinna), Acta Pharmacon, Issue 2,Vol.(3) June 2017, 01-07. ISSN 2455-8508.
23. प्रसन्ना वी एन, सुजाता कदम, Uterine Fibroid Ayurvedic Perspective. European journal of Biomedical and Pharmaceutical sciences, Issue 9, Vol.4 Year-2017, ISSN No. 2349-8870. SJIF- impact- 4.382
24. प्रसन्ना वी एन, डॉ। सुजाता कदम, Management of Uterine Fibroid with Ayurvedic Protocol. International journal of applied Ayurveda research, Vol.3/ Issue-3/ July- Aug. 2017/ ISSN No. 2347-6362
25. शिबरानी दाश, सुजाता कदम, Acomprehencive review of pathyakalpana and pathy- apathy (do's and don't's) in Streerogas(gynecologicaldisordrs), International journal of applied Ayurveda research, Vol.3/ Issue-3/ May-June. 2017/ ISSN No. 2347-6362.
26. सुरेखाहवाले, सुजाता कदम, Study the efficacy of Malati-Madhuk ointment in Kikkis. World Journal of Pharmaceutical research. Vol.6/ Issue.3/ ISSN No-b 2277-7105, SJIF Impact factor- 7.523.
27. सुजाता कदम, प्राची कंठले, Differential diagnosis ofYonigatswetastrav according to Ayurveda and modern view, Ayurvidya March. 2017 ISSN- 0378-6463.
28. अंकेश केए, स्वप्निल सी, जयंत एम, ग़ालिब आर, प्रजापति पीके, Analysis of Rasa Parpati through Advanced Analytical Techniques. Annals of Ayurvedic Medicine Vol-6 Issue-1-2 Jan-Jun, 2017, pg 23-30
29. व्यास कृति यज्ञकुमार, शुक्ल विनय जनार्दन, रुक्नुद्दीन गालिब, प्रजापति प्रदीप कुमार, Pharmaceutical Standardization of Guggulu Śodhana. Journal of Ayurveda Medical Sciences खण्ड: 2 अंक: 2 पृष्ठ: 165-173
30. तवीद कृष्णकुमार, वेकारिया श्वेता, बेदारकर प्रशांत, रुकनुद्दीन गालिब, पटगिरी बिस्वज्योति। Svarṇa Mākṣika Śodhana - A review through Rasa classics. Journal of Ayurveda Medical Sciences Volume: 2 Issue: 2 Pages: 158-64
31. ग़ालिब आर. संपादकीय। Ayurveda for the Management of Non Communicable Diseases. J Ayu Med Sci 2017; Jul-Sep 2(3): 214-5
32. शिवशंकर आर, श्वेता एम, ग़ालिब आर, Shelf Life Evaluation of Trivrit Avaleha - A Preliminary Assessment. J Ayu Med Sci 2017; Jul-Sep 2(3): 230-3
33. सरदा ओटा, अर्जुन सिंह, श्रीकांत एन, बोजा श्रीधर, गालिब रुकनुद्दीन, करतार सिंह धीमान; Chemical Characterization of an Ayurvedic Herbo-Mineral Formulation - Vasantakusumākara Rasa: A Potential Tool for Quality Assurance. Ancient Sci Life, 2017;36:207-14

34. हसमुख आर जादव, सहारा श्रेष्ठ, प्रशांत बदरकर, गालिब आर, पीके प्रजापति, Ayurvedic Management of (vitiligo) - A review of works, Journal of Indian System of Medicine, Vol.4 (3), July-September 2016
35. रोहित शर्मा, हेतल अमीन, ग़ालिब आर, पीके प्रजापति; Molecular targets of common Ayurvedic herbal antioxidants, Journal of Ayurvedic and Herbal Medicine 2017; 3(1): 36-40
36. अखिलेश शुक्ला, अनुपमा शुक्ला, एबघेल .एस., महेश व्यास Observation of various demographic, socio-economic and physical factors with sthaulya (obesity) in individuals preferring day sleep: a cross sectional survey, International Journal of Clinical and experimental Physiology, ISSN: print -2348-8832, online - 2348-8093, VOLUME 4, ISSUE 2.
37. सलोनी अम्बासना, वीशुक्ला और महेश व्यास .जे., The perspicacity of association rule mining in the multifaceted environment of Ayurveda, - Current Traditional Medicine, issn:2215-0846, (online), issn: 2215-0838 (print), Volume 3, issue 3.
38. अखिलेश शुक्ला, अनुपमा शुक्ला, एबघेल .एस., महेश व्यास, Measures for the conception of healthy progeny - ayurvedic approach, Ayurveda Journal of Health, Volume 15, ISSUE 1.
39. रमन कौशिक, प्रज्ञा शर्मा, ओम प्रकाश Management of cervical spondylosis through ayurveda: a case study International Journal of Research in Ayurveda and Pharmacy, ISSN (online) 2229-3566, ISSN (Print) 2277-4343, VOLUME 8 ISSUE 2,
40. मीरा के. भोजाणी, भट्टेड एस, कलवानिया एस., Effect of brimhana sneha and rasayana ghanvati in the management of post-menopausal syndrome, Joinsysmed 2017, ISSN 2320-4419, Volume 5, issue 1.
41. पंकज कुंडल, A Pilot study on the efficacy of ChandrodayaVarti in the management of Arma. IAMJ (ISSN 23205091) vol 6 Issue I January 2018.
42. राहुल शेरखाने, 'Vijaya (Cannabis sativa Lam.): Promising Herb for Management of Neurological Disorders'in Book "Role of Basic Sciences in Translational Research in Ayurvedic Medicine". Published by Mahima Research Foundation and Social Welfare 194
43. आदित्य नीमा, गुप्ता एसके, महंत वीडी, Transrectal ultrasonography based on evidence of Ksharsutra therapy for fistula in ano- a case series. Journal of Ayurveda and integrative Medicine (JAIM) 8 (2017) 113-121, ISSN:0975-9476
44. अनीश वासुदेव शर्मा, तुकाराम संभाजी दुधामल, गुप्ता एसके, महंत वीडी।, Clinical study of Agnikarma and Panchatikta Guggulu in the management of Sandhivata (osteoartheritis of knee joint) 'AYU' July 18, 2017, IP: 14.139.122.194 ISSN:0974-8520
45. महंत वीडी, फोरम जे, दुधामल टीएस, गुप्ता एसके Jalaukavacharana (Leech application) and adjuvant therapy in the management of infected wound, Journal of Ayurveda Case Reports, July-Sept 2017; 1(1):13-17
46. फोराम जोशी, वी. डी. महंत, टी. एस. दुधमल, एस के गुप्ता, Avacharana in the management of Sandhigata Vata WSR to Lumbar spondylosis - A Pilot study, Ayurlog, National journal of research in Ayurveda science, vol 5th, special issue; 6thmarch 2017. ISSN:2320-7329
47. नरेश कुमार घोडेला, व्यासदेव महंत, Dietary Regimen for Wound Healing - An Ayurveda Perspective, Journal of Ayurveda and Integrated Medical Sciences | Jan - Feb2017, Vol. 2, page no 7-10. ISSN: 2456-3110
48. व्यासदेव महंता, management of Madhumehajanya Vrana (diabetic foot ulcer) with local application of Humari (Securinega leucopyrus (wild) muell), A case report - published in

souvenir, National seminar on evidenced base Ayurveda approach to diagnosis, prevention and management of diabetes and it's complications organized by RAV on dt 20-30 may 2027

49. प्रज्ञा परमिता पांडा, शिव कुमार हर्ति, मंगलगौरी वी. राव "Analytical study on grapes and its therapeutic uses", European journal of biomedical and pharmaceutical sciences, ISSN No. 2349-8870,
50. सपना, मंगलगौरी वी. राव, "Raktamokshna - Review study with special Reference to Charaka Samhita", International Journal of Panchakarma and Ayurved Medicine, ISSN No. Year 2018, Volume-2, Issue-1 (January-March), Page No. 85-90
51. रविकांत प्रजापति, अजय कुमार पांडे, मंगलगौरी वी. राव, "Role of Yava (Barley) Based Diet and Yogic Practices in Management of Madhumeha (Diabetes Mellitus)", European Journal of Biomedical and Pharmaceutical sciences, ISSN No. 2349-8870, Vol 4, Issue:12, December 2017, Page No. 407-417
52. रविकांत प्रजापति, अजय कुमार पांडे, मंगलगौरी वी. राव, "Derma Care Through Ayurveda' European Journal of Pharmaceutical Medical Research, ISSN: 2394-3211, Vol 4, Issue 1, January 2017, Page No.277-283
53. Shiva Kumar Harti et al. "Ayurgenomics for stratified medicine: TRISUTRA consortium initiative across ethnically and geographically diverse Indian populations", Journal of ethnopharmacology (2016) (TRISUTRA Ayurgenomics CONSORTIUM)
54. तनुजा नेसरी, अपूर्व संगोराम और वैद्. वी.एम. गोगटे Textbook on Therapeutic Uses of Medicinal Plants (Dravyaguna) Revised Edition, Chaukhamba Orientation publication, Varanasi
55. तनुजा नेसरी, अपूर्व संगोराम, Manual for Holistic management of skin health and acne through Ayurveda, Referral book RSM s Tilak Ayu Mahavidyalaya, Pune
56. तनुजा नेसरी, अनुक्ता द्रव्य, Proceedings of 62nd Foundation Day Celebration & National Seminar on Dravyagunamn - "Anuktadravya Vivechana-2017", Gujarat Ayurved University Jamnagar, dated 20th -21st July 2017.

गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान आयुष मंत्रालय के तहत एक प्रमुख संस्थान है और इसे राष्ट्रीय स्थान प्राप्त है। जैसा कि संस्थान आयुर्वेदिक क्षेत्र के हर पहलू में उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में लंबे समय से प्रयास कर रहा है, चाहे वह नैदानिक, अनुसंधान या शैक्षणिक हो। आयुर्वेदिक दवाओं के वैश्विक उपयोग में जबरदस्त वृद्धि के साथ, उनकी प्रभावकारिता और सुरक्षा के बारे में कई मुद्दों को भी उठाया गया है। इसलिए यह प्रभावकारिता और सुरक्षा उपायों को मानकीकृत करने के लिए आवश्यक हो गया है ताकि अच्छी गुणवत्ता की दवा की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। आयुर्वेदिक दवाओं को खराब बताते हुए कुछ प्रतिक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए, गुणवत्ता नियंत्रण एक अनिवार्य पहलू बन गया है।

वर्तमान में ओपीडी और आईपीडी रोगियों के लिए औषधीय आवश्यकता सरकारी फार्मेसियों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। एआईआईए अपनी स्वयं की निर्माण इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया में है। औषधियों को फार्मेसी यूनिट के माध्यम से भेजा जा रहा है। आपूर्ति की जाने वाली दवाओं के लिए गुणवत्ता की जांच को बनाए रखने के लिए एक मजबूत क्यूसी लैब आवश्यक हो जाती है, जिससे उपभोक्ता की गुणवत्ता को लेकर की गई शिकायतों का भी सामना किया जा सके।

इसके अलावा, भविष्य में यह गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला अपने सभी घटक इकाइयों के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पूरे भारत में आयुर्वेदिक शोधकर्ताओं को विश्लेषणात्मक सहायता प्रदान करने के लिए एक केंद्र के रूप में भी काम करेगी। डॉ. प्रमोद आर. यादव, सहायक प्रोफेसर, रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग, क्यूसी लैब के प्रभारी हैं।

वर्तमान में, गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला के लिए आवंटित जगह अकादमिक भवन की दूसरी मंजिल पर स्थित है। लैब के लिए दो कमरे आवंटित हैं। ये कमरे प्रारंभिक क्यूसी उपकरणों और उपस्करों से सुसज्जित हैं।

1. **क्यूसी प्रयोगशाला उपकरणों और उपस्करों की सूची:**

क. डीटी एपरेटस

ख. डिजिटल ओवन

ग. माइक्रोवेव

घ. इलेक्ट्रिक मफल भट्टी

ङ. सोक्सलेट एपरेटस

च. डिस्टलेट्स एपरेटस

छ. वाटर बाथ

ज. मेगनेटिक स्टरर

झ. हॉट प्लाट

ञ. हीटिंग मेंटल

ट. पीएच मीटर

ठ. लचीलापन परीक्षण उपकरण

ड. गोली कठोरता परीक्षक

ढ. वर्नियर्स कैलिपर

ण. थोक घनत्व परीक्षण उपकरण

त. थर्मोमीटर

थ. फायनोमीटर

द. प्रयोगशाला में प्रयोग हेतु शीशे के सामान जैसे बीकर, फ्लास्क, फ़नल, टेस्ट ट्यूब, मापने वाले सिलेंडर आदि।

2. **परिष्कृत उपकरणों की सूची:**

क. टीएलसी किट

ख. एचपीटीएलसी सिस्टम

ग. एचपीएलसी प्रणाली

क. एएएस

एआईआईए फार्मेसी में बनाए गए आयुर्वेदिक फॉर्मूले पर किए गए विभिन्न क्यूसी परीक्षण:

- ऑर्गेनोलेप्टिक पैरामीटर अर्थात रंग, गंध, बनावट, तालुमूलकता आदि के लिए परीक्षण
- पीएच मान
- विशिष्ट गुरुत्व
- सूखने पर नुक्सान
- सार मूल्य अर्थात एल्कोहल में घुलनशील, पानी में घुलनशील आदि।
- एसिड अघुलनशील और पानी में घुलनशील राख
- टेबलेट पैरामीटर अर्थात कठोरता, स्थिरता, विघटन समय आदि।
- पौधों के अर्क की तैयारी
- विभिन्न कार्यात्मक समूहों की उपस्थिति के लिए गुणात्मक परीक्षण
- एकल/मिश्रित योगों की एचपीएलसी प्रोफाइल
- एचपीटीएलसी प्रोफाइल सिंगल/कंपाउंड फॉर्मूलेशन

एंटीऑक्सिडेंट विश्लेषक और माइक्रो - पिपेट की खरीद की प्रक्रिया चल रही है।

एचपीटीएलसी सिस्टम

एचपीएलसी सिस्टम

एएएस प्रणाली

क्यूसी परीक्षण करने वाले पीजी छात्र

क्यूसी परीक्षण करने वाले पीजी छात्र

राजभाषा अनुभाग

<u>राजभाषा विभाग</u>

➢ **<u>हिंदी का प्रगामी प्रयोग</u>**

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान देना जारी रखा। वर्ष 2017-18 में हिंदी के प्रचार-प्रसार और राजभाषा नीति से जुड़े दायित्वों को पूरा करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए। संस्थान में निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया तथा प्रत्येक तिमाही में विभाग प्रमुखों के साथ इस समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित की गयी। बैठक में हिंदी के प्रगामी प्रयोग की स्थिति की समीक्षा की गयी। विवेच्य अवधि में संस्थान में आयोजित अधिकांश सेमिनारों/बैठकों में संप्रेषण माध्यम के रूप में हिंदी का प्रयोग किया गया।

संस्थान में 14 से 29 सितंबर 2017 तक की अवधि हिंदी पखवाड़े के रूप में मनाई गयी और इस दौरान राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता लाने के लिए विभिन्न हिंदी कार्यक्रमों/हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्थान के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए पूरे वर्ष नियमित रूप से प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इस वर्ष की विशेष उपलब्धि यह रही कि - लिए गए निर्णय के अनुसार चिकित्सकों द्वारा 75% से अधिक औषधपत्र हिंदी में लिखे।

वर्तमान में, संस्थान के राजभाषा विभाग में श्रीमती ऋचा अधिकारी, राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह

कार्मिकों के लिए हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

वित्त विभाग

- तुलन पत्र
- लेखापरीक्षा रिपोर्ट

आयुष मंत्रालय
भारत सरकार

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

वर्ष 2017-18 के लिए
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
की वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

गौतमपुरी, सरिता विहार, मथुरा रोड, नई दिल्ली -110076
Gautampuri, Sarita Vihar, Mathura road, NEW DELHI-110076
ई-मेल: aiianewdelhi@gmail.com दूरभाष: 011-29948658 फैक्स: 011-29948660

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	तुलन-पत्र	1
2.	अनुसूची -1	2
3.	अनुसूची -1A	3
4.	अनुसूची -2	4
5.	अनुसूची -3	5
6.	अनुसूची -4	6
7.	आय और व्यय खाता	7
8.	अनुसूची -5	8
9.	अनुसूची -6	9
10.	अनुसूची -7	10
11.	अनुसूची -8	11
12.	अनुसूची -9	12
13.	प्राप्ति और भुगतान खाता	13
14.	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ (अनुसूची -10)	14
15.	लेखाओं पर टिप्पणियां(अनुसूची -11)	15

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

RSPH & Associates

Chartered Accountant

R.K. Batra
B.Sc, FCA

Tarun Kumar Batra
B.Com(H), FCA, DISA (INDIA), CISA (USA)

The Director
All India Institute of Ayurveda (AIIA)
New Delhi

Dear Sir

With reference to your Letter No G-/8002/1/01/2018/3213 dated 12/03/2018, with respect to allotment of work for compilation of Annual Accounts of AIIA for the year 2017-2018. We hereby inform you that as per the expression of interest and on the basis of documents, vouchers and information provided to us, we have completed the work of compilation of Annual Accounts of AIIA as per expression of interest letter dated 15/01/2018.

We therefore request you to kindly release the payment in respect of the above referred assignment. Invoice has already been issued to you.

Kindly release our payment in respect of the above referred assignment.

Thanking you

Yours faithfully
For RSPH & ASSOCIATES
(Chartered Accountants)

(Partner)

... Rajendra Place, New Delhi-8 • Ph.: +91-11-41538833, 25716850, Fax : +91-11-41538839 Mob.: 98100 35333, 98103 5...
E-mail : casarunbatra@gmail.com, tarun@rsphindia.com | Website : www.rsphindia.com
Branch Office : • Nasik • Indore • Ujjain

वित्तीय विवरण (गैर-लाभ संगठन)

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार, मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 के अनुसार तुलन-पत्र

कोर/पूंजीगत निधि और देनदारियां	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
		राशि	राशि
कोर/पूंजीगत निधि	1	580,174,829.22	595,847,444.30
उद्दिष्ट/अक्षयनिधि/अन्य निधियां	1क	132,351,611.00	-
वर्तमान देयताएँ और प्रावधान	2	57,632,119.00	-
कुल		**770,158,559.22**	**595,847,444.30**
परिपरिसंपत्ति			
अचल परिसंपत्ति	3	2,255,962.00	641,819.00
निवेश - अन्य		-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम	4	767,902,597.22	595,205,625.30
कुल		**770,158,559.22**	**595,847,444.30**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	10		
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणी	11		

कृते अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली 110076

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा

अनुसूची-1

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
	राशि	राशि
कोर/पूंजीगत निधि		
वर्ष के प्रारंभ में शेष	595,847,444.30	478,045,556.00
जोड़: - अथ शेष अंतर समायोजित	-	287,689,190.30
जोड़: - कोर/पूंजीगत निधि की ओर अंशदान	-	
आय और व्यय खाते से स्थानांतरित	-15,672,615.08	-169,887,302.00
कुल	**580,174,829.22**	**595,847,444.30**

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा

अनुसूची-1क

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
	राशि	**राशि**
फार्माकोविजिलेंस इनिशिएटिव (एएसयू ड्रग्स) के लिए अनुदान		
वर्ष के दौरान प्राप्त 1,50,00,000/- रु.		
घाटा: - वर्ष के दौरान उपयोग किए गए 3,48,389/- रु.	14,651,611.00	
पूंजीगत परिसंपत्ति के सर्जन के लिए अनुदान		
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	117,700,000.00	
कुल	**132,351,611.00**	

कृते अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा

अनुसूची-2

विवरण	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
	राशि	**राशि**
<u>वर्तमान देयताएँ और प्रावधान</u>		
सीसीआरवायएन से ऋण	57,600,000.00	
प्रतिभूति जमा	32,119.00	
कुल	**57,632,119.00**	**-**

कृते अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा

अनुसूची -3

विवरण	सकल ब्लॉक					नेट ब्लॉक		
	अथ शेष	अप्रैल 2017 से सित 2017 तक के दौरान जोड़	अक्तूबर 2017 से मार्च 2018 तक के दौरान जोड़	कटौती वर्ष के दौरान	31/03/2018 को वर्ष समाप्ति पर	मूल्यह्रास		अंत शेष
						दर	वर्ष की समाप्ति पर	मूल्यह्रास के बाद
1. कार्यालय उपकरण	1,11,901.00	-	-	-	1,11,901.00	15.00	16,785.00	95,116.00
2. प्रयोगशाला और अस्पताल उपकरण	5,29,918.00	-	-	-	5,29,918.00	15.00	79,488.00	4,50,430.00
3. पुस्तकें		28,50,694.00	-	-	28,50,694.00	40.00	11,40,278.00	17,10,416.00
कुल	**6,41,819.00**	**28,50,694.00**	**-**	**-**	**34,92,513.00**		**12,36,551.00**	**22,55,962.00**
पिछला वर्ष	**7,55,081.00**	**-**	**-**	**-**	**7,55,081.00**		**1,13,262.00**	**6,41,819.00**

कृते अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director
All India Institute of Ayurveda
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली
अनुसूची अवधि के लिए आय का एक हिस्सा एवं व्यय बनाने समाप्त 31/03/2018

अनुसूची -4

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
	राशि	राशि
<u>वर्तमान परिसंपतियां, ऋण और अग्रिम</u>		
<u>अ. वर्तमान परिसंपतियां</u>		
1. हाथ में नकद राशि(चैक/डार्फ्ट, अग्रदाय सहित)	95,000.00	-
<u>2. बैंक शेष</u>		
(i) बैंक ऑफ बडौदा (एआईआईए)	12,10,255.50	1,25,87,348.50
(ii) भारतीय स्टेट बैंक (सीसीआरएस)	-	4,98,13,108.00
(ii) भारतीय स्टेट बैंक 3258	14,03,98,263.30	26,38,40,584.80
(iii) एच.डी.फ.सी. बैंक लिमिटेड 193	1,13,575.20	
(iv) आईसीआईसीआई बैंक 0942	81,52,995.89	48,10,126.00
(v) आईसीआईसीआई बैंक 0984	4,56,114.00	4,29,907.00
(vi) आईसीआईसीआई बैंक 1260	67,45,023.00	12,98,624.00
(vii) आईसीआईसीआई बैंक 1518	7,46,569.00	6,87,690.00
(viii) आईसीआईसीआई बैंक 1906	3,81,82,192.55	-
(ix) सिंडीकेट बैंक 0965	14,61,90,528.78	-
कुल (क)	**34,22,90,517.22**	**33,34,67,388.30**
<u>ब. ऋण और अग्रिम</u>		
1. नेश्नल कैम्पियेन ए.आई.आई.ए.,सरिता विहार	1,74,35,442.00	1,74,35,442.00
2. ए.आई.आई.ए., आकस्मिक अग्रिम	24,43,02,795.00	24,43,02,795.00
3. टी.डी.एस. प्राप्त	61,670.00	
<u>पूंजीगत व्यय के पक्ष में अग्रिम</u>		
1. मैमर्स आई.टी.आई. लिमिटेड	1,19,77,223.00	
2. मैमर्स रैल टेल कोर्पोरेशन ईडिया लिमिटेड	15,87,950.00	
3. नेशनल प्रोजेक्ट्स कंस्ट्रक्शन	15,00,92,000.00	
4. दक्षिण दिल्ली नगर निगम	1,55,000.00	
		-
कुल (ख)	**42,56,12,080.00**	**26,17,38,237.00**
कुल (क+ख)	**76,79,02,597.22**	**59,52,05,625.30**

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
New Delhi

वित्तीय विवरण (गैर-लाभ संगठन)

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार, मथुरा रोड, नई दिल्ली
31/03/2018 के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
		राशि	राशि
(क) आय			
उपयोगकर्ता शुल्क/परीक्षा शुल्क से आय	5	3,99,53,110.40	-
प्राप्त अनुदान		17,68,00,000.00	-
अर्जित ब्याज	6	1,58,83,941.78	82,91,064.00
विविध आय	7	41,781.00	12,08,953.00
वृद्धि/(कमी) तैयार माल और WIP के स्टॉक में			-
कुल (क)		**23,26,78,833.18**	**95,00,017.00**
(ख) व्यय			
स्थापना व्यय s	8	8,12,79,636.00	6,45,05,002.00
अन्य प्रशासनिक व्यय	9	16,58,35,261.26	11,47,69,055.00
अनुदान सब्सिडी पर व्यय			-
मूल्यह्रास	3	12,36,551.00	1,13,262.00
कुल (ख)		**24,83,51,448.26**	**17,93,87,319.00**
व्यय से अधिक आय की शेष राशि (क-ख)		-1,56,72,615.08	-16,98,87,302.00
सरप्लस होने के कारण बैलेंस/ (घाटा)कोष/ कैपिटल फंड में ले जाया गया		-1,56,72,615.08	-16,98,87,302.00
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	10		
आकस्मिक देयताएं और लेखा टिप्पणी	11		

डी.डी.ओ.

Director

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए आय एवं व्यय अनुसूची

अनुसूची -5

विवरण	वर्तमान वर्ष
	राशि
बिक्री / सेवाओं से आय	
रोगी पंजीकरण शुल्क	54,36,419.02
कोर्स शुल्क प्राप्त हुआ	31,54,159.89
परीक्षा शुल्क प्राप्त हुआ	3,13,62,531.49
कुल	**3,99,53,110.40**

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए आय एवं व्यय अनुसूची

अनुसूची -6

विवरण	वर्तमान वर्ष
	राशि
अर्जित ब्याज	
एफडीआर पर प्राप्त ब्याज (आईसीआईसीआई बैंक)	8,26,549.00
बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	
(i) आईसीआईसीआई बैंक 906	4,93,208.00
(ii) आईसीआईसीआई बैंक 984	16,297.00
(iii) आईसीआईसीआई बैंक 518	26,760.00
(iv) आईसीआईसीआई बैंक 942	2,38,710.00
(v) आईसीआईसीआई बैंक 260	1,23,672.00
(vi) बडौदा बैंक	11,22,907.00
(vii) भारतीय स्टेट्ट बैंक 3258	59,63,210.00
(viii) भारतीय स्टेट्ट बैंक सी.सी.आर.ए.एस.	23,27,846.00
(ix) सिंडीकेट बैंक	47,44,782.78
कुल	**1,58,83,941.78**

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए आय एवं व्यय अनुसूची

अनुसूची -7

विवरण	वर्तमान वर्ष
	राशि
अन्य आय	
विविध आय	31,871.00
प्राप्त निविदा शुल्क	9,910.00
कुल	**41,781.00**

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए आय एवं व्यय अनुसूची

अनुसूची -8

विवरण	वर्तमान वर्ष
	राशि
स्थापना व्यय	
वेतन व्यय	7,90,80,274.00
पेंशन	21,99,362.00
कुल	**8,12,79,636.00**

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
गौतमपूरी,सरिता विहार,मथुरा रोड, नई दिल्ली

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए आय एवं व्यय अनुसूची

अनुसूची -9

विवरण	वर्तमान वर्ष
	राशि
<u>अन्य प्रशासनिक व्यय</u>	
आकस्मिक व्यय	6,59,37,737.00
विविध व्यय	9,38,156.26
कार्यालय व्यय	7,23,046.00
पी.पी.एस.एस./ आउटसोर्स व्यय	9,05,53,563.00
संगोष्ठी व्यय	41,98,042.00
प्रशिक्षण और सम्मेलन व्यय	1,83,489.00
विज्ञापन व्यय	14,73,664.00
एल.टी.सी. व्यय	86,719.00
स्वास्थय रक्षण कार्यक्रम व्यय	5,729.00
यात्रा व्यय	17,35,116.00
कुल	**16,58,35,261.26**

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

वित्तीय स्थिति (गैर लाभ संगठन)
इकाई का नाम - अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए प्राप्ति एवं भुगतान अनुसूची

प्राप्तियां		भुगतान	
विवरण	राशि	विवरण	राशि
ओपिंग बैलेंस			
बैंक में नकद (सीसीएआरएएस)	49,813,108.00	स्थापना व्यय	81,279,636.00
कैश ऑन बैंक (एआईआईए) बैंक ऑफ बड़ौदा	12,587,349.00	अन्य प्रशासनिक व्यय	165,835,261.76
हाथ में पैसे	-	निर्मित एफडीआर	35,000,000.00
भारतीय स्टेट बैंक 3258	263,840,584.80	पूंजी व्यय	166,662,867.00
आईसीआईसीआई बैंक 0942	4,810,126.00	टीडीएस/प्रदत्त टैक्स	61,670.00
आईसीआईसीआई बैंक 0984	429,907.00		
आईसीआईसीआई बैंक 1260	1,298,624.00		
आईसीआईसीआई बैंक 1518	687,690.00		
		समाप्ति के समय बकाया	
ब्याज प्राप्त किया	15,883,941.78	हाथ में पैसे	95,000.00
अन्य रसीदें	39,994,891.40	बडौदा बैंक (एआईआईए)	1,210,255.50
सहायता प्राप्त में अनुदान	176,800,000.00	भारतीय स्टेट् बैंक (सीसीएआरएएस)	-
सीसीआर्वायएन से ऋण	57,600,000.00	भारतीय स्टेट् बैंक 3258	140,398,263.30
एफडीआर परिपक्व	35,000,000.00	एच.डी.फ.सी. बैंक लिमिटेड 193	113,575.20
जमानत राशि प्राप्त हुई	32,119.00	आईसीआईसीआई बैंक 0942	8,152,995.89
परियोजनाओं के लिए अनुदान	14,651,611.00	आईसीआईसीआई बैंक 0984	456,114.00
कैपिटल एसेट्स के निर्माण के लिए अनुदान	117,700,000.00	आईसीआईसीआई बैंक 1260	6,745,023.00
		आईसीआईसीआई बैंक 1518	746,569.00
		आईसीआईसीआई बैंक 1906	38,182,192.55
		सिंडिकेट बैंक 0965	146,190,528.78
	791,129,951.98	**-**	**791,129,951.98**

वित्तीय विवरणों का फॉर्म (गैर-लाभकारी संगठन)

इकाई का नाम : ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एआईआईए)

31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

अनुसूची 10- महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ (उदाहरणार्थ)

1. **लेखांकन परिपाटी**

   वित्तीय विवरण को ऐतिहासिक परिपाटी के आधार पर और नकदी के आधार पर, जब तक अन्यथा न कहा जाए और खातों की नगद विधि के आधार पर किया गया है।

2. **सूची मूल्यांकन**

   स्टोर और पुर्जों (मशीनरी पुर्जों समेत) की कीमत तय की गई है।

3. **अचल संपत्तियां**

   अचल संपत्तियों को आवक माल, करों के अधिग्रहण की लागत और आकस्मिक और अधिग्रहण के लिए प्रत्यक्ष खर्चों पर बताए गए हैं। निर्माण से संबंधित, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य के हिस्से से, इसके पूर्ण होने के लिए विशिष्ट परियोजना के लिए ऋण पर ब्याज सहित संबंधित पूर्व संचालन खर्च।

4. **मूल्यह्रास**

   वर्ष के लिए प्रसिद्ध परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर संपत्ति को लिखित/कम मूल्य पर प्रदान किया गया है:

मद	मूल्यह्रास की दर
प्रयोगशाला और अस्पताल उपकरण	15%
कार्यालय उपकरण	15%
पुस्तकालय की किताबें	40%

   मूल्यह्रास की उपरोक्त दरों को आयकर नियम 1962 के नियम 5 के परिशिष्ट 1 में प्रदान किए गए आयकर नियमों से अपनाया गया है। मूल्यह्रास के संबंध में अतिरिक्त मूल्यह्रास भी वित्तीय वर्ष के दौरान लागू होने पर प्रदान किया जाता है। अचल संपत्तियां अनुदान से बाहर की गई परिसंपत्तियों को दमन करते हैं, जिन्हें कोष और योजना के आधार पर बनाया जाता है।

5. **सरकारी अनुदान / सब्सिडी**

   वर्ष के दौरान पूंजीगत सरकारी अनुदान को आय और व्यय विवरण में रसीद के आधार पर ध्यान में रखा गया है।

6. **सेवानिवृत्ति लाभ**

   कर्मचारियों की मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर भुगतान की गई ग्रेच्युटी वास्तविक आधार पर ली जाती है।

सी.ए.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

इकाई का नाम : अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए)
31/03/2018 को समाप्त अवधि के लिए खातों का हिस्सा बनाने की अनुसूची

अनुसूची 11- प्रासंगिक देयता और खातों के नोट (उदाहरणार्थ)

1. **वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम**
प्रबंधन की राय में वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिम राशियां व्यापार के साधारण नियम में प्राप्ति पर एक मूल्य है, जो बैलेंस शीट में दिखाए गए कुल राशि के बराबर है।

2. **कराधान**
कराधान के संदर्भ में, एक गैर-लाभकारी संगठन होने के नाते, आयकर अधिनियम 1961 के अनुसार वर्ष 2017-18 (आकलन वर्ष 2018-19) के लिए संस्थान के वार्षिक वित्तीय विवरणों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

3. पिछले वर्ष के अनुरूप आंकड़े जहां भी आवश्यक हों, पुन: व्यवस्थित/पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं।

4. अनुसूचियां और अनुलग्नक 31/03/2018 और आय व्यय और रसीद भुगतान खातों के रूप में बैलेंस शीट के एक अभिन्न अंग से जुड़े हैं।

5. आंकड़े निकटतम रुपये के लिए दर्शायए गए हैं।

6. (i) आय/व्यय और रसीद/भुगतान खाते वास्तविक व्यय के आधार पर तैयार किए गए हैं। अग्रिमों पर व्यय को आय और व्यय खातों के बजाय बैलेंस शीट में दिखाया गया है क्योंकि इस तरह के आय और व्यय खाते सकल व्यय की तस्वीर को नहीं दर्शाते हैं।

(ii) बैलेंस शीट में दर्शाए गए आय और व्यय खातों (+) अग्रिमों में दिखाए गए वास्तविक व्यय को ध्यान में रखकर सकल व्यय का आगमन किया जा सकता है।

7. स्वायत्त निकायों के वार्षिक खातों के प्रारूप के अनुसार अन्य अनुसूची।

8. अस्वीकरण: -
(i) वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) के वार्षिक खाते हैं।

(ii) हमने अपने द्वारा निर्मित रिकॉर्ड, खातों व सूचनाओं के आधार के इन वार्षिक खातों को तैयार किया है।
(iii) हमें प्राप्त होने वाले रसीद और भुगतान खातों के अनुसार नकद और नकदी के ऑपनिंग बैलेंस में 27,10,66,931.80 रुपये का विचलन है और नगद और नकद के समतुल्य के ऑपनिंग बैलेंस में 1,66,22,258.50 रुपये का अंतर है। दोनों अंतरों का खुलासा "ऑपनिंग बैलेंस के अंतर समायोजित" शीर्षक के तहत अनुसूची 1 पर किया गया है।

डी.डी.ओ.
अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

Director,
All India Institute of Ayurveda,
New Delhi

SPEED POST

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi-110002

सत्यमेव जयते

पत्र संख्या : ए.एम.जी.- II/एस.ए.आर./7-22/अ.भा.आ.सं./18-19/ दिनांक

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
आयुष मंत्रालय,
आयुष भवन, जी.पी.ओ. कोम्प्लेक्स
आइ.एन.ए. नई दिल्ली-110023.

विषय : वर्ष 2017-18 के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मैं, **अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान**, नई दिल्ली के वर्ष 2017-18 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति, उसके पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124, को भेजी जाएं।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाए कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing body) द्वारा अनुमोदित करा लिया गया है तथा यह भी सुनिश्चित करें कि वर्ष 2017-18 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हैं।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद एवं इसको जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण **(disclaimer)** अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

अनुलग्नक: यथोपरि,

Inward Diary No.: 1451
Initial: ...
Diarist: ... 20/8/19

भवदीय,

-हस्ता-

(प्रवीन कुमार सक्सेना)
उप-निदेशक (ए.एम.जी.-II)

Ph. : +91-11-23454100
Fax : +91-11-23702271
DGACR Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgace@cag.gov.in

18 MAR 2019

पत्र संख्या : ए.एम.जी.- II/एस.ए.आर./7-22/अ.भा.आ.स./18-19/८९८ दिनांक

पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति **डा. तनुजा मनोज नेसरी, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गौतम पुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली- 110076** को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है।

संसद को प्रस्तुत दस्तावेजों की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए जब वे संसद को प्रस्तुत किए गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली-110124 को भेजी जाएं।

अनुलग्नक: यथोपरि

प्रवीन सक्सेना 18/3/19

(प्रवीन कुमार सक्सेना)
उप-निदेशक (ए.एम.जी.-II)

पत्र संख्या : ए.एम.जी.- II/एस.ए.आर./7-22/अ.भा.आ.स./18-19/ दिनांक

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र सहित **प्रधान निदेशक (रिपोर्ट स्वायत्त निकाय), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124** को अग्रेषित की जाती है।

यह पत्र **महानिदेशक** (केन्द्रीय व्यय) के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

अनुलग्नक: यथोपरि

-हस्ता-

(प्रवीन कुमार सक्सेना)
उप-निदेशक (ए.एम.जी.-II)

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the accounts of the All India Institute of Ayurveda for the year ended 31 March 2018.

We have audited the attached Balance Sheet of the All India Institute of Ayurveda (Institute) as at 31 March 2018, the Income & Expenditure Accounts and Receipts & Payments Accounts for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted upto the year 2021-22. These financial statements are the responsibility of management of the Institute. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG'S Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provided a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The BalanceSheet, Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the common format approved by the Ministry of Finance.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Instituteas required in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that:

A Balance Sheet

A.1 Assets

A.1.1 Fixed Assets (Schedule - 3) – ₹22.56 lakh

A.1.1.1M/o H&FW entered into an agreement (April 2008) with M/s HSCC Ltd. (consultant) for providing consulting services for construction of building and procurement of equipment/furniture for the Institute. Institute has started using this building from May 2015. As on 31.03.2018, Ministry/Institute paid an amount of ₹140.38 crore to the consultant. Out of which, consultant had already incurred expenditure of ₹120.02 crore for construction of building and procurement of furniture and equipment. However, it is observed that Institute had not included above assets in its accounts. This resulted in understatement of Fixed Assets/Work-in-progress and Current Assets, Loans and Advances by ₹120.02 and ₹20.36 crore, respectively and also understatement of Corpus/Capital Fund by ₹140.38 crore.

A.1.1.2 During the year 2017-18, Institute had purchased equipment and furniture items worth ₹9.21 lakh. However, these items were not accounted for under Fixed Assets and charged as expenditure. This has resulted in understatement of Fixed Assets and overstatement of expenditure by like amount.

B. Income & Expenditure Accounts

B.1 Income From User Charges/Examination Fee- (Schedule-5)- Rs.4.00 crore

During the year 2017-18, Institute had received Caution Money, Vendor Earnest Money Deposit (EMD) and Security Deposit (SD) amounting to ₹13.06 lakh from the Vendors, students of Post Graduate Scholars, Hospital Management Courses and Panchakarma Technicians. Though, the caution money/EMD/SD was refundable to the vendors/students after completion of course/assignment, it was not disclosed as liability in the 'Schedule 2 (Current Liabilities & Provisions)' of the annual accounts of the Institute. This has resulted in overstatement of Income and understatement of Liabilities by ₹13.06 lakh.

C. General

C.1 As per note no. 8(iii) of Notes on Accounts, there is a deviation of ₹27.10 crore and ₹1.66 crorein opening balances of cash and cash equivalent. This difference of 28.76 crore has been disclosed in Schedule - 1 under the head 'Opening Balance Difference Adjusted'. However, this amount should be appropriately depicted in the respective heads of accounts.

In view of the above, we are not able to form an opinion on the correctness of the figure shown as 'Opening Balance Difference Adjusted'.

C.2 The Institute had disclosed advances of ₹24.43 crore under the head 'AIIA Contingent Advance' in the 'Schedule 4B- Loan & Advances' of the annual accounts. The details of advances were not provided to audit by the Institute therefore figures could not be verified by audit.

C.3 The provision of retirement benefits has not been made in the accounts on actuarial basis as required under Accounting Standard (AS-15) of ICAI.

C.4 The Institute had received "Grant for Pharmacovigilance Initiative (ASU Drugs)" of ₹1.5 crore shown under 'Schedule 1A - Earmarked/Endowment/Other Funds' in which ₹3.48 lakh was utilized during 2017-18.The details regarding expenditure on ASU Drugs was not provided to audit by the Institute therefore this could not be verified by audit.

C.5 As per Schedule 10 (Significant Accounting Policies), the annual accounts of the Institute were prepared on cash basis, which was in contravention of the uniform format of accounts.

C.6 Institute had shown cash in hand of ₹ 95000/- in the Receipt & Payment Account. However, as per petty cash book the cash in hand (Imprest) was ₹ 75000/-. The difference needs to be reconciled.

C.7 The ownership of the land on which the Institute building was constructed lies with the Ministry. A disclosure to this effect should be incorporated in the Notes on accounts.

C.8 The Institute was registered on 23.08.2013 under Society Registration Act XXI of 1860, Registration No. S-E/93/District-South-East/2013. The Accounts/Balance Sheet of Institute were prepared/compiled by Central Council for Research in Ayurvedic Sciences till 2016-17. In 2017-18, the Institute had prepared its first independent Annual Accounts. A disclosure to this effect should have been incorporated in the Notes on accounts.

D. Grant-in-aid

The Institute received Grants-in-aid of ₹29.45 crore during 2017-18. The Institute had an un-utilized balance of ₹31.26 crore of the previous years. The Council had incurred an expenditure of ₹36.28 crore leaving an un-utilized balance of ₹24.43 crore as on 31 March 2018.

E. Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of management of Institute through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, because of the effects of the observations discussed above in the **comment nos. A.1.1.1 and C.1**, the financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, **do not give a true and fair view** in conformity with accounting principles generally accepted in India

a. In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the All India Institute of Ayurveda as at 31 March 2018 and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the deficit for the year ended on that date.

Manik Kumar

Director General of Audit
(Central Expenditure)

Place: New Delhi
Date: 18.03.2019

Annexure

1. **Adequacy of Internal audit system**

   The internal audit was conducted by Ministry of AYUSH upto 2010-14.

2. **Adequacy of Internal Control System**

   (i) The Internal Audit of the Institute has been carried out by the Ministry of AYUSH upto 2010-14. The management's response to internal objections was not effective as 9 paras of Internal audit report of 2010-14 were outstanding as on 31.03.2018.

   (ii) Internal audit was not done regularly by the Ministry.

   (iii) Cash book and bank reconciliation statement are not maintained by the Institute.

3. **System of Physical verification of assets**

   The physical verification of non-consumable/assetswas not conducted.

4. **System of Physical verification of inventory.**

   The physical verification of inventory like books & publication, stationery and other consumables was not conducted.

5. **Regularity in payment of dues**

   As per accounts, no payments for over six months in respect of statutory dues were outstanding as on 31.03.2018.

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA (AIIA)

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)

(An Autonomous Organization under the Ministry of AYUSH, Govt. of India)
Mathura Road, Gautampuri, Sarita Vihar, New Delhi – 110076